RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

# बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः282, गुरुवार, 23 अक्टूबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

मोतिहारी बिधानसभा चुनाव बना रोमांचक, क्या मतों क़े बिखराव से भाजपा के इस दुर्ग पर... 03

महागठबंधन की सरकार बनी तो जीविका दीदी को मिलेगा सरकारी कर्मी का... 04

रिलीज हुआ धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म तेरे इश्क में का टाइटल सॉन्ग 07

## बेहद खतरनाक है देवबंद, मदरसे पर रखो नजर

- तालिबान के सबसे बड़े दुश्मन ने भारत को दी चेतावनी

**काबुल (एजेंसी)।** अफगानिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति अमरुल्लाह सालेह ने भारतीयों और दुनिया भर के हिंदुओं को दीपावली की शुभकामनाएं दी हैं। इसके साथ ही उन्होंने भारत के लिए एक चेतावनी भी दी है। अमरुल्लाह सालेह अफगान तालिबान और पाकिस्तान की सेना के जेहादी एजेंडे के कट्टर

आलोचक हैं। अगस्त 2021 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के समय तत्कालीन अशरफ गनी सरकार में उप राष्ट्रपति की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। बाद में उन्होंने तालिबान के विरोधी धड़े वाले विद्रोही नेता अहमद मसूद से हाथ मिला लिया था। सालेह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, सभी भारतीयों और दुनिया भर के हिंदुओं को दीवाली की शुभकामनाएं! आप सभी के अच्छे स्वास्थ्य की कामना करता हूं। इस बीच कृपया देवबंद मदरसे का ध्यान रखें।

## पांच महानगरों में खुलेंगे 'इन्वेस्ट यूपी' के सैटेलाइट ऑफिस

- मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में खोले जाएंगे

**लखनऊ (एजेंसी)।** निवेशकों को प्रदेश में निवेश प्रोत्साहन के लिए देश के पांच महानगर मुंबई, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और नई दिल्ली में इन्वेस्ट यूपी के सैटेलाइट निवेश प्रोत्साहन ऑफिस खोले जाएंगे। इसका उद्देश्य देश के बड़े औद्योगिक केंद्रों से पूंजी निवेश को सीधे उत्तर प्रदेश तक लाना और निवेशकों को राज्य की नीतियों एवं संभावनाओं से जोड़ना है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ पहले ही इन्वेस्ट यूपी के पुनर्गठन प्रस्ताव को हरी झंडी दे चुके हैं। इसी क्रम में इन सैटेलाइट ऑफिसों की स्थापना किए जाने का प्रस्ताव है, जो राज्य में औद्योगिक विकास को नई रफ्तार देंगे। प्रत्येक ऑफिस में एक जनरल मैनेजर, एक असिस्टेंट जनरल मैनेजर, दो उद्यमी मित्र, दो एग्जिक्यूटिव और दो ऑफिस असिस्टेंट की टीम कार्य करेगी। सभी पांचों कार्यालयों पर कुल 12 करोड़ रुपए से अधिक की वार्षिक धनराशि व्यय होने का अनुमान है। सरकार की योजना के अनुसार, प्रत्येक शहर का सैटेलाइट ऑफिस अपनी भौगोलिक और औद्योगिक विशेषता के अनुरूप रणनीतिक क्षेत्रों पर केंद्रित रहेगा। मुंबई ऑफिस वित्तीय सेवाओं, इंफ्रास्ट्रक्चर पर काम करेगा।

## ओलंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा लेफ्टिनेंट कर्नल बने

### रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने दी उपाधि थल सेना प्रमुख भी रहे मौजूद

**पानीपत (एजेंसी)।** ओलिंपिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चोपड़ा टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल (मानद) बन गए हैं। बुधवार को दिल्ली में अलंकरण समारोह में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और थल सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने उन्हें उपाधि दी। इस दौरान उनकी मां सरोज देवी, पिता सतीश चोपड़ा, चाचा भीम चोपड़ा और पत्नी हिमानी मोर भी मौजूद

रहीं। हरियाणा में पानीपत के रहने वाले नीरज चोपड़ा 26 अगस्त 2016 को सेना में नायब सूबेदार के पद पर भर्ती हुए थे। 2021 में उन्हें सूबेदार बनाया गया। टोक्यो ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीतने के बाद उन्हें सेना द्वारा परम विशिष्ट सेवा मेडल प्रदान किया गया। 2022 में नीरज को सूबेदार मेजर के पद पर पदोन्नति मिली। भारतीय सेना ने 14 मई को नीरज चोपड़ा को टेरिटोरियल आर्मी में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि दी थी। नीरज को यह सम्मान खेल में असाधारण योगदान के लिए मिला है।

# अन्नप्राशन संस्कार का वीडियो देख दिल हो जाएगा लट्टू!

**गोरखपुर (एजेंसी)।** अपने तीन दिवसीय दौरे पर गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखनाथ मंदिर में बुधवार को मंदिर भ्रमण के दौरान गौसेवा की। इसके साथ ही समस्याओं को लेकर मंदिर पहुंचे लोगों से मुलाकात कर, उनकी समस्याओं के बारे में अधिकारियों को आवश्यक निर्देश भी दिए। इस दौरान एक मौका ऐसा भी आया, जिसे देखकर मौके पर मौजूद महिलाओं के चेहरे खुशी से खिल उठे। दरअसल, कुछ परिजन अन्नप्राशन के लिए अपने बच्चों को लेकर पहुंचे थे। सीएम योगी ने परिजनों से मुलाकात कर, उनके बच्चों को अपने हाथों से अन्न खिलाकर अन्नप्राशन कराया। गोवर्धन पूजा के दिन सीएम योगी ने अपनी समस्याएं लेकर दूर दराज से गोरखनाथ मंदिर पहुंचे लोगों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कुछ महिलाएं अपने छोटे बच्चों को उनके

- सीएम 'मामा' योगी ने पहले पुचकारा, फिर किया मासूमों का तिलक

हाथों से अनुप्रास संस्कार की रस्म के लिए पहुंची थीं। सीएम योगी ने भी उन्हें निराश नहीं किया और बच्चों को अपनी गोद में लेकर, टीका लगाते हुए अन्न खिलाकर उनका अन्नप्राशन कराया। ये देखकर मौके पर मौजूद महिलाओं के चेहरे पर खुशी झलक उठी। गौरतलब है कि बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार परिवार के बुजुर्ग या मामा करते हैं। सीएम रहते हुए योगी आदित्यनाथ अक्सर गोरक्षपीठाधीश्र के पद को भी पूरी जिम्मेदारी के साथ निभाते हुए नजर आते हैं। फिलहाल वह तीन दिनों से गोरखपुर में मौजूद है। जहां उन्होंने दीपावली वाले दिन हर साल की तरह वनटागियों के साथ जंगल में जाकर उनके साथ ही दीपावली मनाई और मिठाइयां बांटी। इसके साथ ही उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में भी पूजा अर्चना की। इसी दौरान बुधवार की सुबह मंदिर भ्रमण के दौरान सीएम योगी ने गायों को दुलारते हुए उन्हें अपने हाथों से गुड़-चना खिलाया।

# एस-400 को लेकर नई डील की तैयारी में भारत

- पाक को किया था पस्त, अब रूस से 10000 करोड़ की डील

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारत अपने मौजूदा एस-400 एयर डिफेंस सिस्टम के लिए रूस से 10,000 करोड़ की मिसाइलें खरीदने वाला है। इसके लिए रूसी अधिकारियों के साथ बातचीत जारी है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रक्षा मंत्रालय ने इस प्रस्ताव को 23 अक्टूबर को होने वाली डिफेंस एक्विजिशन काउंसिल की बैठक में मंजूरी दे सकता है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय वायु सेना के एस-400 सिस्टम ने अहम भूमिका निभाई थी। बताया गया कि इसने पाकिस्तान के 5-6 लड़ाकू विमानों और एक जासूसी विमान को 300 किलोमीटर से ज्यादा दूरी पर मार गिराया। वायु सेना ने एस-400 को भारत की हवाई सुरक्षा रणनीति का गेम चेंजर बताया है। भारत रूस से कुछ और एस-400 मिसाइल डिफेंस सिस्टम खरीद सकता है। ऐसे पांच सिस्टम्स की डील पहले ही हुई थी, जिनमें से 3 भारत को मिल चुके हैं। चौथे स्क्वाड्रन की डिलीवरी रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण रुकी हुई है। नई डील इनके अलावा होगी। न्यूज एजेंसी के सोर्स के मुताबिक, दिसंबर में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे के समय डील पर बातचीत हो सकती है। भारत ने अक्टूबर 2018 में रूस के साथ 5 अरब डॉलर का समझौता किया था। उस समय अमेरिका ने चेतावनी दी थी कि इस सौदे को आगे बढ़ाने पर वह फेमा कानून के तहत भारत पर पाबंदी लगा सकता है। भारत एस-500 मिसाइल सिस्टम खरीदने पर भी विचार कर रहा है। एस-400 और एस-500 दोनों ही मॉडर्न मिसाइल सिस्टम हैं।

# केरल में बाल-बाल बचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू

### लैंड होते ही धंस गया हेलीपैड, अधिकारियों ने हेलीकॉप्टर को निकाला

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरल के पथानामथिट्टा जिले में राजीव गांधी स्टेडियम स्थित नव-निर्मित हेलीपैड का एक हिस्सा उस समय धंस गया जब राष्ट्रपति

द्रौपदी मुर्मू के हेलीकॉप्टर के पहिए उसमें फंस गए। यह हादसा उस वक्त हुआ जब राष्ट्रपति सबरीमला दर्शन के बाद यहां उतरीं। अधिकारियों के अनुसार, हेलीकॉप्टर के जमीन पर छूते ही हेलीपैड की सतह का हिस्सा अचानक धंस गया। घटना के बाद हेलीकॉप्टर एक ओर झुक गया, जिसके बाद मौके पर मौजूद पुलिस और अग्निशमन दल के कर्मियों ने तुरंत बचाव कार्य शुरू किया। संयुक्त प्रयासों से हेलीकॉप्टर को सुरक्षित बाहर निकाला गया। अधिकारियों ने बताया कि यह हेलीपैड अंतिम समय में तैयार किया गया था। खराब मौसम के कारण राष्ट्रपति के हेलीकॉप्टर की लैंडिंग स्थल निलक्कल से बदलकर प्रमादम (राजीव गांधी स्टेडियम) कर दिया गया था। इसलिए मंगलवार देर रात तक कंक्रीट डालकर नया हेलीपैड बनाया गया। लेकिन चूंकि कंक्रीट पूरी तरह सूख नहीं पाया था, इसलिए वह हेलीकॉप्टर के वजन को सहन नहीं कर सका और धंस गया। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने पीटीआई को बताया कि स्टेडियम को लैंडिंग स्थल के रूप में आखिरी पल में चुना गया और इसी वजह से निर्माण अधूरा रह गया था। आपको बता दें कि राष्ट्रपति मुर्मू मंगलवार शाम को अपनी चार दिवसीय केरल यात्रा पर तिरुवनंतपुरम पहुंची थीं।

## गठबंधन संभल नहीं रहा और बात बिहार की करते हैं

- मोदी के हनुमान ने तेजस्वी और राहुल को खूब सुनाया

पटना (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान ने बिहार में महागठबंधन की स्थिति पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने महागठबंधन में एकता की कमी का दावा किया। इसके साथ ही, महागठबंधन के नेताओं पर समाज के वंचित वर्गों के साथ छल करने का आरोप लगाया। निशाने पर खासतौर से राहुल गांधी और तेजस्वी यादव थे। चिराग पासवान ने बुधवार को मीडिया से बात करते हुए कहा, महागठबंधन में इतनी गड़बड़ी चल रही है, लेकिन राहुल गांधी कहां हैं। क्या यह राहुल गांधी और तेजस्वी यादव की नैतिक जिम्मेदारी नहीं थी कि वे बैठकर गठबंधन में अड़चनों को दूर करें। यह कांग्रेस की गंभीरता की कमी को दर्शाता है।

## हर जीविका सीएम दीदी को देंगे 30 हजार वाली परमानेंट नौकरी

### बिहार में वोटिंग से पहले तेजस्वी यादव का बड़ा दांव, किया वादा

**पटना (एजेंसी)।** बिहार की राजनीति में राजद ने बड़ा दांव खेल दिया है। तेजस्वी यादव ने इसको लेकर एक बड़ा चुनावी वादा किया है। तेजस्वी यादव ने कहा है कि अगर महागठबंधन की सरकार बिहार की सत्ता में आती है तो जीविका दीदियों को बड़ा तोहफा दिया जाएगा। तेजस्वी ने इसे ऐतिहासिक घोषणा बताया है। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि प्रचार का समय आया है। जनता से संवाद करने का समय आ चुका है। इस बार बिहार के लोगों ने बदलाव का मन बनाया है। लोग मौजूदा डबल इंजन की सरकार से परेशान हैं। पढ़ाई, दवाई और कमाई की चिंता नहीं की। सरकार पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए कहा कि नीतिश कुमार ने उनके संकल्प और योजनाओं की नकल की। सरकार बनने पर हर परिवार को सरकारी नौकरी का वादा दोहराते हुए आरजेडी नेता ने कहा कि इसे हम पूरा करेंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि जीविका दीदियों का शोषण किया गया है। उन्हें हक दिलाया जाएगा। जीविका दीदियों को स्थायी कर्मचारी का दर्जा देकर वेतन 30 हजार प्रति महीना किया जाएगा। आरजेडी के नेता तेजस्वी यादव ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि जीविका समूह की दीदियों को दो वर्षों तक ब्याज मुक्त लोन दिया जाएगा। उन्हें अन्य सरकारी कार्यों के निष्पादन के लिए हर महीने 2 हजार रुपये का भत्ता दिया जाएगा। उन्होंने चुनावी वादे के तहत बेटी योजना और मां योजना के तहत महिलाओं को मकान, अन्न और आमदनी का वादा किया। संविदा कर्मियों के लिए स्कीम का वादा करते हुए आरजेडी नेता ने कहा कि उन्हें जॉब सिक्युरिटी और सैलरी सिक्योरिटी की व्यवस्था की जाएगी। एजेंसियों के माध्यम से विभागों में काम करने वाले सभी संविदाकर्मियों को स्थायी करने का वादा किया। तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि सरकार में बैठे लोग और एजेंसियां कमीशनखोरी कर रही है। सरकार संविदाकर्मियों के वेतन से जीएसटी भी काटती है, इसलिए स्थायी नौकरी का ऐलान किया गया।

**सबरीमाला मंदिर**

**हाईकोर्ट ने एसआईटी के दायरे का किया विस्तार**

# सोने की चोरी मामले में साजिश की होगी जांच

**कोच्चि (एजेंसी)।** केरल हाई कोर्ट ने सबरीमाला मंदिर से सोने की चोरी मामले में एसआईटी जांच का दायरा बढ़ाते हुए जांचकर्ताओं को साजिश और त्रावणकोर देवस्वोम बोर्ड (टीडीबी) के अधिकारियों की भूमिका की जांच करने का निर्देश दिया है। जस्टिस राजा विजयराघवन और जस्टिस केवी जयकुमार की पीठ ने मंगलवार को वकीलों की अनुपस्थिति में बंद कमरे में हुई कार्यवाही के दौरान यह आदेश दिया। एसआईटी ने सीलबंद लिफाफे में अपनी पहली रिपोर्ट पेश की। अक्टूबर की शुरुआत में अदालत द्वारा गठित एसआईटी को दो मामलों की जांच की जिम्मेदारी दी गई थी। पहला मामला सबरीमला मंदिर के गर्भगृह के सामने द्वारपालकों (संरक्षक देवता) की मूर्तियों पर चढ़ी सोने की परत वाली तांबे की चादरों के वजन में कमी से जुड़ा हुआ है। दूसरा मामला मंदिर के श्रीकोविल (गर्भगृह) के दरवाजे के फ्रेम से सोना गायब होने से संबंधित है।

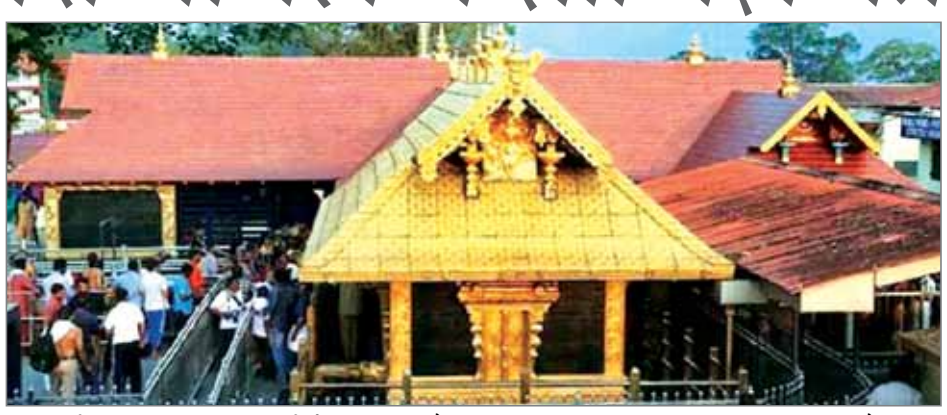

अदालत ने कहा कि द्वारपालक मूर्तियों के रखरखाव और उन पर सोने की परत चढ़ाने में गंभीर अनियमितताएं पाई गई थीं। एसआईटी रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय दंड संहिता की धारा 403, 406, 409, 466 और 467 के तहत आपराधिक विश्वासघात और जालसाजी सहित अपराधों के लिए दो मामले दर्ज किए गए हैं।

## सोने की परत के क्षतिग्रस्त होने पर खुला था मामला

अदालत ने 2024 और 2025 के पत्रों और निरीक्षण रिपोर्टों का भी हवाला दिया, जिनसे पता चलता है कि सोने की परत के क्षतिग्रस्त होने और गायब होने का पता पहले भी चला था, लेकिन उस पर पारदर्शी कार्रवाई नहीं की गई। इसके बजाय, उसी प्रायोजक को फिर से यह काम सौंप दिया गया। अदालत ने कहा कि देवस्वओम आयुक्त ने 30 जुलाई, 2025 को शुरू में कहा था कि स्मार्ट क्रिएशंस, चेन्नई के पास सोने की परत चढ़ाने के काम के लिए तकनीकी विशेषज्ञता का अभाव है और यह काम पारंपरिक तरीकों से किया जाना चाहिए। हालांकि, उन्होंने एक सप्ताह के भीतर ही अपना रुख बदल दिया। न्यायाधीशों ने निगरानी की सुविधा के लिए स्वत : संज्ञान लिया।

## संक्षिप्त समाचार

### दुकानदार की हत्या की चल रही थी साजिश, पुलिस ने पहले ही 12 आरोपियों को किया गिरफ्तार

**पटना।** बाढ़ अनुमंडल में अथमलगोला थाना की पुलिस ने शराब तस्कर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 14 लोगों को गिरफ्तार किया है। ये तस्कर फुलेलपुर के एक दुकानदार की हत्या की साजिश कर रहे थे। पुलिस ने उन्हें फुलेलपुर न्यू फोरलेन के पास से हथियार सहित पकड़ा। गिरफ्तार तस्करों को संदेह था कि दुकानदार उनकी गतिविधियों की जानकारी पुलिस को देता है। इसी शक के आधार पर वे उसकी हत्या की साजिश रच रहे थे। ये तस्कर उत्तर प्रदेश से रेल के माध्यम से शराब मंगवाकर बिहार में आपूर्ति करते थे। उनका एक विस्तृत नेटवर्क था, जिसके जरिए वे शराब की होम डिलीवरी और थोक बिक्री करते थे। पुलिस की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए उन्होंने दो 'लाइनर' भी रखे थे। गिरोह का मुख्य सरगना नालंदा का पीयूष कुमार उर्फ कमांडो था, जो स्थानीय लोगों की मदद से तस्करी करता था। पुलिस ने इनके पास से एक देसी कट्टा, छह महंगी मोटरसाइकिल और पंद्रह मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस इनके आपराधिक रिकॉर्ड खंगाल रही है। एसडीपीओ-2 अभिषेक सिंह ने बताया कि सोमवार को लगभग 10:30 बजे सूचना मिली थी कि फुलेलपुर गांव के पास न्यू फोरलेन पर एक दुकान पर 12 अपराधी हथियार के साथ एक व्यक्ति की हत्या करने जा रहे हैं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एक टीम गठित की गई। मौके से 12 मुख्य आरोपियों को हथियार के साथ गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में सभी ने शराब कारोबार में संलिप्तता स्वीकार की।

### शॉर्ट सर्किट से लगी आग, 2 घर राख, तेज हवा के कारण फैली लपटें,फायर ब्रिगेड ने पाया काबू

**हाजीपुर।** वैशाली के राघोपुर प्रखंड के जुड़ावनपुर करारी पंचायत स्थित रहरिया टोला गांव के वार्ड क्रमांक 14 में बुधवार दोपहर लगी भीषण आग ने दो परिवारों का सब कुछ जला दिया। घटना बिजली के शार्ट सर्किट से घर में अचानक लगी आग की चिंगारी से हुई बताई जा रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार, दिन में करीब साढ़े ग्यारह बजे सीता देवी (पति रामजी पासवान) के घर में अचानक आग लग गई। तेज हवा के कारण आग की लपटें तुरंत पड़ोसी नीतीश पासवान (पिता रामजन्म पासवान) के घर में फैल गईं। आग की तीव्रता इतनी भयावह थी कि, देखते-ही-देखते दोनों मकान आग की भेंट चढ़ गए। ग्रामीणों ने घटना की सूचना मिलते ही मोटर पंप और चापाकल से आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन उनके सामने आग काबू से बाहर होती चली गई। इसके बाद जुड़ावनपुर थाना अध्यक्ष पुरुषोत्तम यादव को सूचित किया गया। तत्पश्चात थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम यादव, एएसआई पंकज कुमार और फायर ब्रिगेड की टीम मौके पर पहुंची और ग्रामीणों के सहयोग से काफी देर बाद आग पर काबू पाया जा सका। तब तक दोनों घरों में रखा सारा सामान, जिसमें 10 बोरी गेहूं, 50 मन भूसा, आलू, प्याज, सामान के बक्से, बिछावन, बर्तन, 10,000 रुपये नकद, कुर्सी-चौकी, अनाज और राशन कार्ड, आधार कार्ड, वोटर आईकार्ड, पैन कार्ड जैसे महत्वपूर्ण दस्तावेज तक जलकर खाक हो चुके थे। इस घटना ने दोनों परिवारों को बर्बादी की कगार पर ला खड़ा किया है। अग्नि पीड़ित सीता देवी और नीतीश पासवान का परिवार इस भीषण गर्मी में आसमान के नीचे रहने को मजबूर है। उनकी आंखें लगातार रो-रोकर सूजी हुई हैं और भविष्य की चिंता उन्हें सताए जा रही है। पीड़ितों ने बताया कि, इस घटना की सूचना जुड़ावनपुर थाना में दर्ज करा दी गई है और राघोपुर अंचलाधिकारी को भी अवगत कराया गया है। अब स्थानीय प्रशासन और समाज से तत्काल राहत एवं सहायता की उम्मीद लगाए ये परिवार मुश्किलों से जूझ रहे हैं।

### तेज प्रताप ने महुआ में किया इलेक्शन कैंपेन, गोविंदपुर दुर्गा मंदिर में चढ़ाई चुनरी,लोगों से मिल जीत का जताया भरोसा

**हाजीपुर।** राष्ट्रीय जनता दल (RJD) प्रमुख लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने महुआ विधानसभा क्षेत्र में अपना चुनावी अभियान शुरू किया है। जनशक्ति जनता दल के उम्मीदवार के रूप में नामांकन दाखिल करने के बाद, तेज प्रताप पहली बार महुआ विधानसभा क्षेत्र का दौरा करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने घर-घर जाकर लोगों से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया। तेज प्रताप यादव कभी गाड़ी में,कभी गाड़ी के ऊपर,तो कभी पैदल चलते हुए लोगों का अभिवादन करते दिखे। उन्होंने महुआ विधानसभा क्षेत्र में स्थित प्रसिद्ध माता गोविंदपुर दुर्गा मंदिर पहुंचकर माता रानी का आशीर्वाद भी लिया। मंदिर में उन्होंने चुनरी चढ़ाई और चुनावी जीत के लिए प्रार्थना की। यात्रा के दौरान जब उनसे लोगों की प्रतिक्रिया के बारे में पूछा गया, तो तेज प्रताप ने जवाब दिया कि उन्हें जबरदस्त समर्थन मिल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि इस बार इंजीनियर कॉलेज मिलकर रहेगा। उन्होंने कहा कि, वे अपना काम और प्रचार कर रहे हैं, और उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि दूसरे क्या कर रहे हैं। छठ महापर्व के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने घर बिहार लौट रहे हैं, और ट्रेनों में भीड़ की तस्वीरें सामने आ रही हैं। इस पर पूछे गए सवाल के जवाब में तेज प्रताप ने कहा कि, लोगों को परेशानियां होती हैं। उन्होंने सरकार से अपील की कि उचित व्यवस्था की जाए ताकि लोग आसानी से अपने घर पहुंच सकें। महागठबंधन में बिहार की कई सीटों पर कांग्रेस, राजद और सहयोगी दलों के बीच 'फ्रेंडली फाइट' चल रही है। इस मुद्दे पर तेज प्रताप ने कहा कि यह महागठबंधन का आंतरिक मामला है, जिससे उन्हें कोई सरोकार नहीं है, क्योंकि उनकी पार्टी अलग है।

### एआईएमआईएम कैंडिडेट बच्चा पर एफआईआर दर्ज

### पुलिस बोली-मस्जिद में तोड़फोड़ और धार्मिक किताबों को फाड़ने का वीडियो भ्रामक

**हाजीपुर।** वैशाली में AIMIM कैंडिडेट बच्चा राय के खिलाफ 2 समुदायों के बीच दंगा भड़काने की कोशिश के आरोप में FIR दर्ज की गई है। प्रशासन ने इस कथित साजिश का पर्दाफाश किया है। आरोप है कि उम्मीदवार ने चुनावी माहौल में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने का प्रयास किया। पुलिस के अनुसार, सोशल मीडिया पर 1 वीडियो प्रसारित किया जा रहा था, जिसमें कटहरा थानांतर्गत ग्राम रामपुर भोरहा स्थित मस्जिद में तोड़फोड़ और धार्मिक किताबों को फाड़ने का दावा किया गया था। हालांकि, जांच में पाया गया कि यह कुछ लड़कों के बीच हुए आपसी विवाद का बढ़ा-चढ़ाकर बनाया गया वीडियो था। दोनों समुदायों के बुद्धिजीवी लोगों ने इस प्रकार की घटना का खंडन किया है और दोनों पक्षों की ओर से लिखित आवेदन भी दिए गए हैं। प्रशासन ने बताया कि AIMIM के महुआ विधानसभा क्षेत्र के प्रत्याशी बच्चा राय ने सुनियोजित ढंग से दो समुदायों के बीच वैमनस्यता बढ़ाने के उद्देश्य से यह वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड किया था। इस संदर्भ में, AIMIM प्रत्याशी बच्चा राय के विरुद्ध गोरौल (कटहरा) थाना कांड संख्या 610/25, दिनांक 21.10.25, धारा 299/196 (1)/353(2)/74 BNS के तहत मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सोशल मीडिया पर प्रसारित खबर असत्य एवं भ्रामक है तथा समाज में विद्वेष फैलाने के इरादे से की गई थी।

# राजद प्रत्याशी लल्लू मुखिया के काफिले पर पथराव

एजेंसी, पटना

- बाढ़ के बेढना गांव में प्रचार करने पहुंचे थे, कहा- ललन सिंह के इशारे पर किया गया हमला

पटना के बाढ़ विधानसभा क्षेत्र के राजद प्रत्याशी लल्लू मुखिया के काफिले पर पथराव किया गया। बुधवार की सुबह 11 बजे लल्लू मुखिया बेढना गांव पहुंचे थे। गांव के दुर्गा स्थान के पास ग्रामीणों ने उनका स्वागत किया। ग्रामीणों से मिलने के बाद वो जा रहे थे। इसी दौरान 20 युवकों ने नारेबाजी करते हुए पथराव शुरू कर दिया। लल्लू मुखिया ने आरोप लगाया कि यह हमला केंद्रीय मंत्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह के इशारे पर हुआ है। दो दिन पहले ललन सिंह ने बाढ़ में एक भाषण के दौरान कहा था कि 'लल्लू मुखिया जहां से आया है, उसे वहीं भेज देंगे' और आज यह घटना हुई।

**तेजस्वी-लालू से मिलने पहुंचे अशोक गहलोतः** महागठबंधन में अब CM फेस और सीटों को लेकर खींचतान शुरू है। इस बीच कांग्रेस नेता और राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर गहलोत ने कहा, 5-6 सीटों पर कुछ नेताओं ने उत्साह में आकर नॉमिनेशन कर दिया। उन्होंने कहा, 'महागठबंधन में 5-6 सीटों पर विवाद बड़ी बात नहीं है। किसी भी प्रदेश में अगर अलायंस होगा तो कुछ सीटों पर विवाद भी हो सकता है। इसे बहुत बड़े रूप में नहीं देखना चाहिए। एक दो दिन में जो भी भ्रम है वो स्पष्ट हो जाएगा। अशोक गहलोत पटना एयरपोर्ट से सीधा राबड़ी आवास पहुंचे। वहां तेजस्वी यादव और लालू यादव के साथ सीट शेयरिंग और उम्मीदवारों के नाम पर चर्चा की। इधर, तेजस्वी यादव ने कहा, 'महागठबंधन में कोई विवाद नहीं है। आपको कल सभी जवाब मिल जाएंगे।' जानकारी के मुताबिक, कल के प्रेस कॉन्फ्रेंस में महागठबंधन के सभी दल शामिल होंगे।'

## गंगा में डूबकर किशोर की मौत

एजेंसी, पटना

- छठ के लिए गुजरात से आया था गांव, नदी में नहाने वक्त पैर फिसलने से गहराई में गया

बाढ़ अनुमंडल के पंडारक थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह गंगा स्नान के दौरान एक किशोर की डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान पंडारक प्रखंड के छबिलातर गांव निवासी 14 वर्षीय गुलशन कुमार के रूप में हुई है। गुलशन कुछ दिन पहले ही छठ पर्व मनाने गुजरात से अपने घर आया था। परिजनों ने बताया कि गुलशन बुधवार सुबह परिवार के छह अन्य सदस्यों के साथ पंडारक काली स्थान घाट पर गंगा स्नान के लिए गया था। स्नान के दौरान अचानक उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में चला गया।

परिजनों और घाट पर मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन गंगा की तेज धारा और गहराई के कारण उसे बचाया नहीं जा सका। कुछ देर बाद गोताखोरों की मदद से उसका शव बरामद किया गया।

**घाट के आसपास का क्षेत्र दलदलीः** ग्रामीणों के अनुसार, पंडारक काली स्थान घाट के आसपास का क्षेत्र दलदली है और नदी का बहाव भी तेज है। घाट पर अचानक पानी गहरा हो जाता है, जिसके कारण यहां पहले भी कई डूबने की घटनाएं हो चुकी हैं। इसके बावजूद, घाट पर सुरक्षा के कोई पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए हैं। घटना की सूचना मिलते ही पंडारक थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बाढ़ अनुमंडल अस्पताल भेज दिया है। इस घटना के बाद से परिवार में मातम पसरा हुआ है।

## हथियार के साथ अपराधी गिरफ्तार दो फरार बदमाशों को भी पकड़ा

एजेंसी, पटना

- किसी घटना को अंजाम देने के फिराक में था

पालीगंज अनुमंडल के खीरीमोर थाना पुलिस ने एक अपराधी को गिरफ्तार किया है। उसके पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। गिरफ्तार अपराधी की पहचान अशोक कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए उसे पकड़ा। बताया जा रहा है कि वह किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में था और हथियार के बल पर समाज में भय का माहौल बनाता था।

पटना पश्चिम सिटी एसपी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि पालीगंज अनुमंडल के खीरीमोर थानाक्षेत्र के तारणपुर गांव निवासी अशोक कुमार हथियार रखकर समाज में डर का माहौल बना रहा है और किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना के सत्यापन को लेकर खिरिमोर थानाध्यक्ष की ओर से गांव में छापेमारी की गई और मौके से अशोक कुमार को गिरफ्तार किया गया है।

**आर्म्स एक्ट में 2 गिरफ्तारः** अशोक के पास से एक देसी कट्टा बरामद किया गया है। फिलहाल गिरफ्तार अशोक कुमार से पुलिस पूछताछ कर रही है। वहीं, दूसरा मामला पालीगंज थाना का है। जहां पालीगंज थाना की पुलिस की ओर से आर्म्स एक्ट मामले में फरार 2 अपराधी को गिरफ्तार किया है। जिसकी पहचान बैद्यनाथ मोची और सुनील कुमार के रूप में हुई है। पिछले एक साल से दोनों फरार चल रहा था।

## भाई से मारपीट का बदला लेने के लिए मर्डर

एजेंसी, पटना

- पटना में छोटी दिवाली पर घेरकर मारी थीं 3 गोलियां, 6 साल पहले हुई थी लड़ाई

पटना में छोटी दिवाली की रात यानी 19 अक्टूबर को हर्ष उर्फ मृत्युंजय कुमार (26) की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस जांच में सामने आया है कि आरोपी राहुल ने उसकी हत्या वर्चस्व और भाई का बदला लेने के लिए की थी। बुधवार को सेंट्रल एसपी दीक्षा ने पूरे मामले का खुलासा किया। दरअसल, ये पूरा मामला 6 साल पुराना है। 2019 में राहुल और उसके भाई दौलत की हर्ष के पड़ोसी सेंटी से लड़ाई हुई थी। लड़ाई के दौरान हर्ष भी इसमें कूद गया और सेंटी का पक्ष लेने लगा। मारपीट के दौरान हर्ष ने दौलत को गोली मार दी, जिसमें वह घायल हो गया। राहुल ने इस मामले में हर्ष और सेंटी को आरोपी बनाया था। उस समय सेंटी ने केस मैनेज करने के लिए 10 लाख रुपए भी दिए। केस मैनेज भी हो गया था, लेकिन राहुल को ये लग रहा था कि इलाके में उसका वर्चस्व खत्म हो गया है, इसलिए उसने सेंटी और हर्ष दोनों से बदला लेने की ठान ली।

**2 साल पहले हर्ष के दोस्त सेंटी की हत्या हुईः** 2 साल पहले यानी 2023 में राहुल ने अपना वर्चस्व कायम रखने के लिए सेंटी की हत्या कर दी। राहुल चाहता था जिस इलाके में उसका वर्चस्व कम हो रहा है, वहीं हर्ष की हत्या करे। इसलिए उसने प्रेमचंद्र रोड मैला टंकी के पास हर्ष की हत्या करने का प्लान बनाया। छोटी दिवाली को राहुल ने अपने सहयोगी संजय सहित 3-4 सहयोगियों के साथ मिलकर हर्ष को घेर लिया और उसे गोली मार दी। राहुल ने हर्ष को 3 गोली मारी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हर्ष के पिता ध्रुव कुमार के अनुसार, सेंटी DM दफ्तर में काम करने वाले चतुर्थवर्गीय कर्मचारी का बेटा था। रोड नंबर-2 में क्वार्टर नंबर-1 में रहने वाले कर्मियों को राहुल और उसके भाई अक्सर परेशान करते थे। खासकर के महिलाओं को परेशान करते थे। इसी बात को लेकर विवाद होता था। इसी बीच एक दिन राहुल का भाई दौलत, सेंटी के क्वार्टर में चढ़ गया। सेंटी ने उसका विरोध किया। दोनों के बीच कहासुनी हुई फिर मारपीट होने लगी। हर्ष बगल में रहता था। शोर सुनकर वो अपने पड़ोसी सेंटी के पक्ष में खड़ा हो गया। दौलत फायरिंग करने वाला था, तभी हर्ष ने उसपर गोली चला दी। इसी के बाद से राहुल और हर्ष के बीच दुश्मनी बढ़ती चली गई।

**एक की हुई गिरफ्तारी बाकी फरारः** मृतक के पिता ने राहुल, संजय को नामजद और 4-5 अज्ञात को आरोपी बनाया है। फिलहाल राहुल पकड़ा गया है। संजय और अज्ञात फरार हैं, मृतक मृत्युंजय के पिता ध्रुव कुमार (कारोबारी) ने बताया कि, बेटा मेरा दिल्ली से आने के बाद पिछले 6 माह से मेरे पास रह रहा था। टैली सीख रहा था। मेरा परिवार फिलहाल खेमनीचक में रहता है। कल देर शाम 8:30 बजे घर से निकलकर अपने दोस्तों से मिलने प्रेमचंद्र गोलंबर से सटे मैला टंकी के पास गया था। उसके साथ उसके दो दोस्त अक्षय और सन्नी उर्फ तोता मौजूद थे। मैला टंकी के पास कॉर्नर पर एक बाइक पर अक्षय और हर्ष थे। हर्ष पीछे की सीट पर बैठा था और सन्नी उर्फ तोता पास में खड़ा था। इसके बाद तीनों वहां सड़क किनारे सजी दुकान की मूर्ति देख रहे थे। इसी बीच काजीपुर झोपड़पट्टी का रहने वाला राहुल, संजय और उसके 4-5 अज्ञात साथी आए और हर्ष को घेर लिया। राहुल के हाथ में पिस्टल थी, उसने पिस्टल से सीधे हर्ष उर्फ मृत्युंजय के सिर में पीछे से गोली मार दी। इसके बाद अक्षय और सन्नी उर्फ तोता भाग गए। भागते भागते उन्होंने दो और गोली की आवाज सुनी। जब अपराधी गोलीमार कर भाग गए तो फिर से अक्षय और सन्नी घटनास्थल पर पहुंचें।

## पटाखे की चिंगारी से टेंट हाउस में लगी आग, पटना में 10 लाख का सामान जलकर नष्ट

एजेंसी, पटना

- शादियों की तैयारी के लिए बाहर से मंगाए थे

पटना सिटी के मेहंदी गंज थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात एक टेंट हाउस में भीषण आग लग गई। पटाखे की चिंगारी से लगी आग में 10 लाख रुपए से अधिक का सामान जलकर नष्ट हो गया। सूचना मिलने पर अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना अरुण बाग के नजदीक स्थित एक टेंट हाउस में हुई। टेंट हाउस के मालिक हीरा महतो ने बताया कि मंगलवार देर शाम गोदाम के एक कोने से अचानक धुआं उठना शुरू हुआ, जो देखते ही देखते तेजी से आग में बदल गया और पूरे टेंट हाउस को अपनी चपेट में ले लिया।

**आग बुझाने में करनी पड़ी मशक्कतः** आसपास के लोगों ने आग बुझाने का प्रयास किया और तुरंत मेहंदी गंज थाना तथा अग्निशमन दल को सूचना दी। अग्निशमन दल की छोटी और बुलेट गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। अग्निशमन दस्ते के प्रभारी गया नंद सिंह ने बताया कि रास्ता संकीर्ण होने के कारण गाड़ियों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। आग पर काबू पाने तक टेंट हाउस का लगभग सारा सामान जलकर राख हो चुका था। हीरा महतो के अनुसार, इस आगजनी में 500 से अधिक फाइबर की कुर्सियां, कीमती कपड़े, शादी-विवाह में इस्तेमाल होने वाली एलईडी लाइटें, बांस, एक ठेला और एक स्कूटी पूरी तरह जलकर नष्ट हो गए।

**दिसंबर में होने वाली शादियों के लिए मंगाए सामान जलेः** महतो ने बताया कि उन्होंने दिसंबर में होने वाली शादियों के लिए कोलकाता सहित कई जगहों से कीमती सामान मंगवाकर तैयारी कर रखी थी। टेंट मालिक ने आग लगने का संभावित कारण पटाखे की चिंगारी बताया है।

## तेज प्रताप ने राजद के खिलाफ उतारा उम्मीदवार

एजेंसी, हाजीपुर

वैशाली में तेज प्रताप यादव ने राघोपुर विधानसभा सीट पर अपने छोटे भाई तेजस्वी यादव के खिलाफ जनशक्ति जनता दल से प्रेम कुमार यादव को चुनावी मैदान में उतारा है। इस कदम से तेजस्वी यादव की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। प्रेम कुमार यादव ने खुद को राघोपुर का स्थानीय निवासी बताया है, जबकि तेजस्वी यादव को 'बाहरी' करार दिया। उन्होंने कहा कि वह लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव की पार्टी जनशक्ति जनता दल के टिकट पर चुनाव लड़ रहे हैं।

**'चुनाव प्रचार नहीं रोकना चाहिए'ः** एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रेम कुमार यादव ने राघोपुर के लोगों से अपील की कि सभी राजनीतिक दलों को जनता के बीच जाने और अपना दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की अनुमति दी जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी को भी चुनाव प्रचार से रोकने का प्रयास नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह सभी पार्टियों का संवैधानिक अधिकार है। जनशक्ति जनता दल के राघोपुर उम्मीदवार प्रेम कुमार यादव ने बताया कि वह पहले तेजस्वी यादव की पार्टी में कार्यकर्ता थे, लेकिन अब नहीं हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि तेजस्वी और आम कार्यकर्ताओं के बीच बहुत दूरी है और उन तक पहुंचना संभव नहीं है। प्रेम कुमार के अनुसार, तेजस्वी धन बल और बाहुबली वाले लोगों तथा कुछ चाटुकारों से घिरे हुए हैं, जिससे उनसे मिलना मुश्किल है।

## पटना के 153 घाट-तालाब पर अर्घ्य देंगी छठ व्रती

एजेंसी, पटना

बिहार में छठ महापर्व की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। पटना नगर निगम और जिला प्रशासन की टीम लगातार इसकी तैयारियों में जुटी हुई है। इस बार पटना नगर निगम क्षेत्र के अंतर्गत 153 घाटों और तालाबों पर छठ व्रती अर्घ्य देंगी। इसमें करीब 13.91 करोड़ रुपए खर्च किए जा रहे हैं। छठ को लेकर खास तैयारियां की जा रही है। एप्रोच रोड बनाए जा रहे हैं, घाटों का समतलीकरण हो रहा है, बांस-बल्लो से बैरिकेडिंग की जा रही है।

**खतरनाक घाटों को लाल कपड़े से घेरा गयाः** पटना नगर निगम के नगर आयुक्त यशपाल मीणा ने कहा कि पटना के सभी घाटों पर तैयारियां काफी तेजी से चल रही है। घाटों पर बैरिकेडिंग कर ली गई है, चेंजिंग रूम बना रहे हैं, लाइट को इंस्टॉल कर लिया गया है। खतरनाक घाटों को लाल कपड़े से घेरा गया है, ताकि व्रती उन घाटों पर न जाए। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों का समतलीकरण किया जा रहा है। घाटों तक पहुंचने के लिए एप्रोच रोड बनाए जा रहे हैं।

**घाट पर छठ व्रती से लिया जाएगा फीडबैकः** उन्होंने आगे बताया कि पूरे शहर में वेरिएबल मैसेज डिस्प्ले बोर्ड और पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए छठ में मिलने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी जा रही है। वहीं, निगम के चैटबॉट के जरिए व्रती अपने नजदीकी घाट के बारे में जानकारी पा सकते हैं। घाट पर जितने भी छठ व्रती आएंगी, उनकी फीडबैक लिए जाएंगे, ताकि पटना शहर को और भी कैसे स्वच्छ रखा जा सके।

**पटना के 6 अंचल में घाटों और तालाबों की लिस्टः अजीमाबाद अंचल-** नरकट घाट, घसियारी घाट, गायघाट, केशव राय घाट, भद्र घाट, लोहरवा घाट, मठ केदारनाथ घाट, महावीर घाट, मित्तन घाट, राजा घाट, नौजार घाट, टेढ़ी घाट, महाराज घाट, गोसाई घाट, कंटाही घाट, ख़ाजेकलां घाट, कोयला घाट, सीता घाट, करनैलगंज घाट, सीढ़ी घाट, कॉलोनी घाट, दुली घाट, आदर्श घाट, पिलर 147 घाट, चित्रगुप्त घाट, केशव राय घाट, टेढ़ी घाट, चित्रगुप्त तालाब।

- 13.91 करोड़ रुपए किए जा रहे खर्च, व्रतियों से फीडबैक भी लिया जाएगा

**पटना सिटी अंचल-** हीरानंद घाट, मिर्चाई घाट, झाऊगंज घाट, कंगन घाट, किला घाट, खिड़की घाट, पत्थर घाट, अदरक घाट, गड़ेरिया घाट, पीरदमारिया घाट, नंदगोला घाट, नूरुद्दीगंज घाट, बुंदेल टोली घाट, दमराही घाट, शरीफगंज घाट, नूरपुर घाट, अब्दुल रहमानपुर घाट, पंचमुखी घाट, वेस्ट दीदारगंज घाट, रिकबगंज घाट, महावीर घाट, शिव घाट, गंगा मंदिर घाट, ईस्ट दीदारगंज घाट, बालू घाट।

**बांकीपुर अंचल-** मिश्री घाट, टी एन बनर्जी घाट, काली घाट, कदम घाट, पटना कॉलेज घाट, कृष्ण घाट, गांधी घाट, बरहरवा घाट, गोलकपुर घाट, लॉ कॉलेज घाट, रानी घाट, बी एन आर घाट, गुलबी घाट, बालू घाट, घग्घा घाट, रोशन घाट, चौधरी टोला घाट, पथरी घाट, बुद्ध मूर्ति तालाब, लाल जी टोला घाट, समदर पार्क, भंवर पोखर पार्क, कांग्रेस मैदान, नवरत्न कॉलोनी, वाजपेई पार्क, पटना कॉलेजिएट स्कूल ग्राउंड।

**नूतन राजधानी अंचल-** महेंद्रू घाट, महुआ बाग, शिव मंदिर तालाब, पटना जू, मानिकचंद तालाब, 10 बेउर गांव तालाब, कच्ची तालाब, शिवपुरी पार्क तालाब, अदालतगंज तालाब, बजरंगबली मंदिर तालाब, पुलिस कॉलोनी सी सेक्टर पार्क, पुलिस कॉलोनी डी सेक्टर पार्क, बिहार गवर्नमेंट एनिमल हेल्थ एंड प्रोडक्शन इंस्टीट्यूट कंपलेक्स तालाब

**पाटलिपुत्र अंचल-** बाटा घाट, जहाज घाट, चैनपुर कोठी घाट, रामजी चक घाट, रामजी चक स्कूल घाट, नकटा दियारा घाट, शिव घाट, पाटी पुल घाट, मीनार घाट, जेपी सेतु घाट, 93 नं घाट, 88 नं घाट, 83 नं घाट, कुर्जी बालूपुर घाट, कुर्जी घाट, पहलवान घाट, बांस घाट, कलेक्ट्रेट घाट, शिव मंदिर नेपाली नगर, सीडीए कॉलोनी पार्क, पुनाईचक पार्क।

**कंकड़बाग अंचल-** मीठापुर एलिवेटेड रोड के पास

### पटना नगर निगम के 6 अंचल में घाटों की संख्या

| | |
|---|---|
| अजीमाबाद अंचल- | 27 |
| पटना सिटी अंचल- | 26 |
| बांकीपुर अंचल- | 26 |
| नूतन राजधानी अंचल- | 17 |
| पाटलिपुत्र अंचल- | 56 |
| कंकड़बाग अंचल- | 1 |

## संक्षिप्त समाचार

### एसएसबी व पुलिस की संयुक्त कार्यवाही द्वारा पकड़ा गया प्रतिबंधित मादक पदार्थ के साथ तस्कर

**बीएनएम @ मोतिहारी।** 71 वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कार्यक्षेत्र 'जी' कंपनी, कौरैया को गुप्त सूचना मिली कि दो व्यक्ति एक मोटर साइकिल पर सवार होकर नेपाल से भारत की तरफ से आ रहे है। सूचना मिलते ही तुरंत कार्यवाही करते हुए एस.एस.बी. और आदापुर थाना के साथ मिलकर संयुक्त रूप से घेराबंदी कर दोनों व्यक्तियों को पकड़ा गया। पकड़े गए व्यक्ति की तलाशी लेने पर उनके पास गाँजा 4.100 किलो ग्राम, बरामद हुए। जब्त की गई वस्तुएँ और पकड़े गए व्यक्ति को आगे की कार्रवाई के लिए आदापुर पुलिस स्टेशन को सौंप दिया गया है।

### एसएसबी व पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में पकड़ा गया प्रतिबंधित विदेशी मक्का बीज

**बीएनएम @ मोतिहारी।** 71वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल के कार्यक्षेत्र 'ए' कंपनी, अठमोहान को स्थानीय पुलिस से सूचना मिली कि अगरवा गाँव के राम-प्रवेश चौक के पास स्थित सुरेश प्रसाद यादव और जगन्नाथ मिश्रा के घरों में लगभग 60-70 बोरी (प्रत्येक 32 किग्रा) विदेशी मक्का बीज रखा गया है। सूचना मिलने पर एसडीपीओ ढाका, एसएचओ जीतना, बिहार पुलिस से इस बारे में चर्चा की गई। 71वीं बटालियन और एसडीपीओ ढाका के आदेश/निर्देशानुसार, इंस्पेक्टर/जीडी नरेश कुमार के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम गठित की गई। गठित टीम ने सुरेश प्रसाद यादव पुत्र मोहन प्रसाद यादव के घर से 50 बोरी संकर मक्का बीज (प्रत्येक 32 किग्रा) जगन्नाथ के घर से 25 बोरी संकर मक्का बीज, जिसमें 01 फटा हुआ बैग (प्रत्येक 32 किग्रा) शामिल है। कुल मिलाकर, 32 किग्रा प्रति बैग मक्का के 75 बैग मौके पर ही बरामद कर जब्त कर लिए गए और आगे की कार्रवाई के लिए थाना-जितना को सौंप दिए गए।

### 23 अक्टूबर को मेहसी में होगा तहफ़्फ़ुज़-ए-ईमान कॉन्फ्रेंस

**बीएनएम @ मोतिहारी।** जिले मेहसी प्रखंड क्षेत्र के दामोदरपुर गांव स्थित मदरसा फातिमा तूज्जोहरा लिलबिनात के तत्वावधान में "तहफ़्फ़ुज-ए-ईमान कॉन्फ्रेंस" का आयोजन आगामी 23 अक्टूबर (गुरुवार) को रात्रि ईशा की नमाज़ के बाद रात 8:30 बजे से किया जाएगा। मदरसा के बानी मुफ्ती कुतुबुद्दीन रिजवी ने जानकारी देते हुए बताया कि इस कॉन्फ्रेंस की सरपरस्ती पीर-ए-तरीकत अलहाज जियाउल मुज्तबा कामिल करेंगे, जबकि सदारत मौलाना मोहम्मद रजा अमजदी के द्वारा की जाएगी। इस मौके पर हज़रत मुफ्ती गुलाम जिलानी अजहरी, मौलाना गुलाम गौस, मौलवी कौसर अली, रजाउल्लाह नक्शबंदी, रफी अंजुम, महबूब गौहर, तौकीर रजा इलाहाबादी, अजमत रज़ा, रजा हुसैन कलकतवी, और महबूब शबनम सहित बड़ी संख्या में बाहरी व स्थानीय उलमा-ए-किराम और शायर शिरकत करेंगे। कार्यक्रम के दौरान मदरसा से उत्तीर्ण (फ़ारिग़) बालिकाओं की दस्तारबंदी उलमा-ए-किराम के हाथों की जाएगी।

### रघुनाथपुर पुलिस की कार्रवाई : वांछित अभियुक्त सहित चार गिरफ्तार

**बीएनएम @ तुरकौलिया।** रघुनाथपुर थाना पुलिस ने छापेमारी कर एक एससी-एसटी कांड के वांछित अभियुक्त समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में पश्चिमी चंपारण जिले के योगापट्टी थाना क्षेत्र के मोहन शर्मा का पुत्र सुनील कुमार शर्मा शामिल है, जिसे शराब पीने के आरोप में पकड़ा गया। इसके अलावा लक्ष्मीपुर पिपरिया निवासी जितेन्द्र राम और रघुनाथपुर बिरता निवासी अनिल कुमार पटेल को भी शराब सेवन के आरोप में हिरासत में लिया गया। वहीं, एससी-एसटी कांड के वांछित अभियुक्त आकाश सहनी उर्फ विकास सहनी को पुलिस ने मजूराहां से गिरफ्तार किया। थानाध्यक्ष अल्का कुमारी ने बताया कि सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

### विवाहिता की संदिग्ध मौत मामले में 11 लोगों पर हत्या का मामला दर्ज
#### एक महिला आरोपी गिरफ्तार

**बीएनएम @ तुरकौलिया।** थाना क्षेत्र के शंकर सरैया कासवा टोला में एक विवाहिता की मौत के मामले ने सनसनी फैला दी है। इस प्रकरण में मृतका के पति, सास, ससुर समेत कुल 11 लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज किया गया है। मृतका की पहचान सलोनी कुमारी, पति मनीष कुमार साह के रूप में हुई है। यह जानकारी मृतका की मां मालती देवी, पत्नी पारस साह, निवासी मधुबन बाजितपुर ने दी है। पीड़िता की मां द्वारा दिए गए आवेदन में बताया गया है कि लगभग ढाई वर्ष पूर्व सलोनी की शादी मनीष साह से हुई थी। विवाह के समय उपहार स्वरूप सामर्थ्य अनुसार दहेज दिया गया था। लेकिन शादी के कुछ ही दिनों बाद से ससुराल पक्ष के लोग दहेज के लिए उसे प्रताड़ित करने लगे। वे बार-बार दो लाख रुपये की अतिरिक्त मांग करते थे और कहते थे कि रकम मिलने के बाद ही सलोनी को ठीक से रखेंगे। 21 अक्टूबर को ग्रामीणों के माध्यम से मालती देवी को सूचना मिली कि उनकी पुत्री की हत्या कर दी गई है। जब वे परिजनों और ग्रामीणों के साथ ससुराल पहुंचीं तो घर में कोई मौजूद नहीं था, जबकि उनकी पुत्री का शव कमरे में पड़ा हुआ मिला। आसपास के लोगों से जानकारी मिली कि गला दबाकर हत्या की गई है। आवेदन के आधार पर पुलिस ने मनीष साह, अनिल कुमार, सुनील कुमार, आर्यन कुमार, विष्णु कुमार, आंशु कुमार, पूजा देवी, नंदनी देवी, मनीषा देवी समेत 11 लोगों को आरोपी बनाया है। थानाध्यक्ष उमाशंकर मांझी ने बताया कि इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक महिला आरोपी पूजा देवी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश में छापेमारी कर रही है।

### नदी में डूबने से युवक की मौत

**बीएनएम @ बगहाः** बगहा पुलिस जिला के चौतरवा थाना क्षेत्र स्थित सिसवा - बसंतपुर पंचायत के बसंतपुर गांव के भैंस चराने गया एक युवक सिकरहना नदी में मंगलवार की शाम डूब गया। जिससे की मौत हो गई। घटना की पुष्टि चौतरवा थानाध्यक्ष राहुल कुमार सिंह ने की है। उन्होंने बताया कि उक्त गांव के मजिस्टर मियां के पुत्र मोहम्मद मियां 15 वर्ष भैंस चराने सिकरहना नदी के सिसवा घाट के तरफ गया था। इसी दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गया। इसकी सूचना लोगों ने परिवार वालों को दी। थानाध्यक्ष ने बताया कि सुचना एसडीआरएफ टीम को दी गई। बुधवार की सुबह सब - इन्स्पेक्टर कपील अजहर के नेतृत्व में एसडीआरएफ की टीम को सिकरहना नदी घटना स्थल पर भेजी गई।

# मोतिहारी बिधानसभा चुनाव बना रोमांचक, क्या मतों के बिखराव से भाजपा के इस दुर्ग पर होगा कब्ज़ा?

**सागर सूरज**

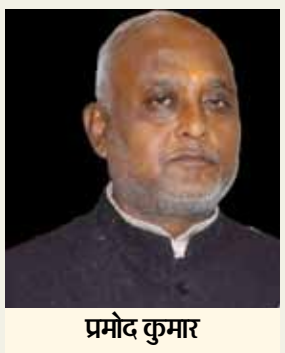

प्रमोद कुमार

देवा गुप्ता

डॉ अतुल कुमार

दिव्यांशु भारद्वाज

**बीएनएम @ मोतिहारी।** मोतिहारी विधानसभा सीट इस बार बेहद रोचक मुकाबले की केंद्र बनी हुई है। यहां भाजपा, राजद, जनसुराज और निर्दलीय प्रत्याशी आमने-सामने हैं, जिससे त्रिकोणीय नहीं बल्कि बहुकोणीय संघर्ष की स्थिति बन गई है। मोतिहारी विधानसभा सीट पर पिछले दो दशकों से भाजपा का दबदबा कायम रहा है। भाजपा के प्रमोद कुमार लगातार पांच बार इस सीट से विजेता रहे हैं। 2020 में उन्होंने लगभग 14,645 मतों से जीत दर्ज की थी। सामाजिक दृष्टि से यह सीट ग्रामीण बहुल है — लगभग 71% ग्रामीण मतदाता और 29% शहरी मतदाता हैं। अनुसूचित जाति लगभग 13.5% और मुस्लिम जनसंख्या करीब 13.3% है, जबकि यादव और ब्राह्मण, भूमिहार मतदाता निर्णयकारी भूमिका निभाते हैं ।जबकि शहरी क्षेत्र मे कायस्थ जाती का दबदबा कायम है। इस बार मोतिहारी का चुनाव एक नई करवट ले चुका है। भाजपा जहां अपने पुराने गढ़ को बचाने की कोशिश में है, वहीं विपक्ष और नए चेहरे लगातार इसे चुनौती दे रहे हैं। जनसुराज, राजद और निर्दलीय उम्मीदवार की उपस्थिति चुनाव को अप्रत्याशित बना रही है ।जनसुराज के प्रत्याशी डॉ. अतुल कुमार पूर्व में भाजपा चिकित्सा प्रकोष्ठ के जिला संयोजक रह चुके हैं। टिकट वितरण में उपेक्षा मिलने के बाद वे पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा देकर जनसुराज में शामिल हो गए। पार्टी ने उन्हें मोतिहारी से आधिकारिक प्रत्याशी घोषित किया है । डॉ. अतुल स्थानीय चिकित्सक होने के नाते शिक्षित वर्ग और मध्यमवर्गीय मतदाताओं में अपनी पहचान बना चुके हैं। वे स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार को चुनावी मुद्दा बना रहे हैं। भाजपा से नाराज़ कार्यकर्ताओं का एक हिस्सा उनके साथ जुड़ता दिखाई दे रहा है, जिससे जनसुराज को शहरी वार्डों में लाभ होने की संभावना है। वर्षों से भाजपा के टिकट से बंचित कायस्थ समाज इस बार आर पार के मूड मे है। हालांकि ग्रामीण क्षेत्रों में उनकी पकड़ अभी सीमित है। निर्दलीय प्रत्याशी दिव्यांशु भारद्वाज पटना विश्वविद्यालय छात्र संघ के पूर्व अध्यक्ष और युवा जदयू के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। उन्होंने किसी दल से टिकट न मिलने पर निर्दलीय रूप से चुनाव लड़ने का एलान किया। नामांकन के दिन उन्होंने हवाई अड्डा मैदान, मोतिहारी में एक बड़ी सभा की, जिसमें लगभग 10,000 लोगों की उपस्थिति बताई गई। दिव्यांशु खुद को "जनता का उम्मीदवार" बता रहे हैं। वे बेरोज़गारी, शिक्षा की बदहाली, टूटी सड़कों और स्वास्थ्य सेवाओं के अभाव जैसे स्थानीय मुद्दों को केंद्र में रखकर प्रचार कर रहे हैं। युवा मतदाताओं और पहली बार वोट डालने वालों में उनकी पकड़ मजबूत बताई जा रही है। आरजेडी ने देवा गुप्ता को मैदान में उतारा है, जबकि उनकी पत्नी और मोतिहारी नगर निगम की मेयर प्रीति गुप्ता निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ रही हैं, जिससे मुकाबला और भी दिलचस्प हो गया है। हालांकि, जानकार बताते है कि प्रीति गुप्ता का नामांकन महज सुरक्षा की दृष्टि से डाला गया है। ताकी नामांकन रद्दीकारण और देवा गुप्ता की आपराधिक पृष्टिभूमि से उपजे किसी समस्या की स्थिति मे प्रीति गुप्ता के नामांकन पर चुनाव लड़ी जा सके या प्रीति गुप्ता के नाम के चुनावी खर्चे का इस्तेमाल भी किया जा सके। बाकी पार्टियों के प्रत्याशियों के द्वारा भी डमी प्रत्याशी चुनाव मे उतारे जाने की बात सामने आयी है। भाजपा अभी भी प्रमुख दावेदार है, लेकिन इस बार असंतुष्ट वर्ग और युवा मतदाता चुनावी गणित बदल सकते हैं। जनसुराज और निर्दलीय प्रत्याशी स्थानीय मुद्दों को केंद्र में लाकर तीसरी ताकत के रूप में उभर रहे हैं। 2025 में मोतिहारी विधानसभा का चुनाव स्थानीय असंतोष, पार्टी असंतुलन और नए चेहरों के प्रभाव का परीक्षण बन गया है। भाजपा अपनी पारंपरिक मजबूती पर भरोसा कर रही है, जबकि डॉ. अतुल कुमार ठोस वैकल्पिक नेतृत्व और दिव्यांशु भारद्वाज युवा ऊर्जा के प्रतीक के रूप में उभर रहे हैं। अंतिम परिणाम इस बार केवल दलों पर नहीं, बल्कि मतदाताओं की भावना और स्थानीय मुद्दों की गूंज पर निर्भर करेगा। राजद के समीकरण के मत अटूट दिख रहे है वही भाजपा के मतों मे हो रहे भारी विखराब भाजपा प्रत्याशी के चिंता का कारण बना हुआ है। डॉ अतुल कुमार जहाँ कायस्थ जाती से आते है वही दिब्यांशु भारद्वाज भूमिहार जाती से आते है और दोनों ही जातियाँ भाजपा की कोर वोट बैंक की श्रेणी मे आती रही है। इधर वैश्य मत भी भाजपा के परम्परागत वोट रहे है। देवा गुप्ता खुद बैश्य है जाहिर है भाजपा के मतों मे भारी बिखराव संभव है।

## 18 लीटर 'रॉयल स्टैग' अंग्रेजी शराब जब्त, दो तस्कर फरार

**बीएनएम @ अरेराज/मलाही**

अवैध शराब के कारोबार पर नकेल कसते हुए मलाही पुलिस ने मंगलवार देर रात बड़ी कार्रवाई की है। गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस ने चटिया दियार स्थित मांकेश्वर स्थान के समीप से भारी मात्रा में अवैध अंग्रेजी शराब बरामद की है। हालांकि, मौके पर मौजूद दोनों तस्कर पुलिस को चकमा देकर फरार होने में सफल रहे।

**छापेमारी और बरामदगीः**

प्राप्त जानकारी के अनुसार, रात्रि को पुलिस को गोपनीय जानकारी मिली कि चटिया दियार स्थित मांकेश्वर स्थान के पास कुछ व्यक्ति अवैध अंग्रेजी शराब छिपाकर रख रहे हैं। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कानूनी कार्रवाई के लिए पुलिस बल ने तत्काल उक्त स्थान पर छापेमारी की। पुलिस जब मौके पर पहुँची, तो उन्होंने किशोरी कुमार (पिता स्व. धोधा यादव) और चन्दरमोहन कुमार (पिता रौशन यादव), दोनों निवासी चटिया दियार, को सफेद रंग के बोरे में रखी शराब को झाड़ियों में बने गड्ढे में छिपाते हुए पाया। लेकिन, जैसे ही पुलिस की भनक लगी, दोनों अभियुक्त रात्रि के घने अंधेरे और आसपास के गन्ने के खेत का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे। पुलिस ने फरार तस्करों द्वारा मौके पर छोड़े गए बोरे की तलाशी ली। तलाशी के दौरान बोरे से 'Royal Stag' ब्रांड की कुल 48 बोतलें अंग्रेजी शराब बरामद हुई। प्रत्येक बोतल की क्षमता 375 मिलीलीटर थी, जिससे बरामद शराब की कुल मात्रा लगभग 18 लीटर आंकी गई है।

**कानूनी कार्रवाई जारीः**

पुलिस ने बरामद शराब को विधिसम्मत जब्त कर लिया है और संबंधित धाराओं के तहत आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस सूत्रों के अनुसार, फरार अभियुक्तों किशोरी कुमार और चन्दरमोहन कुमार की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब कारोबारियों के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा।

## रक्तदान शिविर का किया गया आयोजन

**बीएनएम @ मोतिहारी**

इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड एलपीजी बॉटलिंग प्लांट छपरा बहास, मोतिहारी एवं भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी, मोतिहारी के संयुक्त तत्वाधान में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार भारती एवं इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के चीफ टार्नल मैनेजर राकेश कुमार वर्मा, अदनान अख्तर, सहायक प्रबंधक, एलपीजी बॉटलिंग प्लांट एवं राम शंकर राय, वरीय प्रबंधक की उपस्थिति में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड, छपरा बहास, सेमरा के प्रांगण में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के कार्यकारी अध्यक्ष शैलेंद्र कुमार भारती, अपर समाहर्ता, लोक शिकायत निवारण ने कहा एक स्वस्थ व्यक्ति को नियमित रूप से रक्तदान करना चाहिए। इस स्वास्थ्य के कई मायने में लाभ होता है। आज की रक्तदान शिविर की शुरुआत इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के सहायक प्रबंधक एलपीजी बॉटलिंग प्लांट ने रक्तदान कर किया तथा अपने प्लांट के सभी लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि रक्तदान करना मानवता की सेवा है और आपको इसमें बढ़-चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए। आज के इस रक्तदान शिविर में इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन लिमिटेड के कर्मी सुमन कुमार, राजीव कुमार, आशुतोष कुमार, अजीत कुमार, शिवम पाल, मनदीप कुमार, अर्जुन इत्यादि लोगों ने रक्तदान किया। इस अवसर पर रेड क्रॉस सोसाइटी के चिकित्सा पदाधिकारी अशोक कुमार, प्रधान सहायक रूपक वर्मा, लैब टेक्नीशियन कुमार अमृत एवं सहायक विनोद कुमार श्रीवास्तव इत्यादि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

# भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त प्रेक्षक गण ने निर्वाचन संबंधित तैयारियों का लिया जायजा

## बैठक में सभी कोषांगों को वरीय पदाधिकारी एवं नोडल पदाधिकारी सहित सीएपीएफ के सभी कमांडेंट रहे उपस्थित

» जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक सहित जिला के सभी निर्वाची पदाधिकारी के साथ की गई बैठक

**बीएनएम @ मोतिहारी**

बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 को स्वच्छ, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं भयमुक्त वातावरण में संपन्न कराने को लेकर भारत निर्वाचन आयोग नई दिल्ली द्वारा नियुक्त प्रेक्षक के द्वारा बुधवार को नगर के समाहरणालय स्थित डॉ. राजेंद्र प्रसाद सभागार में जिला प्रशासन के पदाधिकारी एवं सीएपीएफ कमांडेंट के साथ बैठक कर अब तक किए गए कार्य एवं निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में आगे की कार्य योजना को लेकर बैठक संपन्न हुई। ज्ञातव्य है कि पूर्वी चंपारण जिला के सभी 12 विधानसभा क्षेत्र के लिए एक-एक सामान्य प्रेक्षक, एक पुलिस प्रेक्षक एवं व्यय अनुश्रवण के लिए चार व्यय प्रेक्षक की नियुक्ति भारत निर्वाचन आयोग के द्वारा की गई है। उक्त बैठक के प्रारंभ में सर्वप्रथम जिला निर्वाचन पदाधिकारी -सह- जिलाधिकारी सौरभ जोरवाल के द्वारा सभी प्रेक्षक का स्वागत किया गया तत्पश्चात पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से जिला में निर्वाचन को लेकर अब तक की गई तैयारी एवं कार्यों की जानकारी दी गई। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया जिला की कुल आबादी 60.3 2 लाख है जिसमें 34.42 लाख वोटर हैं। जिला में पुरुष वोटर की संख्या 18.35 लाख एवं महिला वोटर की संख्या 16.07 लाख है। बिहार विधानसभा निर्वाचन के लिए जिला में कुल 4095 मतदान केंद्र बनाए गए हैं जिसमें 455 शहरी क्षेत्र में एवं 3640 ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित है। यह सभी मतदान केंद्र 1905 लोकेशंस पर स्थित है जिसमें शहरी क्षेत्र में एक 66 लोकेशन और ग्रामीण क्षेत्र में 1739 लोकेशन हैं। सभी लोकेशंस का जियो टैग किया गया है एवं उसके आधार पर व्यवस्थित संचार प्रणाली बनाई गई है ताकि जरूरत पड़ने पर कम से कम समय में और कम से कम दूरी तय करके यथा स्थान पहुंचा जा सके। सभी मतदान केंद्रों को मतदाता फ्रेंडली बनाया गया है। सभी जगह एएमएफ की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। जिला के सभी मतदान केंद्रों पर भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में सीसीटीवी कैमरा लगाई जाएगी एवं सभी मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया का वेब कास्टिंग कराया जाएगा। मतदान केंद्र पर मतदाता मोबाइल लेकर जा सकेंगे परंतु मतदान केंद्र के बाहर ही उन्हें मोबाइल रखने की व्यवस्था कराई जाएगी इसके लिए सभी मतदान केंद्र पर मोबाइल पॉकेट रहेगा। सभी मतदान केंद्र पर पर्दानशी महिलाओं की भी प्रतिनियुक्ति होगी जो महिला मतदाताओं की अच्छे से पहचान कर सके। जिलाधिकारी ने कहा कि मतदान कार्य में प्रतिनियुक्ति सभी मतदान पदाधिकारी का प्रथम प्रशिक्षण सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया है। पीठासीन पदाधिकारी एवं पोलिंग पदाधिकारी-1 को ईवीएम का हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी दिया गया है। द्वितीय चरण का प्रशिक्षण जिला में 30 अक्टूबर से प्रारंभ होगा जो 5 नवंबर तक चलेगा। इस दौरान मतदान दल के कर्मियों का पोस्टल बैलेट के माध्यम से वोटिंग की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके लिए प्रशिक्षण स्थल पर फैसिलिटेशन सेंटर बनाया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि ईवीएम का फर्स्ट रेंडमाइजेशन का कार्य राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में संपन्न कर लिया गया है अब ईवीएम को सभी डिस्पैच सेंटर पर भेजा जाना है जहां उसका कमिशिनंग कराया जाएगा। जिला के सभी 12 विधानसभा क्षेत्र के लिए 12 डिस्पैच सेंटर का निर्माण कराया गया है, ईवीएम को सुरक्षित रखने के लिए स्ट्रांग रूम बनाया गया है एवं वहां सभी तरह की सुविधा उपलब्ध करा दी गई है। जिला में नामांकन की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। कल ही दिनांक 21.10.2025 को स्क्रुटनी का कार्य भी संपन्न हो गया। 23.10.2025 को अभ्यर्थिता वापसी की अंतिम तिथि निर्धारित है। जिला में 11 नवंबर को मतदान की तिथि एवं 14 नवंबर को मतगणना की तिथि निर्धारित है। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि मतगणना कार्य के लिए दो केंद्र बनाए गए हैं।एक एस कॉलेज में जहां 06 विधानसभा क्षेत्र का मतगणना कराई जाएगी एवं दूसरा छतौनी डाइट में मतगणना केंद्र बनाया गया है जहां पर जिले की छः विधानसभाओं की मतगणना संपन्न कराई जाएगी। जिले में वोटर इनफॉरमेशन स्लिप (vis)का वितरण बीएलओ के माध्यम से आगामी 24 अक्टूबर से कराया जाएगा और भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के आलोक में इसका सत् प्रतिशत वितरण मतदान की तिथि से 5 दिन पूर्व करा लिया जाएगा। जिलाधिकारी के द्वारा बताया गया कि भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेस नोट जारी करने के साथ ही 06 अक्टूबर से जिले में आदर्श आचार संहिता प्रभावी है और इसका प्रभावी रूप से अनुश्रवण किया जा रहा है। विधि व्यवस्था के मद्देनजर अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर 64 नाका बनाए गए हैं। इसी के साथ-साथ अंतर जिला सीमा पर भी 20 नाका स्थापित कराए गए हैं। सभी जगह गहन पेट्रोलिंग की जा रही है। जिला में fst और sst की 39- 39 टीम गठित की गई है। इसके साथ-साथ 04 क्विक रिस्पांस टीम QRT भी कर गठित की गई है। संपूर्ण जिला में सघन वाहन जांच अभियान चलाए जा रहे हैं एवं बड़ी मात्रा में सीजर भी हो रहे हैं। जिला में संवेदनशील पॉकेट की पहचान की गई है और वहां पर 2655 लोगों को चिन्हित किया गया है जिसमें से 1998 के विरुद्ध प्रीवेंटिव एक्शन लिया गया है। जिला के विभिन्न स्थानों से 24353 लोगों के विरुद्ध अनुमंडल पदाधिकारी को प्रस्ताव भेजा गया है जिसमें 19699 को नोटिस चला गया है एवं 17359 लोगों को बाउंड डाउन कराया गया है। बीएसएस की धारा 126 के तहत 760 वारंट निर्गत किए गए हैं। विधानसभा निर्वाचन को संपन्न कराने के लिए केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के ठहराव के लिए जिला में कुल 120 लोकेशंस चिन्हित किए गए हैं एवं सभी जरूरी तैयारी पूरी कर ली गई है। सीएपीएफ की बड़ी संख्या में बटालियन भी जिला में मौजूद है और उनके द्वारा भी लगातार फ्लैग मार्च, एरिया डोमिनेशन एवं गस्ती की जा रही है तथा संवेदनशील स्थानों सहित महादलित टोले में कॉन्फिडेंस बिल्डिंग का काम किया जा रहा है। बैठक में पुलिस अधीक्षक के द्वारा पुलिस प्रशासन द्वारा किए गए कार्यों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने कहा कि जिला में आर्म्स वेरिफिकेशन का कार्य थाना स्तर पर पूर्ण कर लिया गया है एवं आर्म्स शॉप का भी वेरीफिकेशन किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सीसीए 3 के अंतर्गत कुल 210 का प्रस्ताव प्राप्त हुआ है जिसमें 190 मामलों का डिस्पोजल किया गया है। इस तरह से सीसीए 12 के अंतर्गत 34 प्रस्ताव प्राप्त है जिसमें 13 का डिस्पोजल किया गया है। से सभी का डिस्पोजल शीघ्र ही कर दिया जाएगा। बैठक में नगर आयुक्त,उप विकास आयुक्त, सभी अनुमंडल पदाधिकारी, डीसीएलआर सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

## संक्षिप्त समाचार

### छठ पूजा प्रकृति के प्रति संवेदनशील होने की संस्कृति, उपासना व संतुलन का पर्व - पूर्व प्राचार्य

छठ पूजा की प्रस्तुति देते बच्चे

**बीएनएम @ बगहाः** पर्यावरणविद् एवं प्रकृति प्रेमी पूर्व प्राचार्य पंडित भरत उपाध्याय ने कहा कि छठ पूजा प्रकृति के प्रति संवेदनशील होने की संस्कृति है। यह पूजा प्रकृति की उपासना और संतुलन का पर्व है। धर्म ग्रंथो में सूर्य की रश्मियां उनकी पत्नियां मानी जातीं हैं -उषा व प्रत्यूषा। कहा कि प्रातः काल सूर्य की पहली किरन उषा, व सायंकाल सूर्य की अंतिम किरन प्रत्युषा को अर्घ्य दिया जाता है। तथा सूर्य को अर्घ्य देने और प्रणाम करने से हमें ऊर्जा ,उमंग, शक्ति ,विभूति और एक दिव्य जीवन शक्ति प्राप्त होती है। प्रकृति का संरक्षण स्वयं के अस्तित्व का संरक्षण है। पेड़ पौधे प्रकृति की आत्मा हैं। हमारे द्वारा लगाए गए पौधे ,सिर्फ हमें ही लाभ नहीं पहुंचाते, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को लाभ पहुंचाते हैं ।पेड़ों पर कई जीव जंतु अपना घर बनाते हैं। यदि हम प्राकृतिक आपदा से बचना चाहते हैं ,तो हमें पेड़ों के संरक्षण की ओर कदम उठाने ही होंगे ।जब पृथ्वी संरक्षित होगी तभी मानव जीवन भी सुरक्षित होगा। शुद्ध वायु, जल, प्रकाश, रश्मि धारा से ही जीवन तत्व की रक्षा होगी । छठ पर्व में प्रकृति संरक्षण का दिव्य संदेश है।अतः धरती की संरक्षण हेतु हम प्राकृतिक जीवन के अभ्यासी बनें। छठ पूजा में सूर्य, नदी, फल, अनाज, बांस का सूप, गन्ना आदि सब प्राकृतिक हैं|

### भगवान चित्रगुप्त की निकाली गई शोभायात्रा, जयकारों से गूंजा बगहा

**बीएनएम @ बगहाः** बगहा नगर परिषद क्षेत्र स्थित चित्रगुप्त धाम मंदिर परिसर से कायस्थ समाज के लोगों ने भगवान श्री चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा के पावन अवसर पर बुधवार को भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। इस शोभा यात्रा में गांजे - बाजे ढोल नगाड़े और डीजे के साथ कायस्थ समाज के युवाओं तथा बड़ बुजुर्गो ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। भगवान चित्रगुप्त जी की नारों से पूरा क्षेत्र गुंजायमान रहा। यह शोभा यात्रा बगहा एक स्थित भगवान श्री चित्रगुप्त मंदिर परिसर से चलकर बगहा 2 के पठखौली शीतेंदु शरण श्रीवास्तव के निवास परिसर तक पहुंची। जहां भव्य शोभा यात्रा में शामिल सैकड़ों लोगों के लिए बनाए गए प्रसाद और शीतल पेयजल का वितरण किया गया। यह परंपरा कई वर्षो से किया जा रहा है। चित्रगुप्त धाम मंदिर के प्रियेश श्रीवास्तव ने बताया कि हर प्राणी का लेखा जोखा रखने वाले भगवान चित्रगुप्त जी महाराज की पूजा आज 23 अक्टूबर को बगहा एक स्थित चित्रगुप्त धाम मंदिर के अलावा पूरे देश विदेशों में होना सुनिश्चित है। इसके पूर्व शोभा यात्रा निकाली गई। इस दौरान बगहा एक बगहा दो, चौतरवा, बड़गांव, मलपुरवा, कुम्हिया, अमवलिया, चौतरवा, कोल्हूआ, रायबारी महूअवा, बरियारवा, मकरी, रामपुर चेक नाका, वाल्मीकि नगर आदि क्षेत्रों के भारी संख्या में कायस्थ समाज के लोगों ने हिस्सा लिया। यह कार्यक्रम कायस्थ समाज के प्रत्येक व्यक्ति के सहयोग से किया जाता है। उन्होंने बताया की 23 अक्टूबर को होने वाली पूजा में विशिष्ट अतिथि के रूप में दीपक श्रीवास्तव निदेशक दिल्ली जल बोर्ड तथा बड़गांव के रेलवे से आई.ई.एस सेवा निवृत अनिल कुमार वर्मा, बेतिया के चितगुप्त धाम के सचिव राकेश शरण श्रीवास्तव उर्फ पुन्नू द्वारा संयुक्त रूप से सांस्कृतिक कार्यक्रम का उद्घाटन किया जाएगा। 23 अक्टूबर की 11 बजे पूजनोत्सव, 1 बजे प्रसाद वितरण, 5 बजे शाम को आरती, 6 बजे शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा 7 बजे रात्रि को भाई भोज का आयोजन संपन्न होगी। इस अवसर पर मनीष श्रीवास्तव, ग्लोबल कायस्थ कॉन्फ्रेंस के जिला सचिव जेपी श्रीवास्तव, पुरूषोत्तम श्रीवास्तव, हरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, बड़गांव से अमृत वर्मा, अंकुर वर्मा, अजीत कुमार श्रीवास्तव, प्रिंस वर्मा, सुजीत वर्मा, सुमित वर्मा, अजीत श्रीवास्तव,अभिषेक श्रीवास्तव, पुनीत शरण वर्मा,रामेश्वर प्रसाद वर्मा,मधरेंद्र वर्मा, रविरंजन श्रीवास्तव, सुनील श्रीवास्तव, जयंत श्रीवास्तव समेत दर्जनों कायस्थ समाज उपस्थित रहे।

### जमुई में विधानसभा वार मतदान कर्मियों का दूसरा रैंडमाइजेशन संपन्न

**बीएनएम @ जमुई।** बिहार विधानसभा आम निर्वाचन को लेकर जिला प्रशासन ने एक और अहम प्रक्रिया पूरी कर ली है। बुधवार को एनआईसी सभागार में चारों विधानसभा क्षेत्रों के लिए मतदान कर्मियों का दूसरा रैंडमाइजेशन पारदर्शी तरीके से संपन्न हुआ। इस दौरान सामान्य प्रेक्षक 240, सिकंदरा (अ.जा.) आईएएस रोहित मीणा, सामान्य प्रेक्षक 241, जमुई विधानसभा क्षेत्र आर. लालविना, सामान्य प्रेक्षक 242, झाझा विधानसभा क्षेत्र संजय भय्याजी डेने तथा सामान्य प्रेक्षक 243, चकाई विधानसभा क्षेत्र गोडाला किरण कुमार की उपस्थिति रही। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम श्री नवीन ने की। उन्होंने बताया कि रैंडमाइजेशन के दौरान सभी विधानसभा क्षेत्रों में मतदान कर्मियों का चयन पूर्णतः स्वचालित प्रणाली से किया गया है। इस प्रक्रिया के तहत मतदान कर्मियों को विधानसभा वार आवंटित किया गया और पोलिंग पार्टियों का गठन किया गया। डीएम ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों के अनुरूप ही मतदान कर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है और दिशा-निर्देशों का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित किया गया है। प्रेक्षक अधिकारियों ने पूरी प्रक्रिया की समीक्षा कर संतोष व्यक्त किया और सभी अधिकारियों को शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष चुनाव संपन्न कराने के लिए शुभकामनाएं दीं।

# महागठबंधन की सरकार बनी तो जीविका दीदी को मिलेगा सरकारी कर्मी का दर्जा : तेजस्वी

**» सरकार बनते ही 20 दिन में हर परिवार के एक सदस्य को नौकरी**

**बीएनएम @ पटना**

## ऋण माफी और 30,000 वेतन का ऐलान एवं 2,000 भत्ता देने का वादा

प्रेसवार्ता कर जानकारी देते तेजस्वी यादव

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 से पहले, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी प्रसाद यादव ने महिलाओं और संविदाकर्मियों के लिए कई महत्वपूर्ण चुनावी घोषणाएं की हैं। पटना में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार बनने पर जीविका दीदियों को सरकारी कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा और उनका वेतन 30,000 प्रति माह तय किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, उन्हें सरकारी कार्यों में सहयोग के लिए 2,000 मासिक भत्ता भी मिलेगा।तेजस्वी ने जीविका दीदियों के शोषण की बात करते हुए कहा कि सरकार बनने पर जीविका समूहों के सभी ऋणों का ब्याज माफ होगा और दो वर्षों तक ब्याजमुक्त ऋण देने की योजना लागू की जाएगी। प्रत्येक दीदी को 5 लाख रुपये का बीमा कवर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि 'कम्युनिटी मोबिलाइजर्स (CMs)' को सरकारी दर्जा दिया जाएगा, यह फैसला वैज्ञानिक अध्ययन पर आधारित है।महिलाओं के लिए, उन्होंने 'माई-बहिन मान योजना' की घोषणा की जिसके तहत हर महिला को प्रतिमाह 2,500 दिए जाएंगे। साथ ही 'BETI योजना' और 'MAA योजना' भी लाई जाएंगी, जो बेटियों के जन्म से लेकर आय तक की व्यवस्था और माताओं को मकान, अन्न तथा आमदनी सुनिश्चित करेंगी।संविदाकर्मियों की समस्याओं पर बोलते हुए उन्होंने वादा किया कि सरकार बनते ही सभी संविदाकर्मियों को स्थायी कर्मचारी का दर्जा दिया जाएगा ताकि उनका शोषण समाप्त हो सके। उन्होंने महिला संविदाकर्मियों को मिलने वाली छुट्टियों के अन्याय को खत्म करने की भी बात कही।तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब गरीबी, महंगाई और बेरोजगारी से बदलाव चाहती है। उन्होंने दोहराया कि उनकी सरकार बनने के 20 दिनों के भीतर उन परिवारों के एक सदस्य को नौकरी दी जाएगी, जिनमें कोई सरकारी नौकरी नहीं है। ये घोषणाएं चुनावी माहौल को गर्मा रही हैं और लाखों महिलाओं तथा संविदाकर्मियों के बीच नई उम्मीदें जगा रही हैं।

### दम्पति के साथ मारपीट

**बीएनएम @ जमुई/झाझा**

झाझा थानाक्षेत्र के आदिवासी क्षेत्र हरदिया गांव में दम्पति के साथ मारपीट कर घायल कर देने की घटना मंगलवार की शाम हुई। घायल दम्पति किसी तरह मारने वाले के चंगुल से बचकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा पहुंचा जहां डॉक्टर नबाब ने घायल दम्पति का इलाज किया। घायल की पहचान जुड़पनिया गांव के रहने वाले सुनील हेम्ब्रम और उसकी पत्नी बहमुन्नी बास्के के रूप में हुई है। सुनील ने बताया कि मेरा ससुराल हरदिया गांव है जहां मेरे ससुर सुखुआ हांसदा से हरदिया गांव के ही रहने वाले नुनुआ हांसदा से जमीन को लेकर विवाद चल रहा है। मंगलवार को जब मैं और मेरी पत्नी ससुराल पहुंचे तो नुनुआ मेरे ससुर से झगड़ा कर रहा था जिसपर मेरी पत्नी विरोध किया तो उसके ऊपर लाठी से नुनुआ और अन्य चार लोग मारपीट करने लगा जब मैंने पत्नी को बचाते हुए झगड़ा का विरोध किया तो नुनुआ ने मेरे ऊपर लाठी, लोहे के रॉड से वार कर सिर फोड़कर गम्भीर रूप से घायल कर दिया। वही घटना की जानकारी झाझा थाना को भी दी गई।

## दो पक्षों के मारपीट में छह घायल

घायलों का इलाज करते चिकित्सक

**बीएनएम @ जमुई/झाझा**

सिमुलतला थानाक्षेत्र के कल्याणपुर पंचायत के करना गांव में जमीन विवाद में बुधवार को दो पक्षों के बीच जमकर मारपीट हो गई जिसमें दोनो पक्षों की ओर से कुल मिलाकर छह लोग घायल हो गए। सभी घायल को सिमुलतला पुलिस ने सर्वप्रथम इलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र झाझा भेजा गया जहां डॉक्टर ने सभी घायलों का इलाज किया। घायल में एक पक्ष से संजय यादव उसका भाई रिंकू यादव, पिता कीस्टो यादव, बेटी छोटी कुमारी तथा दूसरे पक्ष से दिनेश यादव और उसका बेटा प्रमोद यादव शामिल हैं।। एक पक्ष से घायल रिंकू यादव ने बताया कि जमीन का बंटवारा हो चुका है जिसमे मेरे हिस्से में पड़ने वाले दो कट्ठा जमीन का घेराव हमलोग ने कर लिया लेकिन बुधवार को दिनेश यादव, प्रमोद यादव, कमल, अजीत ने घेराव को तोड़ दिया और जब मेरे पिता ने विरोध किया तो उक्त लोग ईट पत्थर चलाते हुए लोहे के रॉड से हमलोगों पर हमला कर घायल कर दिया। दूसरे पक्ष से घायल दिनेश ने बताया कि उक्त जमीन का बंटवारा भी नही हुआ और आमीन बुलाकर जमीन की नापी करवाने की बात तो पहले पक्ष के लोगों ने ईट पत्थर से हमला कर मुझे और मेरे बेटे को घायल कर दिया।

# बिहार शिक्षा परियोजना परिषद की पहलः टैबलेट से दर्ज होगी छात्रों की हाजिरीफ्लैग

## बिहार के सरकारी स्कूलों में अब डिजिटल होगी हाजिरी, चेहरे से होगी उपस्थिति दर्जमेन

**» 22.5 TB सर्वर स्पेस की जरूरत**

**बीएनएम @ पटना**

बिहार शिक्षा परियोजना परिषद ने राज्य के सरकारी प्राथमिक, मध्य और माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों में Facial Recognition Based Authentication System लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। इसके तहत अब विद्यार्थियों की दैनिक हाजिरी टैबलेट के माध्यम से उनके चेहरे से स्वचालित रूप से दर्ज की जाएगी।इस पहल का उद्देश्य स्कूल स्तर पर उपस्थिति प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ाना, तकनीकी उन्नयन करना और हाजिरी की सटीकता सुनिश्चित करना है। परियोजना के तहत प्रत्येक जिले में जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (EE&SSA) को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है। नोडल अधिकारी की अध्यक्षता में जिला स्तर पर एक समिति भी गठित होगी, जिसमें जिला MIS प्रभारी, जिला गुणवत्ता शिक्षा समन्वयक और अन्य संबंधित अधिकारी शामिल होंगे।तकनीकी सहयोग EntroLab IT Solutions Pvt. Ltd. द्वारा प्रदान किया जाएगा। प्रत्येक प्रमंडल में नौ तकनीकी कर्मी तैनात किए जाएंगे जो जिला और स्कूल स्तर पर समन्वय और प्रशिक्षण कार्य करेंगे। इन कर्मियों का मुख्य कार्य सभी सरकारी विद्यालयों में छात्रों की डिजिटल उपस्थिति दर्ज कराना होगा।इस प्रणाली के लिए कुल 22.5 TB सर्वर स्पेस की आवश्यकता है। वर्तमान में स्टेट डेटा सेंटर ने 8 TB उपलब्ध कराया है और भविष्य में शेष 14.5 TB भी उपलब्ध कराएगा। यदि आवश्यक हो, तो एजेंसी अपने स्तर पर अतिरिक्त सर्वर स्पेस की व्यवस्था करेगी और सर्वर स्पेस उपलब्ध होते ही डाटा हस्तांतरित किया जाएगा।राज्य परियोजना निदेशक मयंक वरवड़े ने निर्देश दिए हैं कि सभी संबंधित जिलों और स्कूलों में इस प्रणाली को चरणबद्ध तरीके से लागू किया जाए और समय पर प्रशिक्षण और तकनीकी सहायता सुनिश्चित की जाए।इस पहल से सरकारी स्कूलों में हाजिरी प्रक्रिया में मानवीय त्रुटियों की कमी आएगी, समय की बचत होगी और शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल बदलाव को मजबूती मिलेगी। इसे शिक्षा की पारदर्शिता और तकनीकी उन्नयन की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है।

# बिहार चुनावः चकाई सीट पर 11, जमुई में 12 और सिकंदरा में 11 प्रत्याशी मैदान में आमने सामने

**» नामांकन समीक्षा के बाद तस्वीर साफ**

**बीएनएम @ जमुई**

आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चकाई विधानसभा सीट के लिए कुल 14 प्रत्याशियों ने नामांकन किया जिसमें तीन प्रत्याशी का नामांकन रद्द कर दिया गया । बाकी 11 प्रत्याशी अभी मैदान में हैं । बताते चलें कि सोमवार को सभी नामांकन प्रपत्र की समीक्षा के बाद तीन प्रत्याशियों का नामांकन रद्द किया गया । सोमवार को चकाई से राष्ट्रीय जनता दल प्रत्याशी के रूप में सावित्री देवी ,राहुल कुमार सहित कई प्रत्याशियों ने अपना अपना नामांकन करवाया था । मंगलवार को समीक्षा के बाद विश्वास योग्य पार्टी के टिकट पर नामांकन करने वाली नीतू कुमारी , वहीं बहुजन समाज पार्टी से नामांकन करने वाले लाल बहादुर यादव के अलावा निर्दलीय नामांकन करने वाले प्रत्याशी नंदू यादव का नामांकन भी रद्द हो चुका है । अब कुल चकाई विधानसभा सीट में 11 प्रत्याशी मैदान में हैं । जिसमें (1) सुमित कुमार सिंह जनता दल ( यूनाइटेड ) (2) सावित्री देवी राष्ट्रीय जनता दल (3) संजय प्रसाद निर्दलीय (4) चंदन कुमार सिंह निर्दलीय (5) राहुल कुमार जनसुराज पार्टी (6) अलाउद्दीन अंसारी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (7) एलिजाबेथ सोरेन निर्दलीय (8) नरेश कुमार शर्मा जागरूक जनता पार्टी ( 9 ) रंजीत कुमार वर्मा निर्दलीय (10) पवन कुमार सिंह निर्दलीय (11) सोसाना मुरमुर सर्व समाज पार्टी के प्रत्याशी मैदान में हैं । इस तरह देखा जाए तो सबसे ज्यादा जमुई विधानसभा सीट से 12 प्रत्याशी मैदान में हैं । जिसमें श्रेयसी सिंह भारतीय जनता पार्टी , मोहम्मद शमशाद आलम राष्ट्रीय जनता दल , अनिल प्रसाद शाह जनसुराज पार्टी , अमरेंद्र कुमार अत्री उर्फ खोखन सिंह निर्दलीय , प्रमोद मिश्रा समाज सत्ता दल , संतोष कुमार यादव निर्दलीय , मोहम्मद समीर निर्दलीय , ओम प्रकाश यादव निर्दलीय , महादेव कुमार रावत लोकतांत्रिक जनता दल , राम आशीष यादव आम आदमी पार्टी , महावीर यादव बहुजन समाज पार्टी , सुशांत कुमार सिंह निर्दलीय । जबकि झाझा से कुल 9 प्रत्याशी चुनाव मैदान में हैं । जिसमें दामोदर रावत जनता दल यूनाइटेड , जयप्रकाश नारायण यादव राष्ट्रीय जनता दल , डाक्टर नीलेंदु दत्त मिश्रा जनसुराज पार्टी , अमरजीत कुमार सिंह नेशनल पीपुल्स पार्टी , रविंद्र यादव निर्दलीय , शिवराज यादव बहुजन समाज पार्टी , मोहम्मद इरफान आजाद समाज पार्टी (काशीराम ) ,निमो देवी निर्दलीय , केदार कुमार मंडल अपनी जनता पार्टी । जबकि सिकंदरा विधानसभा सीट से भी कुल 11 प्रत्याशी मैदान में हैं । जिसमें प्रफुल्ल कुमार मांझी हिंदुस्तानी एवं मोर्चा , सुभाष चंद्र बोस जनसुराज पार्टी , उदय नारायण चौधरी राष्ट्रीय जनता दल , विनोद कुमार चौधरी कांग्रेस , प्रियंका कुमारी निर्दलीय , रामधीन पासवान लोक राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी , मनोज कुमार दास एआईएम आई एम, उदय रविदास निर्दलीय , संतोष कुमार दास बहुजन समाज पार्टी , संगीता पासवान निर्दलीय ।

## महागठबंधन पूरी तरह एकजुट, जल्द खत्म होगा भ्रम : अशोक गहलोत

**बीएनएम @ पटना**

बिहार विधानसभा चुनाव नजदीक आने के साथ ही महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर हलचल तेज है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और बिहार चुनाव पर्यवेक्षक अशोक गहलोत तथा प्रदेश प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने पटना पहुंचकर गठबंधन में सब कुछ नियंत्रण में होने का दावा किया।गहलोत ने कहा कि सीट बंटवारे पर जारी "भ्रम" एक-दो दिन में दूर हो जाएगा, हालांकि उन्होंने कुछ सीटों पर "फ्रेंडली फाइट" की संभावना स्वीकार की। उन्होंने इसे गठबंधन की कमजोरी नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक उत्साह बताया और भरोसा जताया कि कांग्रेस, राजद और वाम दल मिलकर भाजपा-जदयू गठबंधन को कड़ी चुनौती देंगे।कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु ने स्पष्ट किया कि बिहार में असली लड़ाई भाजपा और जदयू के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य, रोजगार, शिक्षा और सामाजिक न्याय की पुनर्स्थापना का संघर्ष है। दोनों नेताओं के बयानों से यह संदेश गया कि आंतरिक चर्चा के बावजूद महागठबंधन सार्वजनिक रूप से एकजुटता का प्रदर्शन कर रहा है।

# सात जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों का लाइसेंस रद्द, एफआईआर दर्ज

**» अनियमितता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं - एसडीएम**

**बीएनएम @ बगहा**

बगहा अनुमंडल अंतर्गत रामनगर में जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी सामने आई है। सात पीडीएस दुकानदारों पर 3298 क्विंटल खाद्यान्न गबन करने का आरोप है, जिसके बाद पीडीएस दुकानदारों की लाईसेंस रद्द कर एफआईआर दर्ज की गई है। अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार के नेतृत्व में हुई जांच में इन दुकानदारों द्वारा खाद्यान्न गबन की पुष्टि हुई। रामनगर के जिन दुकानदारों पर एफआईआर दर्ज की गई है, डैनमरवा पंचायत के रामचंद्र राम पर 107 क्विंटल, रामनगर नगर परिषद मनोज केशरी 526 क्विंटल, सोहसा पंचायत प्रभु पंडित 688 क्विंटल, तौलाहा पंचायत के अवध किशोर राव 432 क्विंटल, नगर परिषद एजाज अहमद 274 क्विंटल, डैनमरवा पंचायत के महबूब आलम 850 क्विंटल, तौलाहा पंचायत के संजीत कुमार राव 421 क्विंटल खाद्यान्न गबन का आरोप है। अनुमंडल पदाधिकारी बगहा गौरव कुमार ने बताया कि जनवितरण प्रणाली में किसी भी प्रकार की अनियमितता और लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। उन्होंने कहा कि गरीबों को उनके अधिकारका राशन उपलब्ध कराना प्रशासन की पहली प्राथमिकता है। एसडीएम ने कहा कि जनता के हक का अनाज हड़पने की कोशिश करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जायेगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता और जबाबदेही सुनिश्चित करने के लिए जनवितरण प्रणाली के दुकानदारों की नियमित जांच की जायेगी। अनुमंडल प्रशासन की इस कार्रवाई से राशन गबन करने वाले पीडीएस दुकानदारों में हडकंप मच गया है।

## जनता को गुमराह कर रहे तेजस्वी यादवः राजभूषण चौधरी

**बीएनएम @ पटना**

केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी निषाद ने मुजफ्फरपुर भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में बुधवार को कहा कि तेजस्वी यादव मतदाताओं को गुमराह करने में लगे हुए हैं। इसमें उनको कभी कोई सफलता नहीं मिलने जा रही है। वह चुनाव में इसको अपना मास्टर स्ट्रोक समझ रहे वह जनता को गुमराह करने वाला है। मुजफ्फरपुर से भाजपा सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री राजभूषण चौधरी निषाद ने कहा जिस तरह से तेजस्वी यादव ने आज अपनी घोषणा किया है यह उनकी घबराहट का परिचायक है। यह घबराहट ही है कि तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के महत्वाकांक्षी योजना में शामिल जीविका दीदियों और अन्य योजनाओं को लेकर बयानबाजी कर क्रेडिट लेने का काम कर रहे हैं।

### जमुई में 24 और 25 अक्टूबर को पीठासीन और मतदान कर्मियों का होगा प्रशिक्षण

# प्रशिक्षण में अनुपस्थित कर्मियों पर होगी कार्रवाई : डीएम

**बीएनएम @ जमुई**

प्राधिकारियों को दिशा निर्देश देते जिलाधिकारी

आगामी बिहार विधानसभा आम निर्वाचन को लेकर जमुई जिला प्रशासन पूरी मुस्तैदी के साथ तैयारियों में जुट गया है। मंगलवार को जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह डीएम श्री नवीन कुमार ने समाहरणालय सभागार में प्रशिक्षण कोषांग, ईवीएम कोषांग, कार्मिक कोषांग और स्वीप कोषांग के नोडल पदाधिकारियों के साथ विस्तृत समीक्षा बैठक की।बैठक में डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि चुनाव कार्य में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी कर्मियों की प्रशिक्षण में उपस्थिति अनिवार्य है। कोई भी कर्मी प्रशिक्षण से अनुपस्थित पाया गया तो उसके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।जिला प्रशासन द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 24 अक्टूबर 2025 को पीठासीन अधिकारी और पी-1 कर्मियों का प्रशिक्षण आयोजित होगा जबकि 25 अक्टूबर 2025 को पी-2 और पी-3 कर्मियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण का आयोजन राजकीय महिला डिग्री कॉलेज सोनपे, जमुई में निर्धारित स्थलों पर किया जाएगा।बैठक के दौरान ईवीएम कोषांग को निर्देश दिया गया कि प्रशिक्षण के क्रम में सभी कर्मियों को ईवीएम मशीन चलाने का व्यावहारिक अभ्यास कराया जाए। जिलाधिकारी ने यह भी कहा कि पीठासीन अधिकारी डायरी भरने की प्रक्रिया, मतदान दिवस पर ईवीएम तैयार करने और सीलिंग की विधि को बारीकी से सीखें ताकि मतदान के दिन किसी प्रकार की त्रुटि न हो।बैठक में स्वीप कोषांग की कार्यप्रगति की भी समीक्षा की गई। निर्देश दिया गया कि जिले के सभी महादलित टोले में विकास मित्रों और जीविका दीदियों के माध्यम से मतदाता जागरूकता अभियान चलाया जाए ताकि अधिक से अधिक मतदाता मतदान में भागीदारी सुनिश्चित कर सकें और लोकतंत्र को मजबूत बना सकें।जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि प्रशासन की पूरी टीम निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान कराने को लेकर पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

# संविधान की कॉपी ग्रहण

**यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या अतिवादी रणनीति तथा भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस के हाथों भारतीय संविधान की कॉपी ग्रहण कर वरिष्ठ माओवादी नेता मालोजुला वेणुगोपाल राव और उनके 60 अन्य साथियों ने समर्पण कर दिया। इसके साथ ही फड़णवीस ने एलान किया कि उत्तर गढ़चिरौली से माओवाद का खात्मा हो गया है, जबकि दक्षिण गढ़चिरौली में इसका थोड़ा-बहुत प्रभाव बाकी है। उधर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कहा कि देश में अब 'वामपंथी चरमपंथ से अति ग्रस्त जिलों की संख्या महज तीन रह गई है, जबकि 2025 के आरंभ में यह छह थी। साधारण तौर पर 'वामपंथी चरमपंथ से ग्रस्त जिलों की संख्या 18 से घट कर 11 रह गई है। गुजरे एक साल में सैकड़ों माओवादी मारे गए हैं, गिरफ्तार हुए हैं या उन्होंने समर्पण कर दिया है। समर्पण करने वालों में कई बड़े चेहरे शामिल हैं, जिन पर करोड़ों रुपयों का इनाम घोषित था। तो इस तरह भाजपा सरकारें यह कहने की स्थिति में हैं कि 'वामपंथी चरमपंथ को कानून-व्यवस्था की समस्या मानने का उनका नजरिया सही साबित हुआ है। कभी माओवादी पशुपतिनाथ (नेपाल) से तिरुपति (आंध्र प्रदेश) तक लाल कॉरिडोर बनाने के प्रयास में जुटे हुए थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने 'वामपंथी चरमपंथ को देश की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ा खतरा बताया था। मगर अब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का यह दावा सच होने के करीब है कि फरवरी 2026 तक माओवाद का सफाया हो जाएगा। बहरहाल, यह बहस का मुद्दा है कि माओवाद का यह पराभव सिर्फ सरकारी नजरिया बदलने के कारण हुआ है, या भारतीय राज्य के चरित्र एवं समाज की समझ संबंधी गलतियां माओवादियों को इस मुकाम तक ले आई हैं। विचारणीय है कि क्या राजनीति में अतिवादी दृष्टिकोण अपनाना और भारतीय राज्य के खिलाफ हर सामाजिक विभाजन रेखा का लाभ उठाने की उनकी रणनीति उनके लिए घातक साबित हुई? इस रणनीति के तहत धीरे-धीरे वे पहचान की राजनीति के इर्द-गिर्द गोलबंदी करने की हद तक चले गए, जिससे वे एक बंद गली में पहुंचे। इसी समय सरकार के नजरिए में आया बदलाव उन पर भारी पड़ा। नतीजा यह हुआ कि आखिरकार संवैधानिक दायरे के अंदर आने के लिए उन्हें मजबूर होना पड़ा है।**

# बिहार विधानसभा चुनाव और राजनीतिक साख का सवाल

**मनोज कुमार मिश्र**

बिहार विधानसभा चुनाव प्रचार के शीर्ष पर पहुंचने से पहले ही राष्ट्रीय जनता दल(राजद) और कांग्रेस की अगुवाई वाला महागठबंधन बिखरने लगा। पहले भाजपा और जनता दल (एकी) की अगुवाई वाले गठबंधन राजग (राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन) में भी तनातनी हुई लेकिन बड़े नेताओं ने फौरन हस्तक्षेप कर विवाद सुलझा लिया। अब सभी 243 सीटों पर राजग की तरफ से एक-एक उम्मीदवार ही चुनाव मैदान में हैं। इस गठबंधन के दलों का चुनाव प्रचार भी साझा चल रहा है। राजग नीतीश कुमार की अगुवाई में चुनाव लड़ रहा है। भाजपा और जद(एकी) बराबर सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। दूसरी तरफ महागठबंधन के सहयोगी दलों के उम्मीदवार दर्जन भर से ज्यादा सीटों पर आपस में ही लड़ रहे हैं। इतना ही नहीं, तमाम दावों के बावजूद चुनाव प्रचार जोड़ नहीं पकड़ रहा है। हर बार की तरह इस बार भी कई अन्य दलों के उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। प्रशांत किशोर की जनसुराज पार्टी चुनाव में अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज करा रही है। वैसे उसके तीन उम्मीदवारों ने नाम वापस लेकर प्रशांत किशोर की परेशानी बढ़ा दी। वे इसके लिए विपक्षी दल पर आरोप लगा रहे हैं। बिहार के सबसे बड़े लोक महापर्व छठ के तुरंत बाद 06 और 11 नवंबर को मतदान होना है। नतीजे 14 नवंबर को आएंगे। माना जा रहा है कि छठ के लिए बड़ी तादाद में लोग अपने घर आते हैं, उनमें काफी बड़ी संख्या उन लोगों की है जो प्रवासी होने के बावजूद अभी भी बिहार के मतदाता बने हुए हैं। इनके चलते इस बार वोट का औसत बढ़ सकता है।

इस बार महागठबंधन के आपसी टकराव और सरकार के सकारात्मक काम से राजग का वोट औसत बढ़ने के आसार हैं। होना यही चाहिए था कि चुनाव मुद्दों पर लड़े जाएं। संभव है बाकी चुनावों की तरह इस चुनाव में भी कई गलत आरोप लग रहे हैं। हवाई दावे किए जा रहे हैं। भला यह कैसे संभव है कि चौदह करोड़ से ज्यादा मतदाताओं के हर परिवार से एक व्यक्ति को सरकारी नौकरी दे दी जाए। कुछ लाख परिवारों में सरकारी नौकरी है बाकी सवा दो करोड़ परिवारों से एक-एक सदस्य को सरकारी नौकरी देना संभव ही नहीं। इसके बावजूद राजद नेता तेजस्वी यादव इसकी घोषणा कर चुके हैं। कुछ इसी तरह के भाजपा और राजग के घटक दलों ने भी कई वायदे किए लेकिन उनका उनकी ठोस रणनीति से संबंध है। चुनाव आयोग की तमाम सख्ती के बावजूद हर चुनाव में धन-बल का भरपूर उपयोग होता है। चुनाव में वोट के लिए पैसे, शराब या सामान बांटने के मामले भी सामने आते रहे हैं। चुनाव आयोग हर चुनाव में भारी मात्रा में नकदी, शराब आदि पकड़ता है और कार्रवाई करता है। राज्यसभा और विधान परिषद की भी सीटें बिकने की खबरें आती है। यह सभी अपने देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था में जंग लगने जैसे हैं। कुछ सालों से चुनावी व्यवस्था में और पतन होता जा रहा है। लोकसभा और विधानसभा आदि के टिकट बिकने की खबर आने लगी और बिहार चुनाव में तो सारे रिकार्ड ध्वस्त हो गए। टिकटों की बोली लगने का आरोप लग रहे हैं। अपने दल के विधायक से कई-कई करोड़ रुपए लेने के बाद भी दूसरे से ज्यादा पैसा लेकर टिकट बेचे जाने के दावे किए जा रहे हैं। राजद से मधुबन से टिकट पाने में असफल रहे मदन साह ने पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी घर के बाहर अपने कपड़े फाड़े, दहाड़ मार कर रोते हुए कहा कि उसके 2.70 करोड़ रुपए लौटा दें। इस लेन-देन की होड़ में सारी मर्यादाएं तार-तार हो गईं। पैसे की इसी होड़ में सुगौली से महागठबंधन ने अपने विधायक के बजाए सीट वीआईपी को दे दी। आरोप लगा कि कीमत बढ़ा कर फिर अपने विधायक को पकड़ा दिया। इसी उठापटक में उसका नामांकन ही रद्द हो गया। सासाराम से राजद ने अपने मौजूदा विधायक का टिकट काट कर आपराधिक छवि वाले को दे दिया जो झारखंड के गढ़वा में एक डकैती में वांछित था। नामांकन भरते ही उसे झारखंड पुलिस पकड़ कर ले गई। टिकटों की जैसे मंडी सज गई। टिकट कटवाने से जो सीट सहयोगी दल को गया, उसके चुनाव चिन्ह पर पैसा लेने वाले बड़े दल के नेता ने टिकट दिलवा दिया। बिहार जैसे गरीब राज्य में टिकटों की इस मंडी में ज्यादातर दल शामिल हुए। कई सीटों पर टिकटों की घोषणा के बावजूद दूसरे को इसलिए टिकट दे दिया गया क्योंकि उसने ज्यादा पैसे दे दिए। कई ऐसी सीट हैं जिसपर सहयोगी दल के चुनाव चिन्ह पर भाजपा, राजद, कांग्रेस, जद(एकी) के मौजूदा विधायक या नेता चुनाव लड़ रहे हैं। पहले पार्टी समर्थकों के विरोध के चलते टिकट बदले जाते थे या वापस किए जाते थे। अब तो बोली लग कर टिकटों पर फैसला होता है।



हर चुनाव की तरह इस चुनाव में भी बड़ी मात्रा में काला धन लग रहा है। पहले चुनाव लड़ने के लिए गिनती के लोग कर्ज लेकर या जमीन आदि बेच कर पैसे लगाते थे। अब तो टिकट पाने के लिए पहले ही सबकुछ दांव पर लगाया जा रहा है। पहले कहा जाता था कि लोग चुनाव लड़ते हैं प्रतिष्ठा पाने और समाज सेवा करने के लिए। आजादी के बाद के कुछ चुनाव छोड़ दें तो वास्तव में तब भी चुनाव में पैसा लगा कर लोग चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले पैसा कमाने में ही सारी ताकत लगाते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की कड़ाई से भाजपा में बड़े नेताओं के रिश्तेदारों को कम से कम टिकट मिलता है और भाजपा ने बिहार में भी ऐसा ही किया। बाकी दलों में पैसे की तरह टिकट पाने की दूसरा बड़ा कारण बड़े नेताओं की रिश्तेदारी रही है। लालू प्रसाद यादव के छोटे बेटे तेजस्वी यादव तो उनके उत्तराधिकारी हैं, वे इस बार भी राघोपुर से चुनाव लड़ रहे हैं। पूर्व मंत्री शकुनी चौधरी के पुत्र बिहार के उप मुख्यमंत्री और भाजपा नेता सम्राट चौधरी तारापुर से चुनाव लड़ रहे हैं। दबंग मोहम्मद शहाबुद्दीन के बेटे ओसामा साहाब (राजद), केन्द्रीय मंत्री उपेन्द्र कुशवाहा की पत्नी स्नेह लता (रालोमो), पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ मिश्र के पुत्र नितीश मिश्र (भाजपा), केन्द्रीय मंत्री जीतन राम मांझी की पुत्रवधू दीपा मांझी (हम), पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर की पौत्री जागृति ठाकुर(जनसुराज), पूर्व सांसद गिरिधारी प्रसाद यादव के पुत्र चाणक्य प्रसाद यादव (राजद), सांसद वीणा देवी की पुत्री कोमल सिंह (लोजपा-रा), सांसद लवली आनंद के पुत्र चेतन आनंद (लोजपा-रा), शिवानंद तिवारी के पुत्र राहुल तिवारी (राजद), बाहुबली मुन्ना शुक्ला की पुत्री शिवानी शुक्ला (राजद), बाहुबली सूरजभान सिंह की पत्नी वीणा देवी (राजद), पूर्व सांसद विजय कुमार के पुत्र ऋषि मिश्र (कांग्रेस), नवीन किशोर सिन्हा के पुत्र नितिन नवीन (भाजपा), गंगा प्रसाद चौरसिया के पुत्र संजीव चौरसिया (भाजपा) और विशेश्वर ओझा के पुत्र राकेश ओझा इत्यादि उम्मीदवार हैं। यह सूची काफी लंबी है। यानि कई बड़े दलों के टिकट या तो बाहुबली और उसके परिवार को या पैसे वाले को या किसी बड़े नेता के रिश्तेदार को मिला। पार्टी के लिए दिन रात काम करने वाला आम कार्यकर्ता को अब टिकट मिलना कठिन है। आने वाले चुनाव में यह और कठिन हो जाएगा। यह माना जा रहा है कि करीब 20 साल मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठे नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है। वे खुद एक मजबूत पिछड़ी जाति से आते हैं। इतने लंबे समय तक सत्ता में रहने पर उन पर एक भी भ्रष्टाचार के आरोप नहीं लगे। तमाम विरोध के बावजूद शराबबंदी के उनके फैसले का बड़ी तादाद में गरीब महिलाओं का समर्थन आज भी उन्हें मिल रहा है। उनकी लगातार होती जीत का एक आधार महिलाएं हैं। साल 2005 में जिन बच्चियों को उन्होंने साईकिलें दीं, उनको ही चुनाव आचार संहिता लगने से पहले दस-दस हजार रुपए दिए। लालू यादव के जंगल राज से उलट उनकी छवि सुशासन बाबू की बनी हुई है। कई उल्लेखनीय काम उनके खाते में हैं लेकिन वे बिहार को विकास की दौड़ में शामिल कराने में पूरी तरह से सफल नहीं हो पाए। न ही पलायन रुका और न ही बड़े पैमाने पर रोजगार के अवसर पैदा हुए। केन्द्र सरकार के सहयोग से हर गांव सड़क से जुड़ा। हर गांव में बिजली पहुंची। कई और केन्द्रीय योजनाओं का लाभ बिहार के लोगों को मिला। दरभंगा में एम्स बन रहा है। गंगा नदी पर 10 पुल बने। बोधगया में आईआईएम और ट्रिपल आईटी बना। 38 से ज्यादा इंजीनियरिंग कालेज बने। बिजली के चार कारखाने खुले। केन्द्र सरकार ने बिहार के लिए तीन लाख करोड़ खर्च करके बुनियादी ढांचे को मजबूत किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का लाभ इस गठबंधन और खासकर भाजपा को होगा ही। नीतीश कुमार सरकार के राजगीर, नालंदा में हुए काम मील के पत्थर साबित हो रहे हैं।

# स्वदेशी की लौ : उपभोक्ता बना आत्मनिर्भरता का शिल्पकार



**डॉ. मयंक चतुर्वेदी**

दिवाली की इस बार की जगमगाहट दीपों तक सीमित नहीं रही है, उसने भारतीय अर्थव्यवस्था के हर कोने में आत्मनिर्भरता की लौ जलाई। बाजारों की रौनक और उपभोक्ताओं के उमंग में इस बार जो बात सबसे अधिक झलकी, वह है 'मेड इन इंडिया' के प्रति अभूतपूर्व विश्वास। देश के व्यापारी, कारीगर और उपभोक्ता, तीनों एक साथ उस दिशा में चलते दिखाई दिए, जहाँ स्वदेशी विकल्प से अधिक प्राथमिकता बनता दिखा। वस्तुतः कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की ताजा रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को अंकों में पिरोकर सामने रखा है। त्योहारी सीजन में देशभर में लगभग 6.05 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ, जो अब तक का सबसे बड़ा आँकड़ा है। इसमें सबसे उल्लेखनीय तथ्य यह है कि 87 प्रतिशत भारतीय उपभोक्ताओं ने विदेशी वस्तुओं के बजाय स्वदेशी उत्पादों को चुना। यह सीधे तौर पर भारत के आर्थिक उछाल का संकेत तो है ही साथ में आत्मनिर्भर भारत के विचार की वास्तविक विजय को भी दर्शाता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जब 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' का आह्वान किया था, तब ध्यान में आया था कि पीएम देशवासियों के माध्यम से भारतीय अस्मिता और स्थानीय उत्पादन के पुनरुद्धार को नई दिशा देना चाहते हैं। आज परिणाम भी उसी अनुरूप आया है, जैसा वे चाहते हैं। इस बार दीपावली के बाजारों में चीनी उत्पादों की चमक लगभग गायब रही, वहीं भारतीय वस्तुओं की बिक्री में पिछले वर्ष की तुलना में 25 प्रतिशत से अधिक वृद्धि दर्ज हुई। दिल्ली, मुंबई, लखनऊ, अहमदाबाद और जयपुर जैसे प्रमुख शहरों के बाजारों में स्थानीय उत्पादों की बहार थी। हर स्टॉल पर, हर दुकान में यह विश्वास झलक रहा था कि भारत की मिट्टी में बने उत्पाद किसी भी अंतरराष्ट्रीय ब्रांड से कम नहीं। यही वह स्वदेशी चेतना है जो उपभोक्ता व्यवहार को बदल रही है। यहां इस सत्य को भी खुले मन से स्वीकार करना होगा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और उससे प्रेरित संगठनों ने वर्षों से इस स्व से जुड़ी स्वदेशी चेतना को जीवित रखा है। "स्वदेशी खरीदो–देश बनाओ" जैसे अभियानों ने इस वर्ष जनांदोलन का रूप ले लिया। संघ के आर्थिक दर्शन का मूल ही यह है कि आत्मनिर्भरता सिर्फ उद्योग तक सीमित नहीं है, यह राष्ट्र निर्माण का आधार है। यही कारण है कि इस बार दीपावली के उत्सवों में सांस्कृतिक भावना के साथ आर्थिक स्वराज का भाव भी उतना ही प्रबल दिखा है। आरएसएस से प्रेरित संगठनों ने 'स्वदेशी उत्सव' और 'हस्तशिल्प मेले' जैसे आयोजन कर यह संदेश दिया कि स्वदेशी केवल व्यापार नहीं, बल्कि विचार है। स्वदेशी जागरण मंच के अनुसार, यह दौर भारत की आर्थिक स्वराज यात्रा का नया अध्याय है। उनका मानना है कि यदि यह प्रवृत्ति कुछ वर्षों तक निरंतर बनी रही, तो भारत न केवल आत्मनिर्भर बनेगा, बल्कि एक सशक्त निर्यातक राष्ट्र के रूप में भी दुनिया के सामने खड़ा होगा। मोदी सरकार की नीतियाँ भी इसी दिशा में गूँथी हुई हैं; प्रधानमंत्री मुद्रा योजना, स्टैंड अप इंडिया, वोकल फॉर लोकल, और मेक इन इंडिया जैसे कार्यक्रमों ने स्वदेशी भावना को संस्थागत रूप दिया है। इन योजनाओं ने छोटे व्यापारियों और ग्रामीण उद्यमियों को सशक्त बनाया है, जो अब त्योहारी अर्थव्यवस्था के केंद्र में हैं। कैट ने बताया है कि कैसे "छोटे व्यापारियों की ऐतिहासिक वापसी" हुई है। इस वर्ष कुल बिक्री में 85 प्रतिशत योगदान गैर-कारपोरेट और पारंपरिक बाजारों से आया। दिल्ली के सदर बाजार, चांदनी चौक, शास्त्री नगर और लाजपत नगर जैसे इलाकों में पैर रखने की जगह नहीं थी। पहले जहाँ ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स बिक्री पर हावी रहते थे, इस बार उपभोक्ताओं ने स्थानीय दुकानों से खरीदारी का अनुभव फिर अपनाया। यह प्रवृत्ति बताती है कि डिजिटल युग में भी पारंपरिक बाजारों की आत्मा जीवित है। खरीदारी के आँकड़े भी इस बदलाव की गवाही देते हैं; किराना और एफएमसीजी उत्पादों ने कुल बिक्री में 12%, सोना-चाँदी ने 10%, इलेक्ट्रॉनिक्स ने 8% और रेडीमेड परिधानों ने 7% योगदान दिया। यह विविधता दर्शाती है कि भारतीय उपभोग शहरी सीमाओं को पार कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था तक फैल चुका है। इस वर्ष ग्रामीण और अर्ध-शहरी बाजारों ने 28 प्रतिशत भागीदारी दी। यह आँकड़ा ग्रामीण भारत की बढ़ती क्रयशक्ति और स्थानीय उत्पादन की सशक्तता का प्रमाण है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आरंभ की गई योजनाओं ने गाँव-गाँव में छोटे उद्योगों और स्वयं सहायता समूहों को मजबूत किया है। आज ग्रामीण महिलाएँ दीपावली सजावट से लेकर मिठाई पैकेजिंग तक, अनेक उत्पाद तैयार कर रही हैं। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार सृजित हुआ है और मांग–पूर्ति का पूरा चक्र अब स्वदेशी ढाँचे में घूम रहा है।इस बार ट्रेडर कॉन्फिडेंस इंडेक्स 8.6 और कंज्यूमर कॉन्फिडेंस इंडेक्स 8.4 तक पहुँच गया, जो पिछले दशक का सर्वोच्च स्तर है। यह आँकड़े स्पष्ट करते हैं कि व्यापारी और उपभोक्ता दोनों भविष्य को लेकर आश्वस्त हैं। 72 प्रतिशत व्यापारियों ने माना है कि जीएसटी दरों के तर्कसंगत पुनर्गठन और डिजिटल भुगतान प्रोत्साहन ने इस उछाल में निर्णायक भूमिका निभाई। सरकार की पारदर्शी नीतियों ने व्यापार वातावरण में स्थिरता और विश्वास लौटाया है। त्योहारी सीजन में वस्तुओं के साथ सेवा क्षेत्र ने भी शानदार प्रदर्शन किया। पैकेजिंग, ट्रैवल, होटल, ईवेंट मैनेजमेंट और डिलीवरी नेटवर्क में लगभग 65,000 करोड़ रुपये का कारोबार हुआ। साथ ही, लगभग 50 लाख अस्थायी रोजगार सृजित हुए, जिनमें बड़ी संख्या में युवा और महिलाएँ शामिल थीं। इससे यह स्पष्ट हुआ कि आत्मनिर्भर भारत का भाव निर्माण तक सीमित नहीं रहा है, सेवा और सृजन दोनों में बराबर प्रवाहित है। कहना होगा कि यह वर्ष भारत की आर्थिक यात्रा का मील का पत्थर है। अब खुदरा व्यापार केवल उपभोग का प्रतीक नहीं रहा, वह आत्मविश्वास और राष्ट्रभाव का परिचायक बन गया है। भारतीय उपभोक्ता अब "ब्रांड वैल्यू" नहीं, बल्कि "भारतीय मूल्य" को प्राथमिकता दे रहा है। मोदी सरकार और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की संयुक्त स्वदेशी दृष्टि ने भारत की आर्थिक दिशा को एक नया अर्थ दिया है, जहाँ हर छोटा दुकानदार, हर ग्रामीण उद्यमी और हर जागरूक उपभोक्ता मिलकर आत्मनिर्भर भारत की मशाल थामे हुए है। यह वह रोशनी है जो बताती है कि भारत अब किसी और के उजाले का मोहताज नहीं, वह आज अपनी ही लौ से जगमगाने वाला देश बन चुका है। दिवाली की जगमगाहट में इस बार एक नई लौ दिखी है, वह है आत्मनिर्भर भारत की लौ। हर बाजार में 'मेड इन इंडिया' की चमक दिख रही है। यह केवल व्यापार का उत्थान नहीं है, यह तो भारतीय उपभोक्ता की चेतना का पुनर्जागरण है।




**मेष राशिफलः** कोई लाभदायक यात्रा संपन्न हो सकती है आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज कोई लाभदायक यात्रा संपन्न हो सकती है। अत्यधिक व्यस्तता के कारण घर पर तो समय व्यतीत नहीं कर पाएंगे, परंतु अपने बहुत से महत्वपूर्ण काम निपटाने में सफल होंगे। आज किसी भी प्रकार का लेनदेन करते समय सावधानी बरतें। आज बिजनेस में कोई महत्वपूर्ण फैसला न लें।

**वृषभ राशिफलः** धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज का दिन आपके लिए अच्छा होने वाला है। आज किसी धार्मिक गतिविधि में शामिल होने के योग बन रहे हैं। आज किसी मामले में दूसरों के साथ बातचीत या सलाह करने से फायदा होगा। जरूरी काम और रिश्तों के बारे में विचार करेंगे और योजना बनाएंगे।

**मिथुन राशिफलः** करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आज जो भी काम शुरु करेंगे वो समय पर पूरा हो जायेगा। आपको करियर से संबंधित नए अवसर मिलेंगे। नया व्यापार शुरू करने में बड़े भाई का सहयोग मिलेगा। कॉमर्स के विद्यार्थी आज मार्केटिंग को समझने के लिये शिक्षकों की सहायता लेंगे, जो आपके भविष्य में बेहद काम आयेंगी।

**कर्क राशिफलः** किसी रिश्तेदार से आपको कोई अच्छी खुशखबरी मिलेगी आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आज घर के बडों की मदद से आपका जरूरी काम पूरा हो जायेगा। किसी रिश्तेदार से आपको कोई अच्छी खुशखबरी मिलेगी। जीवनसाथी आज आपकी हर बात समझने की कोशिश करेंगे, इससे रिश्तों में नयापन आयेगा । समाजिक कार्यो में सहयोग देने से आपको अच्छा फील होगा।

**सिंह राशिफलः** मेहनत के अनुरूप आपको उचित परिणाम हासिल होंगे आज का दिन आपके लिए उमंग से भरा रहेगा। आज कुछ प्रभावशाली लोगों के साथ आपके दोस्ताना तालमेल बनेंगे। मेहनत के अनुरूप आपको उचित परिणाम भी हासिल होंगे । कोई भी निर्णय भावनाओं में आकर ना लें, बल्कि प्रैक्टिकल तरीके से अपनी कार्यप्रणाली बनाएं ।

**कन्या राशिफलः** आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा आज आपका दिन शानदार रहेगा। परिवार के सामने आपको अपनी राय रखने का पूरा मौका मिलेगा, आपकी योजना से लोग काफी प्रभावित होंगे। आपका आर्थिक पक्ष मजबूत रहेगा। आज आप अपने घर का डेकोरेशन फेस्टिवल के अनुसार करेंगे।

**तुला राशिफलः** धन-धान्य में बढ़ोतरी होगी आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहेगा। आज रोजमर्रा के कामों में आपको ज्यादा समय लग सकता है। आज आपको कारोबार में पैसा लगाने से पहले बड़ो की राय लेना, आपके लिए बेहतर साबित होगी। पिता बच्चों की इच्छाएं पूरी करने की कोशिश करेंगे।

**वृश्चिक राशिफलः** आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों से बेहतर तालमेल बनाकर रखें आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आपको रोजगार के नए अवसर मिल सकते हैं। आज कार्यस्थल पर सहकर्मियों से बेहतर तालमेल बनाकर रखें। आपको किसी से भी बिना वजह उलझने से बचना चाहिए।

**धनु राशिफलः** मन लगाकर काम करना आपको सफलता देगा आज का दिन आपके लिए खुशियाँ लेकर आया है। आपका अपने कर्म पर विश्वास रखना, तथा मन लगाकर काम करना आपको सफलता देगा। कुछ बीती हुई गलतफहमियां दूर होने से भाइयों के साथ रिश्तों में मधुरता आएगी। पिछले कुछ समय से चल रही परेशानियों से राहत मिलेगी।

**मकर राशिफलः** ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा आज आपका मन नई उमंगों से भरा रहेगा। हर कोई आपसे राय लेना चाहेगा। ऑफिस के लोगों में आपका रुतबा बनेगा। किसी विशेष व्यक्ति से आज आपकी बात हो सकती है । आपको आर्थिक पक्ष से भी लाभ मिलेगा, धन के नये स्रोत प्राप्त होंगे। छोटे बच्चे आज बहुत खुश रहेंगे, वो अपने लिये कोई नया खेल तलाश करेंगे। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी।

**कुंभ राशिफलः** आज आप अपने भविष्य को बेहतर बनाने का प्लान बनायेंगे आज का दिन आपके लिए बढ़िया रहने वाला है। आज आप अपने भविष्य को बेहतर बनाने का प्लान बनायेंगे। परिवार के सदस्यों के साथ आपके रिश्ते बेहतर होंगे। आज आप पारिवारिक रिश्ते को महत्व देंगे। अविवाहित लोगों को कोई विवाह प्रस्ताव भी आज मिल सकता है ।

**मीन राशिफलः** आज कारोबार में बाहरी लोगों के दखल से चुनौतियां रहेंगी आज का दिन व्यस्तता से भरा रहने वाला है। आज कारोबार में बाहरी लोगों के दखल से चुनौतियां रहेंगी। बेहतर होगा सब काम अपनी देखरेख में ही करवाएं । आपके पॉजिटिव विचार आपको अपने कार्यक्षेत्र में अच्छा करने के लिए प्रेरित करेंगे । इसकी वजह से जीवन के कुछ क्षेत्रों में अच्छा लाभ प्राप्त करेंगे।

# आम आदमी की उड़ान के 9 साल

**सियाराम पांडेय 'शांत'**

आसमान में उड़ना हर किसी का सपना होता है। मनुष्य के पास उड़ने के लिए पंख भले न हों लेकिन उसके पास उम्मीदों के पंख तो हैं ही और जब हौसलों का साथ हो, मन में उल्लास हो तो संसार को जीतना आसान हो जाता है। आकाश तक विकास की ऊंची छलांग तो लगाई ही जा सकती है। दीपावली के उमंग और उल्लास भरे पुनीत अवसर पर उड़ान योजना के नौ साल पूरे हो गए। विमान सेवा को आम आदमी की पहुंच में लाने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 21 अक्टूबर, 2016 को यह योजना शुरू की थी। हालांकि इस योजना के तहत पहली उड़ान 27 अप्रैल 2017 को शिमला से दिल्ली के लिए शुरू हुई थी। यह योजना 10 साल के लिए शुरू की गई थी लेकिन अब इसकी अवधि दस साल और बढ़ा दी गई है। निश्चित ही इसका लाभ न केवल विमानन क्षेत्र को मिलेगा बल्कि मध्यमवर्गीय समाज भी इससे बहुत हद तक लाभान्वित हो सकेगा। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के 2025-26 के बजटीय भाषण पर गौर करें तो आगामी साल में इस योजना में 120 नए गंतव्य शामिल किए जाएंगे, जिससे 4 करोड़ अतिरिक्त यात्रियों को सस्ती हवाई सेवा का लाभ मिल सकेगा। इस निमित्त भले ही उन्होंने नागरिक उड्डयन मंत्रालय के लिए कुल परिव्यय का खुलासा नहीं किया लेकिन बजट में 2025-26 में उड़ान योजना के लिए 540 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा तो शुरू की ही थी। उड़ान योजना के तहत अब तक 625 उड़ान मार्ग चालू किए गए हैं जो पूरे भारत में 90 हवाई अड्डों को जोड़ते हैं, जिनमें 2 जल हवाई अड्डे और 15 हेलीपोर्ट भी शामिल हैं। इस योजना से उड़ान के अंतर्गत 1.49 करोड़ से अधिक यात्री किफायती क्षेत्रीय हवाई यात्रा का लाभ उठा चुके हैं। भारत के हवाई अड्डा नेटवर्क पर विचार करें तो वर्ष 2014 तक देश में 74 हवाई अड्डे थे जो बढ़कर 159 हो गए हैं। हवाई अड्डों तक पहुंच गया जो एक दशक में दोगुने से भी अधिक है। वंचित एवं दूरदराज के क्षेत्रों में वायु संपर्क बढ़ाने के लिए सरकार ने व्यवहार्यता अंतर वित्तपोषण (वीजीएफ) के रूप में 4,023.37 करोड़ रुपये बांटे हैं। उड़ान योजना से जाहिर तौर पर क्षेत्रीय पर्यटन को गति मिली है। स्वास्थ्य सेवा




तक पहुंच बढ़ी है और व्यापार को मजबूती मिली है। टियर-2 और टियर-3 शहरों में आर्थिक विकास में उछाल आई है। आकाश को छूना देश के अधिकांश लोगों का सपना हुआ करता था लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इसमें अपना एक और सपना जोड़ दिया और वह सपना था कि हवाई सेवा इतनी सस्ती होनी चाहिए कि उसमें चप्पल पहनने वाला आम नागरिक भी सफर कर सके। 'उड़े देश का आम नागरिक' के स्लोगन के साथ जब यह योजना शुरू हुई तो उनके विरोधियों ने इसका उपहास भी किया लेकिन जब नीति और नीयत साफ हो तो संकल्प अपनी सिद्धि को प्राप्त करता ही है। उड़ान योजना के साथ भी कमोबेश ऐसा ही कुछ हुआ। यह कहने में शायद ही किसी को संकोच हो कि इस योजना ने तब से अब तक भारत के क्षेत्रीय वायु संपर्क परिदृश्य को बदल दिया है। अनगिनत नागरिकों के लिए आसमान खोलना किसी उपलब्धि से कम नहीं है। इसके लिए सरकार को काफी कुछ व्यय भार झेलना भी पड़ा। किफायती किराया सुनिश्चित करने के लिए एयरलाइनों को वित्तीय सहायता उपलब्ध करानी पड़ी हवाई किराये की सीमा निर्धारित करनी पड़ी। कम आकर्षक बाजारों में उड़ानें संचालित करने के लिए एयरलाइनों को आकर्षित करने की दिशा में भी सरकार को अनेक प्रयास करने पड़े। केंद्र सरकार ने प्रथम तीन सालों के लिए आरसीएस हवाई अड्डों पर खरीदे जाने वाले एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) पर उत्पाद शुल्क 2 प्रतिशत तक सीमित किया। एयरलाइन्स को अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कोड शेयरिंग समझौते के लिए प्रोत्साहित करने में वह पीछे नहीं रही। इस क्रम में राज्य सरकारों का सहयोग भी कमतर नहीं आंका जा सकता। राज्यों ने दस वर्षों के लिए एटीएफ पर वैट को 1 प्रतिशत या उससे कम करने तथा सुरक्षा, अग्निशमन सेवाओं और उपयोगिता सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाएं कम दरों पर उपलब्ध कराई। सहयोग की इस युति ने एक ऐसा वातावरण तैयार किया है, जहां एयरलाइन्स कंपनियां लंबे समय से उपेक्षित क्षेत्रों में भी सेवाएं प्रदान करने का साहस नहीं जुटा पाईं, वहां भी अब बदस्तूर फल-फूल रही हैं। योजना अपने प्रारंभ से विस्तार तक अनेक चरणों से गुजरी और हर चरण में उसने भारत के क्षेत्रीय हवाई संपर्क के दायरे में इजाफा ही किया है। पहली उड़ान 27 अप्रैल, 2017 को (शिमला-दिल्ली) रवाना हुई। इसमें 5 एयरलाइन संचालकों को 70 हवाई अड्डों के लिए 128 मार्ग आवंटित किये गये इनमें 36 नये हवाई अड्डे भी शामिल रहे। उड़ान का दूसरा चरण साल 2018 में शुरू हुआ जिसमें 73 कम जुड़ाव वाले और ऐसे क्षेत्र जिनसे जुड़ाव नहीं था, उन हवाई अड्डों को शामिल किया गया। यह पहला मौका था जब हेलीपैड भी उड़ान नेटवर्क का हिस्सा बने। उड़ान योजना की तीसरा चरण 2019 में शुरू हुआ जिसमें पर्यटन मंत्रालय से समन्वय स्थापित कर अनेक पर्यटन मार्ग शुरू किए गए। जल हवाई अड्डों को जोड़ने सस्ती और किफायती वायु सेवा से जोड़ने के लिए समुद्री विमान परिचालन का भी सहयोग लिया गया। पूर्वोत्तर क्षेत्र के कई मार्गों को इस योजना से जोड़ा गया। जाहिर है, इस योजना से न केवल पर्यटन कारोबार में वृद्धि हुई। रोजगार के मौके भी बढ़े हैं। साल 2016 में जब यह योजना शुरू हुई थी तब 500 किमी की एक घंटे की यात्रा के लिए हवाई किराया 2,500 रुपये तक सीमित किया गया था। इस योजना के फलस्वरूप मुंद्रा (गुजरात) से अरुणाचल प्रदेश के तेजू तथा हिमाचल के कुल्लू से तमिलनाडु के सलेम तक उड़ान ने देशभर में 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को जोड़ा। दरभंगा, प्रयागराज, हुबली, बेलगाम, कन्नूर हवाईअड्डे योजना के तहत ही अस्तित्व में आए। भविष्य में और भी हवाई अड्डे आएंगे।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

# एडिलेड में वनडे सीरीज जीतने की फिराक में ऑस्ट्रेलिया, भारत को भी चाहिए वापसी

एजेंसी, नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में इस सीजन को क्रिकेट इतिहास का 'सबसे बड़ा गर्मियों का सीज़न' बताया जा रहा है, लेकिन पर्थ में खेले गए पहले वनडे की शुरुआत कुछ खास नहीं रही। लगातार हुई फुहारों ने मुकाबले को अधूरा छोड़ दिया। हालांकि, इस कम ओवरों वाले मैच में ऑस्ट्रेलिया ने भारत पर अपना दबदबा जरूर बनाया और 7 विकेट से जीत दर्ज की। अब एडिलेड में गुरुवार को होने वाले दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलिया सीरीज अपने नाम करने के इरादे से उतरेगी, जबकि भारत के सामने 'करो या मरो' की स्थिति होगी।

**तेज गेंदबाज़ों ने किया ऑस्ट्रेलिया का काम आसान-** पर्थ में खेले गए पहले वनडे में जोश हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क ने भारतीय टॉप ऑर्डर को झकझोर कर रख दिया। हेज़लवुड ने पिच की अतिरिक्त उछाल और गति का पूरा फायदा उठाया। पैट कमिंस की अनुपस्थिति में हेज़लवुड का रोल आने वाली एशेज सीरीज़ में और अहम हो गया है। टीम के लिए एक और अच्छी खबर रही मैथ्यू रेनशॉ और मिचेल ओवेन का वनडे डेब्यू पर शानदार प्रदर्शन। साथ ही मैट कूहनेमन और जोश फिलिप ने भी गहराई में मजबूती दिखाई, जो टीम के 2027 वर्ल्ड कप ट्रांज़िशन प्लान के लिए अच्छा संकेत है।

**भारत की बैटिंग लाइनअप रही फीकी-** भारत के लिए पहले वनडे में अच्छी बात बस नितीश कुमार रेड्डी की पारी और अर्शदीप सिंह की नई गेंद से शानदार गेंदबाज़ी रही। विराट कोहली खाता नहीं खोल सके और रोहित शर्मा केवल 8 ही रन बना सके, जबकि कप्तान शुभमन गिल भी बड़ी पारी नहीं खेल पाए। चैंपियंस ट्रॉफी के बाद भारत का यह पहला वनडे था और दिल्ली टेस्ट के तुरंत बाद खेलने के कारण खिलाड़ी कुछ थके हुए भी दिखे। अब एडिलेड में टीम इंडिया को हर हाल में बेहतर प्रदर्शन करना होगा ताकि सीरीज़ को बराबर पर लाया जा सके। यहां भी दर्शक दीर्घा में नीली जर्सी की भरमार होने की उम्मीद है।

**मैथ्यू शॉर्ट पर नज़रें-** मैथ्यू शॉर्ट का पहला वनडे खास नहीं रहा और वो केवल 8 रन बनाकर आउट हो गए। हालांकि एडिलेड उनका घरेलू मैदान है और बिग बैश लीग में उन्होंने यहां खूब रन बनाए हैं। उम्मीद है कि उन्हें एक और मौका दिया जाएगा।

**रोहित शर्मा और विराट कोहली पर दबाव-** रोहित शर्मा पर्थ में हेज़लवुड की गेंद पर 8 रन बनाकर आउट हुए। आईपीएल के बाद यह उनका पहला अंतरराष्ट्रीय मैच था। एडिलेड में वह नेट्स पर जमकर अभ्यास कर रहे हैं, ताकि अपनी फॉर्म वापस पाकर वर्ल्ड कप को लेकर उठ रहे सवालों को शांत कर सकें। विराट कोहली भी दबाव में होंगे, क्योंकि वह भी खाता नहीं खोल सके।

**टीम संयोजन में बदलाव की संभावना-** ऑस्ट्रेलिया में एलेक्स कैरी और एडम ज़म्पा की वापसी लगभग तय है। कैरी शील्ड मैच के कारण पहले वनडे में नहीं खेले थे, जबकि ज़म्पा पितृत्व अवकाश पर थे। भारत अपनी बल्लेबाज़ी में बदलाव नहीं करेगा लेकिन गेंदबाज़ी को लेकर दुविधा है। कुलदीप यादव को एडिलेड में मौका मिल सकता है, जबकि तेज़ गेंदबाज़ी में प्रसिद्ध कृष्णा को हर्षित राणा पर तरजीह दी जा सकती है।

**संभावित प्लेइंग XI**

**ऑस्ट्रेलिया:** मिचेल मार्श (कप्तान), ट्रैविस हेड, मैथ्यू शॉर्ट, एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), मैथ्यू रेनशॉ, कूपर कॉनॉली,मिचेल ओवेन, मिचेल स्टार्क,नाथन एलिस, जोश हेज़लवुड, एडम ज़म्पा।

**भारत:** शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, नितीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा/प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, मोहम्मद सिराज।

## एडीलेड में खासे सफल रहे हैं विराट

» 12 अंतरराष्ट्रीय मैचों में बनाये हैं 975 रन

एडीलेड। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार को यहां होने वाले दूसरे एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में बड़ा स्कोर बना सकते हैं। विराट पर्थ में हुए पहले एकदिवसीय में खाता भी नहीं खोल पाये थे। ऐसे में उनका लक्ष्य इस मैच में कोई गलती नहीं करना रहेगा। विराट के लिए राहत की बात ये है कि इस मैदान पर उनका रिकार्ड काफी अच्छा रहा है। उन्होंने तब तक एडिलेड के मैदान पर कुल 12 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं, जिसमें उन्होंने 65 की औसत से 975 रन बनाये है। इस दौरान उनके नाम पांच शतक भी हैं। उनके इस रिकॉर्ड से साफ है कि वह इस बार भी बड़ी पारी खेल सकते हैं। विराट अगर इस मैच में शतक लगाते हैं तो वह इस मैदान पर एकदिवसीय में तीन शतक लगाने वाले विश्व के पहले बल्लेबाज बन जाएंगे। एडिलेड में अब तक कोई भी बल्लेबाज 2 से ज्यादा शतक नहीं लगा पाया है। ऐसे में उनके नाम एक बड़ा रिकार्ड बनाने का अवसर है।

# नोवाक जोकोविच ने पेरिस मास्टर्स से नाम वापस लिया

एजेंसी, पेरिस

विश्व टेनिस के महान खिलाड़ियों में शुमार सर्बिया के नोवाक जोकोविच ने अगले सप्ताह होने वाले पेरिस मास्टर्स से हटने की घोषणा की है। उन्होंने सोशल मीडिया पर उक्त घोषणा की। उन्होंने यह फैसला सिक्स किंग्स स्लैम प्रदर्शनी टूर्नामेंट के दौरान पैर में लगी चोट के चलते लिया है। 24 बार के ग्रैंड स्लैम विजेता जोकोविच ने इस सीज़न में बहुत कम टूर्नामेंट खेले हैं। चारों ग्रैंड स्लैम के अलावा उन्होंने सिर्फ आठ एटीपी टूर इवेंट्स में हिस्सा लिया। 38 वर्षीय जोकोविच इस साल ऑस्ट्रेलियन ओपन, फ्रेंच ओपन, विंबलडन और यूएस ओपन- सभी चार ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल तक पहुंचे। मई अंत से सितंबर के अंत तक उन्होंने केवल उन्हीं तीन स्लैम टूर्नामेंट में भाग लिया। हाल ही में खेले गए शंघाई मास्टर्स में भी जोकोविच को हिप (कूल्हे) की समस्या से जूझना पड़ा था, जिसके चलते वह सेमीफाइनल में बाहर हो गए थे। जोकोविच पिछले हफ्ते सऊदी अरब में आयोजित सिक्स किंग्स स्लैम में शामिल हुए थे, जहां उन्हें शुरुआती राउंड में बाई मिली थी। पहले मैच में वह जानिक सिनर से हार गए और तीसरे स्थान के लिए टेलर फ्रिट्ज़ के खिलाफ मुकाबले में एक सेट खेलने के बाद चोट के कारण मैच छोड़ना पड़ा। जोकोविच ने पहले ही एटीपी फाइनल्स (9 से 16 नवंबर, ट्यूरिन, इटली) के लिए क्वालीफाई कर लिया है, लेकिन उन्होंने 2024 में यह टूर्नामेंट छोड़ दिया था। इस बार भी उनकी भागीदारी को लेकर अब संशय बढ़ गया है।

## पीवीएल 2025: कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-1 से हराकर टूर्नामेंट को विदाई दी

एजेंसी, नई दिल्ली

कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने आरआर केबल प्राइम वॉलीबॉल लीग पावर्ड बाय स्कैपिया के मुकाबले में अहमदाबाद डिफेंडर्स को 3-1 (15-13, 14-16, 17-15, 15-9) से हराकर अपने अभियान का अंत किया। एरिन वर्गीस को शानदार प्रदर्शन के लिए मैच का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अहमदाबाद ने बत्तूर बत्सुरी की जबरदस्त सर्विस और अटैक से पहले सेट में बढ़त बनाई, लेकिन कोच्चि के जसजोध सिंह की सुपर सर्व और ब्लॉक ने स्कोर बराबर किया। अमरिंदरपाल सिंह के मजबूत डिफेंस ने टीम को पहला सेट जीतने में मदद की। दूसरे सेट में एरिन की तेज सर्विस और अहमदाबाद के नंदगोपाल-और अखिन के बदलाव ने खेल को बराबरी पर ला दिया। लेकिन तीसरे सेट में निकोलस मारेचल और जसजोध की तेज़ स्पाइक्स ने कोच्चि को नियंत्रण में ला दिया। हेमंत और अमरिंदरपाल के सटीक अटैक्स और लिबरो एलन आशिक की रक्षात्मक मूव्स ने अहम अंक बनाए। चौथे सेट में कोच्चि की टीम ने लगातार दबाव बनाते हुए अर्शाक सिनान की गलत सर्विस का फायदा उठाकर मैच जीत लिया। इस जीत के साथ कोच्चि ब्लू स्पाइकर्स ने टूर्नामेंट से विदाई ली, जबकि अहमदाबाद पहले ही सेमीफाइनल में प्रवेश कर चुका था।

## यूईएफए चैंपियंस लीग: पीएसजी ने बायर लेवरकुसेन को 7-2 से रौंदा, न्यूकैसल ने बेनफिका को 3-0 से हराया

एजेंसी, लेवरकुसेन

बायर लेवरकुसेन और पेरिस सेंट-जर्मेन (पीएसजी) के बीच मंगलवार को खेला गया चैंपियंस लीग मुकाबला गोलों, पेनल्टी और रेड कार्ड से भरपूर रहा। मौजूदा चैंपियन पीएसजी ने इस धमाकेदार मैच में 7-2 से बड़ी जीत दर्ज की और गोल अंतर के आधार पर अंक तालिका में शीर्ष स्थान पर पहुंच गया। मैच के पहले हाफ में ही 6 गोल, दो रेड कार्ड और दो पेनल्टी देखने को मिलीं। पीएसजी ने शुरुआती बढ़त 7वें मिनट में विलियम पाचो के हेडर से हासिल की। इसके बाद मैदान पर जबरदस्त एक्शन देखने को मिला। 25वें मिनट में लेवरकुसेन को पेनल्टी मिली, लेकिन एलेक्स ग्रिमाल्डो पोस्ट पर शॉट मार बैठे और मौका गंवा दिया। कुछ देर बाद कप्तान रॉबर्ट एंडरिच को वीएआर समीक्षा के बाद कोहनी मारने के कारण सीधे रेड कार्ड से बाहर कर दिया गया। हालांकि, इसके बाद पीएसजी के इल्या ज़ाबार्नी को भी रेड कार्ड दिखाया गया, जिन्होंने क्रिश्चियन कोफाने को गोल के सामने गिरा दिया था और पहली पेनल्टी भी उन्हीं के कारण मिली थी। इस बार एलेक्स गार्सिया ने गोल कर स्कोर 1-1 कर दिया। यह खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। 41वें मिनट में डिज़ायरे डूए ने गोल कर बढ़त फिर से पीएसजी को दिलाई। इसके तीन मिनट बाद खविचा क्वारात्सखेलिया ने शानदार गोल दागा और इंजरी टाइम में डूए ने अपना दूसरा गोल कर हाफटाइम तक स्कोर 4-1 कर दिया। दूसरे हाफ में भी पीएसजी का दबदबा जारी रहा। 50वें मिनट में नूनो मेंडेस ने गोल कर स्कोर 5-1 किया। लेवरकुसेन के गार्सिया ने लंबी दूरी से बेहतरीन गोल कर अपना दूसरा गोल दागा, लेकिन यह वापसी की शुरुआत नहीं बन सका। अंत में पीएसजी के ओस्मान डेम्बेले और वितिन्हा ने दो और गोल कर स्कोर 7-2 पर खत्म किया।

**न्यूकैसल के गोलकीपर पोप का कमाल, थ्रो से बना गोल का मौका-** बेनफिका के खिलाफ खेले गए मुकाबले में न्यूकैसल ने 3-0 से जीत हासिल की। मैच का सबसे यादगार पल 70वें मिनट में देखने को मिला जब गोलकीपर निक पोप ने अपने थ्रो से गोल का मौका बनाया। पोप ने गेंद को पकड़ने के बाद तेजी से हाफवे लाइन के पार हार्वी बार्न्स की ओर ओवरआर्म थ्रो फेंका। बेनफिका के डिफेंडर एंटोनियो सिल्वा बीच में नहीं रोक पाए और बार्न्स ने शानदार फिनिशिंग करते हुए गेंद को गोलपोस्ट में डाल दिया। इस गोल के बाद न्यूकैसल के खिलाड़ी पोप के पास दौड़ पड़े और उन्हें घेरकर जश्न मनाया। इस जीत से न्यूकैसल ने अपने नॉकआउट चरण की उम्मीदों को और मजबूत कर लिया।

## व्यापार

# शेयर बाजार में बलि प्रतिपदा की छुट्टी, पूरी तरह से बंद रहेगी ट्रेडिंग

**नई दिल्ली।** दिवाली की छुट्टी के बाद आज बलि प्रतिपदा के अवसर पर भी घरेलू शेयर बाजार में छुट्टी है। इस छुट्टी के कारण बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज बीएसई और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज एनएसई लगातार दूसरे दिन बंद है और आज किसी तरह की कोई ट्रेडिंग नहीं हो रही है। यानी आज शेयर बाजार में पूरी तरह से छुट्टी है। आज बलि प्रतिपदा और गोवर्धन पूजा का आयोजन किया जाता है। इसके साथ ही हिन्दू परंपरा के मुताबिक आज से कारोबारी नव वर्ष की शुरुआत होती है। दिवाली की छुट्टी के मौके पर कल शेयर बाजार में परंपरागत मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन किया गया था। दोपहर 1:45 से 2:45 बजे तक यह पूजा हुई। 1 घंटे की ट्रेडिंग में बीएसई का सेंसेक्स 0.07 प्रतिशत की तेजी के साथ बंद हुआ था। इसी तरह एनएसई के निफ्टी ने 0.10 प्रतिशत कुशल कर मूर्ति ट्रेडिंग का अंत किया था। शेयर बाजार में दिवाली के दिन परंपरागत रूप से मुहूर्त ट्रेडिंग का आयोजन किया जाता है। इसे कारोबारी हिंदू वर्ष के दौरान होने वाले कारोबार के शुरुआती संकेत का प्रतीक माना जाता है। स्टॉक एक्सचेंज की ओर से उपलब्ध कराई गई जानकारी के अनुसार आज बीएसई में इक्विटी सेगमेंट और इक्विटी डेरिवेटिव सेगमेंट समेत एसएलबी सेगमेंट, करेंसी डेरिवेटिव्स सेगमेंट्स, एनडीएस-आरएसटी, ट्राई पार्टी रेपो, कमोडिटी डेरिवेटिव्स सेगमेंट, इलेक्ट्रॉनिक गोल्ड रिसीप्ट्स (ईजीआर) सेगमेंट सभी के लिए ट्रेडिंग हॉलिडे

है। एनएसई में भी आज इक्विटीज, इक्विटी डेरिवेटिव्स, कमोडिटीज डेरिवेटिव्स, कॉरपोरेट बॉन्ड्स, न्यू डेट सेगमेंट्स, निगोशिएटेड ट्रेड रिपोर्टिंग प्लेटफॉर्म, म्यूचुअल फंड्स, सिक्योरिटी लेंडिंग एंड बॉरोइंग स्कीम्स, करेंसी डेरिवेटिव्स और इंट्रेस्ट रेट डेरिवेटिव्स सभी सेगमेंट्स में छुट्टी रहेगी। इसके अलावा मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में भी बलि प्रतिपदा के मौके पर आज छुट्टी रहेगी। दिवाली के बाद बलि प्रतिपदा की छुट्टी होने के कारण निवेशकों और कारोबारियों को लगातार 2 दिन का कारोबारी अवकाश मिल गया है। अब शेयर बाजार में कल यानी 23 अक्टूबर से सामान्य कामकाज की शुरुआत हो जाएगी। दिवाली के इस सप्ताह में शेयर बाजार में कुल 4 दिनों की छुट्टी रहने वाली है। इनमें दिवाली और बलि प्रतिपदा की छुट्टियों के अलावा शनिवार और रविवार का साप्ताहिक अवकाश भी शामिल है। शेयर बाजार के सामान्य कारोबार की बात करें, तो इस सप्ताह सोमवार को सामान्य कारोबार हुआ था। इसके बाद अब गुरुवार और शुक्रवार को दो दिन सामान्य कारोबार होगा। दिवाली और बलि प्रतिपदा के बाद बाकी बचे हुए साल 2025 में शनिवार-रविवार के अलावा शेयर बाजार में नवंबर की 5 तारीख को गुरु पूरब की छुट्टी होगी, जबकि 25 दिसंबर को क्रिसमस के मौके पर स्टॉक मार्केट बंद रहेगा। इन छुट्टियों के अलावा करेंसी डेरिवेटिव सेगमेंट में 5 सितंबर को ईद-ए-मिलाद की भी छुट्टी रहेगी।

## सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में गिरावट जारी, चेन्नई में शिखर से 27 हजार रुपये तक फिसली चांदी

**नई दिल्ली।** दिवाली और धनतेरस के पहले सर्राफा बाजार में मजबूती का लगातार नया रिकार्ड बनाने के बाद अब चांदी की कीमत में गिरावट का रुख बन गया है। पिछले कुछ दिनों के दौरान चांदी के भाव में औसतन 20,000 रुपये प्रति किलोग्राम से अधिक की गिरावट दर्ज की जा चुकी है। दिल्ली में आज चांदी की कीमत एक दिन में ही 8 हजार रुपये प्रति किलोग्राम टूट कर 1,63,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। इसी तरह मुंबई, अहमदाबाद, कोलकाता, जयपुर, सूरत और पुणे में चांदी 1,62,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। वहीं, बेंगलुरु में चांदी 1,63,900 रुपये के स्तर पर और पटना तथा भुवनेश्वर में

1,62,000 प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रही है। अगर चेन्नई और हैदराबाद की बात करें, तो यहां चांदी की कीमत 27 हजार रुपये प्रति किलोग्राम तक टूट चुकी है। 15 अक्टूबर को हैदराबाद और चेन्नई में चांदी की कीमत जोरदार छलांग लगा कर 2,07,700 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर तक पहुंच गई थी, जो अब घटकर 1,80,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है। बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन का कहना है कि पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय बाजार और घरेलू सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत में आई जोरदार तेजी के बाद अब जम कर मुनाफा वसूली शुरू हो गई है। इसके साथ ही लंदन के इंटरनेशनल सिल्वर मार्केट में पिछले दो सप्ताह से जारी चांदी की सप्लाई में आई कमी भी अब काफी हद तक नियंत्रित हो चुकी है। मुनाफा वसूली और सप्लाई की स्थिति नियंत्रित होने के कारण अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की कीमत में अभी तक करीब 8 प्रतिशत की गिरावट आ गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत में आई बड़ी गिरावट और घरेलू सर्राफा बाजार में त्योहारी सीजन के लिए होने वाली खरीदारी का दौर खत्म हो जाने की वजह से स्थानीय बाजारों में भी चांदी की कीमत में जबरदस्त गिरावट दर्ज की गई है।

# दिवाली पर ऑनलाइन खरीदारी में महानगर ही नहीं, छोटे शहरों ने भी बनाया रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** इस साल दिवाली पर ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर जबरदस्त भीड़ नजर आई। अमेजन, फ्लिपकार्ट, जेप्टो और स्विगी जैसे ई-कॉमर्स व क्विक-डिलीवरी प्लेटफॉर्म्स पर रिकॉर्ड ऑर्डर दर्ज किए गए। खास बात यह है कि इस बार खरीदारी सिर्फ महानगरों तक सीमित नहीं थी, बल्कि छोटे और मझोले शहरों के उपभोक्ताओं ने भी ऑनलाइन त्योहारी खरीदारी में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ग्राहकों ने इस बार न केवल ज्यादा खर्च किया, बल्कि प्रीमियम प्रोडक्ट्स और फास्ट डिलीवरी सेवाओं को भी प्राथमिकता दी। अमेजन इंडिया के मुताबिक उसकी दिवाली सेल के दौरान प्लेटफॉर्म पर 2.76 अरब ग्राहक विजिट्स दर्ज की गईं। कंपनी ने बताया कि फैशन और ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बिक्री में 95 फीसदी, लैब-ग्रोन डायमंड्स में 390 फीसदी और प्रीमियम कपड़ों की बिक्री में 150 फीसदी की जबरदस्त बढ़ोतरी हुई। किराना उत्पादों में भी उल्लेखनीय उछाल आया। अमेजन फ्रेश पर ड्राई

फ्रूट्स, फल-सब्जियों और वेलनेस प्रोडक्ट्स की मांग 60 फीसदी बढ़ गई। इलेक्ट्रॉनिक्स कैटेगरी में ग्राहकों का झुकाव महंगे और एडवांस प्रोडक्ट्स की ओर रहा। 30,000 रुपए से ऊपर के स्मार्टफोन्स की बिक्री 30 फीसदी, 75-इंच टीवी की 70 फीसदी और क्यूलेड टीवी की बिक्री 105 फीसदी बढ़ी। अमेजन इंडिया के वाइस-प्रेसिडेंट सौरभ श्रीवास्तव ने बताया कि इस बार छोटे शहरों से गिफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामानों की खरीदारी में अप्रत्याशित बढ़ोतरी हुई। क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स ने भी दिवाली पर जबरदस्त कारोबार किया। जेप्टो ने बताया कि मिठाइयों की बिक्री 9 गुना, कुर्तों की 25 गुना और रंगोली उत्पादों की 6 गुना बढ़ी। स्विगी इंस्टामार्ट पर सोने-चांदी के सिक्कों की बिक्री में पांच गुना बढ़ोतरी हुई, जबकि फ्लिपकार्ट मिनट्स पर अंतिम क्षणों में पूजा सामग्री, दीये, तोरण, रंगोली पाउडर और गिफ्ट बॉक्स के ऑर्डर तेजी से बढ़े। कंपनी के मुताबिक बेंगलुरु, चेन्नई और दिल्ली-एनसीआर में सबसे ज्यादा ऑर्डर आए, जबकि कानपुर और पटना जैसे शहरों में भी अच्छी मांग देखने को मिली। फ्लिपकार्ट ने इस साल के त्यौहारी सीजन को अब तक का "सबसे यादगार" बताया। कंपनी ने कहा कि मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, बड़े घरेलू उपकरण और फैशन श्रेणियों में भारी ग्रोथ हुई। फ्लिपकार्ट के वाइस-प्रेसिडेंट प्रतीक शेट्टी ने कहा कि इस बार जेन-जेड ग्राहकों ने सबसे ज्यादा खरीदारी की और नए ट्रेंड सेट किए। उन्होंने कहा कि ग्राहकों का भरोसा और खर्च करने की इच्छा बढ़ी है, जो भारतीय अर्थव्यवस्था की मजबूती को दर्शाता है।

# नई वर्सीज 1100 रुपए 13.89 लाख की कीमत पर लॉन्च

**नई दिल्ली।** बाइक निर्माता कंपनी कावासाकी ने अपनी नई वर्सीज 1100 को रुपए 13.89 लाख (एक्स-शोरूम) की कीमत पर लॉन्च किया है। कंपनी ने इसमें 1,099सीसी इनलाइन 4-सिलेंडर लिक्विड-कूल्ड इंजन दिया है, जो 133 हॉर्सपावर और 112 एनएम टॉर्क पैदा करता है। इंजन के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स और रिटर्न-शिफ्ट ट्रांसमिशन है, जो राइड को स्मूद और कंट्रोल्ड बनाता है। वेर्सीज 1100 में केटीआरसी, केसीएमएफ और केआईबीएस जैसी एडवांस तकनीकें दी गई हैं, जिससे भारतीय सड़कों पर इसका बैलेंस और सेफ्टी और बेहतर हो जाती है। कंपनी ने ECU को फ्यूल एफिशिएंसी के लिए भी ऑप्टिमाइज किया है। डिज़ाइन की बात करें तो नई वर्से में पुराने मॉडल की झलक है, लेकिन इसे ज्यादा प्रीमियम टच दिया गया है। चौड़ी सीट, एडजस्टेबल विंडस्क्रीन, ऊंचा हैंडलबार और 21 लीटर का फ्यूल टैंक इसे लंबी यात्राओं के लिए आदर्श बनाते हैं। एयरोडायनामिक्स और एर्गोनॉमिक्स पर खास ध्यान दिया गया है। हर पहलू में वेर्सीज 1100 पावर, कम्फर्ट और प्रीमियमनेस का शानदार संतुलन पेश करती है।

# होंडा एक्टिवा 125 को मिल रही टीवीएस की नई ज़ुपिटर 125 से टक्कर

**नई दिल्ली।** होंडा एक्टिवा 125 को अब टीवीएस की नई ज़ुपिटर 125 से कड़ी टक्कर मिल रही है। इंजन के लिहाज से दोनों के बीच कांटे की टक्कर है। दोनों कंपनियां इस प्रीमियम स्कूटर सेगमेंट में ग्राहकों को फीचर्स, परफॉर्मेंस और वैल्यू के लिहाज से आकर्षित करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही हैं। एक्टिवा 125 में 123.92सीसी का इंजन है जो 8.3 बीएचपी की पावर और 10.5 एनएम टॉर्क देता है, जबकि ज़ुपिटर 125 का 124.8सीसी इंजन 8.4 बीएचपी पावर और 11.1 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। माइलेज के मामले में ज़ुपिटर आगे है, जो 57.27 केएमपीएल तक का औसत देती है, जबकि एक्टिवा लगभग 47 केएमपीएल तक का दावा करती है। राइडिंग कम्फर्ट में भी ज़ुपिटर का पलड़ा भारी है। इसका व्हीलबेस और सीट लंबाई एक्टिवा से ज्यादा है, जिससे लंबे सफर में आरामदायक अनुभव मिलता है। दोनों स्कूटरों की सीट हाइट 765 एमएम है, जिससे ये हर उम्र और कद के राइडर्स के लिए उपयुक्त हैं। फीचर्स की बात करें तो एक्टिवा 125 में होंडा रोड सिंक

एप, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और स्मार्ट की टेक्नोलॉजी जैसे फीचर्स हैं। वहीं ज़ुपिटर 125 इस मामले में और आगे है, जिसमें वॉइस असिस्ट, कनेक्टेड फीचर्स, 33 लीटर अंडरसीट स्टोरेज, फॉलो मी हेडलाइट और सोशल मीडिया अलर्ट जैसी आधुनिक सुविधाएं दी गई हैं। कीमत के लिहाज से एक्टिवा 125 के दो वेरिएंट्स की कीमत रुपए 99,674 (एक्स-शोरूम) तक जाती है, जबकि ज़ुपिटर 125 चार वेरिएंट्स में रुपए 80,740 से रुपए 92,001 तक उपलब्ध है।

# रिलीज हुआ धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म तेरे इश्क में का टाइटल सॉन्ग

## चला अरिजीत सिंह की आवाज का जादू

साउथ के सुपरस्टार धनुष और कृति सेनन स्टारर फिल्म तेरे इश्क में टीजर के रिलीज के बाद से ही छाई हुई है। फिल्म का टीजर इतना जबरदस्त है कि फिल्म के रिलीज का फैंस इंतजार नहीं कर रहे हैं। फिल्म 28 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी, लेकिन फिल्म का ट्रेलर अभी तक रिलीज नहीं हुआ है। फिल्म के बज के बीच फिल्म का पहला गाना वीडियो के साथ रिलीज कर दिया गया है। तेरे इश्क में फिल्म का पहला गाना तेरे इश्क में का टाइटल ट्रैक रिलीज कर दिया गया है। गाने में जहां धनुष अपने टूटे दिल और प्यार के जुनून को कृति के सामने रखते हैं, वहीं कृति का भी अलग रूप देखने को मिला है। फिल्म के टीजर में सिर्फ धनुष का जुनूनी अवतार देखने को मिला था, लेकिन नए गाने में कृति भी इश्क में धोखा खाई लड़की की तरह शराब का सहारा लेती दिख रही हैं। गाने में कृति शराब के नशे में चूर हैं तो धनुष एक्शन मोड में हैं। गाने के लिरिक्स भी दिल को छू जाने वाले हैं, गाने में फुल इमोशन और टूटे दिल की तड़प दिख रही हैं। बता दें कि टाइटल ट्रैक के लिरिक्स इरशाद कामिल ने लिखे हैं और अरिजीत सिंह ने अपनी आवाज से गाने में जादू डाल दिया है। गाने को कुछ देर पहले ही रिलीज किया गया है और गाना सोशल मीडिया पर छा गया है। फैंस गाने से रिलेट कर रहे हैं और अपने टूटे दिल की कहानी बता रहे हैं। एक यूजर ने लिखा, "कृति और धनुष में प्यार के कुछ ज़्यादा ही रंग दिखा रहे हैं। मैं तो इस फिल्म का दीवाना हो गया हूं।" एक दूसरे यूजर ने लिखा, "गाने का एक-एक लिरिक्स गूजबंप लाने वाला है और अरिजीत सिंह की आवाज ने दिल जीत लिया।" फिल्म में तेरे इश्क में धनुष और कृति सेनन के अलावा माहिर मोहिउद्दीन और सुशील दहिया जैसे एक्टर भी देखने को मिलेंगे। फिल्म का निर्देशन आनंद एल राय ने किया है और फिल्म 28 नवंबर को अलग-अलग भाषाओं में रिलीज होगी। फिल्म तमिल और हिंदी में रिलीज की जाएगी। फिल्म की कहानी हिमांशु शर्मा और नीरज यादव ने लिखी है। फिल्म के टीजर की बात करें तो टीजर में धनुष का अवतार जुनून और प्यार में धोखा खाए तड़पते आशिक जैसा है। टीजर की शुरुआत ही धमाकेदार डायलॉग से होती है और धनुष कृति की हल्दी में जाकर कहते हैं, "शंकर करे तेरे बेटा हो, तुझे पता चले कि इश्क में जो मर जाते हैं, वो भी किसी के बेटे होते हैं।" फिल्म में राझांणा की झलक देखने को मिलेगी।

## 'मायसा' का धमाकेदार पोस्टर आउट, रश्मिका मंदाना के एक्शन लुक ने जीता दिल

दिवाली के मौके पर फिल्म के मेकर्स ने एक शक्तिशाली मोशन पोस्टर जारी किया है, जिसने सोशल मीडिया पर धमाल मचा दिया है। पोस्टर में रश्मिका दमदार अवतार में दिखाई देती हैं, एक हाथ में राइफल, दूसरे में हथकड़ी, और पीछे उगता हुआ सूरज। यह इमेज न सिर्फ शक्ति और रहस्य का प्रतीक है, बल्कि फिल्म के थ्रिल और इमोशन से भरे सफर की झलक भी देती है। पोस्टर शेयर करते हुए फिल्म के मेकर्स ने लिखा, "तूफान के आने से पहले की शांति... टीम मायसा की ओर से सभी को एक खुशहाल और ताकतवर दिवाली की शुभकामनाएं।" पोस्टर के कुछ ही घंटों में फैंस ने सोशल मीडिया पर रश्मिका के नए लुक की जमकर तारीफ की। हाल ही में जारी एक और पोस्टर में रश्मिका खून सने चेहरे, बिखरे बालों और तलवार के साथ नजर आईं। उनके इस रूप ने फैंस को चौंका दिया और साफ कर दिया कि 'मायसा' उनकी करियर की सबसे अलग और शक्तिशाली भूमिकाओं में से एक होगी। 'मायसा' को अनफॉर्मूला फिल्म्स ने प्रोड्यूस किया है और इसका निर्देशन रवींद्र पुल्ले ने किया है। फिल्म की कहानी आदिवासी इलाकों की पृष्ठभूमि में बुनी गई एक इमोशनल एक्शन थ्रिलर है, जो इंसान और प्रकृति के रिश्ते को गहराई से दिखाती है। रश्मिका मंदाना के दमदार अभिनय, सिनेमाई भव्यता, और रॉ इमोशन से भरी कहानी के साथ 'मायसा' इस साल की सबसे प्रत्याशित फिल्मों में शामिल हो चुकी है, जो दर्शकों को एक अविस्मरणीय सिनेमैटिक अनुभव देने का वादा करती है।

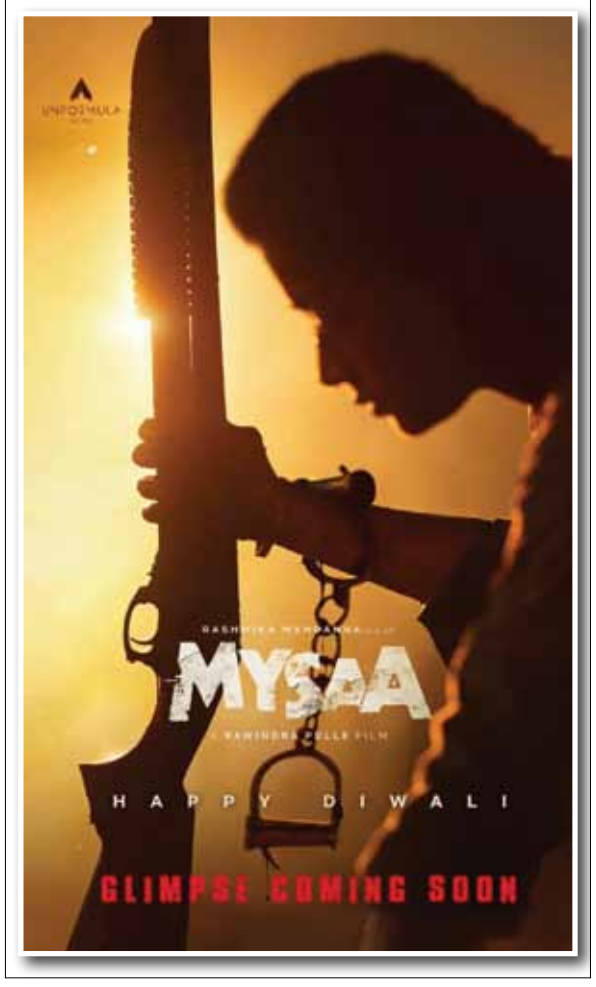


# सोनम खान ने मिथुन चक्रवर्ती के साथ शेयर की पुरानी यादें

अभिनेत्री सोनम खान भले ही अब सिल्वर स्क्रीन पर कम नजर आती हैं, लेकिन वह सोशल मीडिया के जरिए यादों को शेयर करती रहती हैं। उन्होंने शुक्रवार को मिथुन चक्रवर्ती संग तस्वीर पोस्ट कर उनके साथ स्क्रीन शेयर करने के अपने अनुभव बताए। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर अभिनेता के साथ तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उन्होंने अभिनेता के व्यवहार की तारीफ करते हुए कैप्शन में लिखा, "मिथुन न केवल एक सुपरस्टार बल्कि नेक दिलवाले इंसान हैं।" सोनम ने लिखा कि उनके करियर की शुरुआत में मिथुन के साथ एक फिल्म साइन करना उनके लिए बहुत बड़ी उपलब्धि थी। उन्होंने लिखा, "मिथुन सर के साथ फिल्म साइन करने से पहले मेरी फिल्म रिलीज भी नहीं हुई थी और मैं उस समय इंडस्ट्री में नई थी। मेरे लिए यह बहुत बड़ी बात थी क्योंकि मैं एकदम नई थी। सर की दयालुता की वजह से मुझे किसी

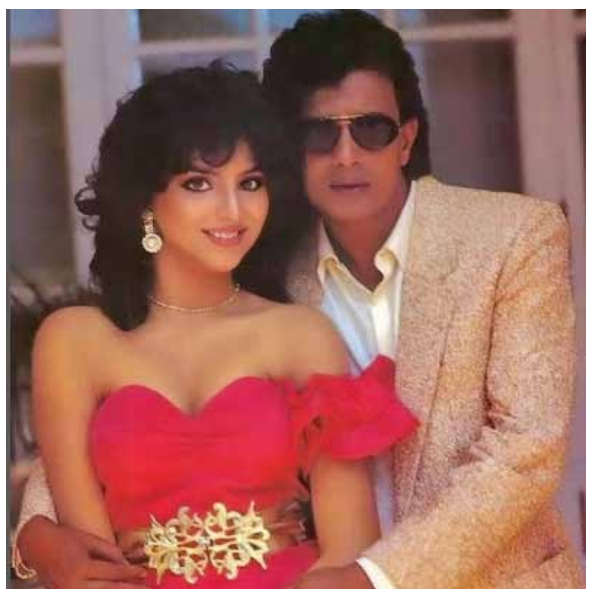

ऑडिशन की भी जरूरत नहीं पड़ी।" सोनम ने बताया कि वह मिथुन के साथ काम करने से पहले काफी नर्वस थीं, क्योंकि वह बचपन से उनकी फिल्में देखकर बड़ी हुई हैं। उन्होंने यह भी खुलासा किया कि उन्हें मिथुन पर हल्का-सा क्रश था, जिससे उनकी घबराहट और बढ़ जाती थी। सोनम ने मिथुन की सादगी और उदारता की तारीफ करते हुए कहा कि उनका व्यवहार हमेशा दूसरों से अलग रहा है। सालों बाद कोयंबटूर हवाई अड्डे पर मिथुन से मुलाकात हुई, जब दोनों ऊटी जा रहे थे। मिथुन ने उन्हें अपने होटल द मोनार्क में सात कोर्स वाला लंच ऑफर किया। सोनम ने कहा कि मिथुन आज भी उतने ही विनम्र और सज्जन हैं, जितने वह उनके करियर के शुरुआती दिनों में थे। सोनम ने मिथुन को एक ऐसे सुपरस्टार के रूप में याद किया, जिनका दिल सोने जैसा है। अभिनेत्री सोनम खान और मिथुन चक्रवर्ती ने मिलकर तीन फिल्मों में काम किया है।

## शाहरुख खान के साथ टीवी ऐड करना मेरे करियर का सबसे यादगार अनुभव : मीरा उमर

स्वीडन से बॉलीवुड की चकाचौंध में अपनी छाप छोड़ने वालीं मीरा उमर आज सिर्फ एक नाम नहीं, बल्कि एक प्रेरणा बन चुकी हैं। संगीत, नृत्य और कला के प्रति उनका जुनून ही पहचान बन गया है, जो सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों से परे है। अफगानिस्तान में जन्मी, स्वीडन में पली-बढ़ी और भारत में अपने सपनों को आकार देती मीरा की कहानी संघर्षों से भरी है। उन्होंने आईएएनएस से बात करते हुए अपने करियर को लेकर बात की। काबुल से स्वीडन तक के सफर के सवाल पर मीरा ने कहा कि उनका स्वीडन आना एक लंबी यात्रा का हिस्सा था। उस वक्त वह काफी छोटी थीं, जिसके कारण उन्हें इस यात्रा के बारे में बहुत ज्यादा जानकारी नहीं है। आईएएनएस से बात करते हुए उन्होंने कहा, मैं काबुल में पैदा हुई थी। यह 90 के दशक की शुरुआत की बात है, जब वहां युद्ध और तालिबान का बोलबाला था। हमें अपना देश छोड़ना पड़ा और हम शरणार्थियों के रूप में स्वीडन आए। मैं उस वक्त तीन साल की थी, इसलिए इस सफर की यादें काफी धुंधली हैं, लेकिन मैं बहुत खुश और आभारी हूं कि मेरे माता-पिता ने इतनी हिम्मत की, ताकि हम एक बेहतर जीवन पा सकें। स्वीडन एक अद्भुत देश है।

मीरा ने आगे संगीत और नृत्य के प्रति अपने लगाव के बारे में बताया। वह कहती हैं कि उन्होंने गाना और नाचना उस समय शुरू किया, जब वह बोलना भी नहीं जानती थीं। उन्होंने कहा, मेरे पापा अफगानिस्तान से हैं और हमारे कल्चर में म्यूजिक और डांस बहुत गहराई से जुड़े हैं। मेरी मां भी सिंगर रही हैं और उन्होंने बैले डांस भी किया है। तो ये सब मेरे खून में ही है। जब मैं बच्ची थी, तो मैं अपने घरवालों को लिविंग रूम में बुलाया करती और कहती थी, यहां बैठो, अब मैं तुम्हारे लिए परफॉर्म करूंगी, और कभी-कभी तो मैं उनसे टिकट भी मांगती थी। इसी तरह के छोटे-छोटे लम्हों ने मेरे करियर की नींव रखी। मीरा ने आगे कहा, माता-पिता का साथ और समर्थन मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत रहा है। अगर मेरा परिवार मेरा साथ न होता, तो मैं शायद यहां तक नहीं पहुंच पाती। जब मैंने अपने माता-पिता से कहा कि मैं इसे प्रोफेशनली करना चाहती हूं, तो वे सरप्राइज नहीं हुए, बल्कि उन्होंने शुरू से ही मेरा साथ दिया। आईएएनएस से बात करते हुए मीरा ने बताया कि उनके करियर में दिलचस्प मोड़ तब आया, जब वह भारत आईं और यहां पांच साल रहीं। भारत में उन्होंने डांस इंडस्ट्री को करीब से देखा और कई ऑडिशन, कास्टिंग और शूटिंग्स का हिस्सा बनीं। लेकिन उनके लिए सबसे यादगार अनुभव एक टीवी कमर्शियल था, जो उन्होंने बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान के साथ किया। उन्होंने कहा, यह एक छोटा सा रोल था; मैं सिर्फ तीन सेकंड के लिए स्क्रीन पर हूं। लेकिन उन तीन सेकंड्स में मैं शाहरुख खान के साथ टैंगो डांस कर रही थी। उस दिन मैंने सोचा कि इससे बेहतर शायद कुछ नहीं हो सकता।

## त्योहारों के सीजन में भी सेहत का ध्यान रखते हैं पंकज त्रिपाठी, फिटनेस मंत्र बताया

त्योहारों का मौसम आते ही चारों ओर मिठाइयों की खुशबू फैल जाती है। खासकर दीपावली के दौरान तो घर-घर में तरह-तरह के पकवान और मीठे व्यंजन बनते हैं। लोग अपनों के साथ मिलकर स्वाद और उत्सव दोनों का आनंद लेते हैं। कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जो इस दौरान अपनी सेहत और आदतों को लेकर सजग रहते हैं। ऐसे ही एक नाम हैं मशहूर अभिनेता पंकज त्रिपाठी, जो न सिर्फ अपने अभिनय के लिए जाने जाते हैं, बल्कि अपने सादा जीवन और संतुलित खानपान के लिए भी चर्चा में रहते हैं। दीपावली जैसे त्योहार पर जब आम लोग मिठाइयां खाते हैं, तब पंकज त्रिपाठी खुद को

इस ललक से बचाए रखते हैं। उन्होंने आईएएनएस के साथ एक इंटरव्यू में बताया कि उन्हें मिठाइयों का उतना शौक नहीं है। उन्होंने कहा, मैं मिठाइयां ज्यादा खाता नहीं हूं, लेकिन दीपावली पर कुछ मिठाइयां खा लेता हूं, वो भी सिर्फ अच्छी वाली, जैसे काजू और किशमिश वाली मिठाइयां, जिससे मेरी सेहत पर कोई असर न पड़े। ऐसे में त्योहार पर वजन बढ़ने की मुझे चिंता नहीं होती। बैलेंस डाइट ही मेरा असली फिटनेस मंत्र है और यही मेरी दिनचर्या का हिस्सा है। पंकज त्रिपाठी इन दिनों अपने फैंस के लिए एक और बड़ी खुशखबरी लेकर आ रहे हैं। वह एक बार फिर अपने चर्चित किरदार कालीन भैया के रूप में लौटने वाले हैं। वो भी अब वेबसीरीज के रूप में नहीं, बल्कि फिल्म में। मिर्जापुर के चाहने वालों के लिए एक फिल्म बनाई जा रही है, जिसकी शूटिंग अभी वाराणसी में चल रही है। हाल ही में उन्हें रामनगर किला में अली फजल के साथ शूटिंग करते देखा गया, जिसकी तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुई। फिल्म का निर्देशन गुरमीत सिंह कर रहे हैं और यह 2026 में रिलीज होने वाली है।

## प्रभास की वर्किंग दिवाली : ग्रीस में द राजा साब का ग्रैंड सॉन्ग शूट, फिल्म पहुंची फिनिश लाइन के करीब

इस बार प्रभास की दिवाली कुछ अलग है- पटाखों की चमक नहीं, बल्कि कैमरों की लाइट्स में जगमगा रही है! सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित हॉरर-फैंटेसी फिल्म 'द राजा साब की शूटिंग के लिए ग्रीस में हैं, जहां फिल्म का आखिरी शेड्यूल चल रहा है। फिल्म के दो बड़े सॉन्ग्स पहले ही ग्रीस की धूप से नहाई बीचेज़ और खूबसूरत आइलैंड्स पर शूट किए जा चुके हैं, और अब टीम दिवाली तक ग्रैंड रैप-अप की तैयारी में जुटी है। फिल्ममेकर्स ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर शूट की झलक दिखाई, जिसमें लिखा था, दिवाली के साथ-साथ टीम ने

फैंस के लिए एक और तोहफा भी तैयार किया है — प्रभास के बर्थडे (23 अक्टूबर) पर 'द राजा साब से जुड़ा एक बड़ा अपडेट आने वाला है, जिससे फैंस के बीच एक्साइटमेंट डबल हो गया है। पहले रिलीज़ हुए ट्रेलर ने ही सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी थी — हॉरर, रोमांस और ह्यूमर का ऐसा तड़का जिसमें संजय दत्त नजर आए थे एक "एक्सॉर्सिस्ट, साइकाइट्रिस्ट और हिप्नोटिस्ट" के यूनिक रोल में। उनके साथ बोमन ईरानी और ज़रीना वहाब भी नज़र आएंगे, जो फिल्म में नॉस्टैल्जिया और एंटरटेनमेंट का परफेक्ट डोज़ लेकर आ रहे हैं।

# Brief news

## IndiGo flights will operate from all three terminals at Delhi Airport, with the new Terminal 2 to be operational from October 26th

**New Delhi** : Passengers traveling from Delhi's Indira Gandhi International Airport have great news. IndiGo, the country's largest private airline, has announced that its flights will operate from all three terminals: T1, T2, and T3, starting October 26th. The company stated that the new Terminal 2 (T2) will become operational from October 26th. Flights numbered 6E 2000 to 6E 2999 will operate from here. All international flights and flights numbered 6E 5000 to 6E 5999 will operate from Terminal 3 (T3). All other domestic IndiGo flights will continue to operate from Terminal 1 (T1) as before. The company has requested passengers to check their tickets and terminal details before traveling to avoid any inconvenience. According to airport officials, the purpose of this transformation is to streamline airport operations to accommodate the growing passenger volume. The new Terminal 2 will be equipped with state-of-the-art facilities, providing passengers with a fast and comfortable travel experience.

## 12 wagons of a freight train derail near Mathura, disrupting Delhi-Mumbai rail route

**Mathura**: Twelve wagons of a freight train derailed near Mathura on Tuesday night, disrupting traffic on the Delhi-Mumbai rail route. Officials said the derailed wagons were carrying cargo. The incident occurred at around 8:24 p.m. Tuesday between Vrindavan Road station and Ajai station on the Mathura-Palwal section of the Agra Railway Division. According to preliminary information, there were no casualties and all train crew members are safe. However, the accident disrupted the down main line, up main line, and third line. Officials warned that this would severely impact the movement of several trains on the Delhi-Mumbai and Delhi-Kota routes. The railway department has immediately initiated rescue and track repair work to restore traffic as soon as possible. Railway passengers of the concerned line have been appealed to keep getting information from the railway website or the concerned station for train timetable and updates.

## When Supreme Court judges travel in sedan cars, why does the Lokpal need a BMW

**New Delhi**: The Lokpal, the country's highest corruption investigation body, is currently in the news for one of its decisions. The Lokpal recently issued a tender to purchase seven luxury BMW cars, reportedly worth approximately 5 crore. Senior Congress leader and former Finance Minister P. Chidambaram has sharply reacted to this decision. Chidambaram posted on Instagram, questioning that when Supreme Court judges travel in sedan cars, why do the Lokpal Chairman and six other members need BMWs? Why are these cars being purchased with public money? It is expected that at least one or two Lokpal members will refuse these cars. Chidambaram's comments were made in a report that revealed that the Lokpal had issued a tender for the purchase of seven BMW cars. According to the documents, all these vehicles will be white and are to be delivered to the Lokpal office in Vasant Kunj, Delhi, within two weeks. The tender also states that the supplier must provide seven days of specialized training to Lokpal drivers on how to operate these BMW cars. According to BMW's official website, this is considered the longest and most luxurious car in its segment, offering the most spacious and comfortable rear seating. The on-road price of one car is approximately 70 lakh. This purchase by the Lokpal is also questionable because the organization's mission is to promote public interest and transparency. Its members receive salaries, allowances, and other benefits comparable to those of Supreme Court judges. A debate has now erupted in political circles: when Supreme Court judges travel in government sedan cars, why does an institution like the Lokpal need such expensive German cars? Till now, there has been no official statement from the Lokpal on this, but this statement of Chidambaram further strengthens the stand of the opposition in which the government is being accused of adopting double standards of 'corruption and wasteful expenditure'.

## Heavy rains in Tamil Nadu, schools closed in 5 districts, threat of storm surge at Chennai's Marina Beach

**Chennai**: Several states in South India have been experiencing continuous heavy rainfall for the past two days due to the activation of the northeast monsoon. The situation remains particularly severe in Tamil Nadu. On Wednesday, the Meteorological Department issued a heavy rain warning for Chennai, Tiruvallur, Kanchipuram, Chengalpattu, and the Delta districts. Strong winds have caused trees to fall in some areas, but there are no reports of casualties.

All schools in Chennai have been closed due to the continuous rain. The state government has instructed the administration to remain on alert. Schools and colleges in Cuddalore, Villupuram, Ranipet, and Thoothukudi districts have also been declared closed. Meanwhile, high waves are rising at Chennai's Marina Beach along with strong winds. There are reports of trees falling in some areas, but the relief is that there are no reports of any casualties. The Meteorological Department has predicted a storm for the next few days. The administration has issued a strict warning to coastal residents and fishermen not to venture into the sea.

**Rainfall also affects neighboring states-** Kerala, Andhra Pradesh, and Puducherry are also experiencing continuous rainfall. Schools and colleges have been closed in Puducherry and Karaikal. The administration in Nellore district of Andhra Pradesh has issued an alert and declared a school holiday. According to the India Meteorological Department (IMD), rainfall will continue in South India for the next seven days. Tamil Nadu, Kerala, Puducherry, Andhra Pradesh, Lakshadweep, and South Karnataka are expected to receive rainfall ranging from 64 to 111 mm. Heavy to very heavy rainfall is expected in Tamil Nadu's Erode, Nilgiris, Coimbatore, Dindigul, Madurai, Tiruppur, Ramanathapuram, Thanjavur, Tiruvarur, Nagapattinam, and Karaikal districts. The IMD has warned that coastal areas of Kerala and Karnataka will experience winds of 35 to 45 kmph, gusting up to 55 kmph. High tides and deep waves are expected in the sea, so all fishermen and coastal residents have been urged to remain vigilant

# School children organized a street play as part of Special Campaign 5.0 in CCL Kuju Area

**Ranchi**. Under the aegis of Central Coalfields Limited, Kuju Area, an impressive street play was organized by school children under the message of "Cleanliness is Service" as part of Special Campaign 5.0.

Through this presentation, the children raised awareness on topics such as the importance of cleanliness, the benefits of a clean environment, and the proper use of dustbins. The children presented it in a simple, interesting, and inspiring manner, which left a deep impact on the audience and was enthusiastically appreciated by all.

The aim of this initiative was not only to provide information but also to inspire people to adopt cleanliness as a collective responsibility in society. During the event, local residents praised the children's performance and said that such programs are extremely helpful in bringing positive change and awareness in the community.

The CCL family described the success of this event as an important step towards working together with the local community to create a clean and safe environment. Officials said that instilling this kind of social awareness and responsibility in the younger generation is one of the institute's priorities.

The program demonstrated that through education and creativity, the message of cleanliness and social service can be conveyed in a simple and effective manner, leading to lasting and positive change in society.

## Four youths were arrested after a fight broke out in Chatori Gali over a firecracker dispute

AGENCIES

**Lucknow**: An argument between two groups over fireworks in the riverfront area behind Chatori Gali, located in the Gautampalli police station area of the capital, escalated to a physical altercation. This incident, which occurred after Diwali, caused widespread panic in the area. Upon receiving information, the 112 team and Gautampalli police arrived at the scene and brought the situation under control. Police brought both groups to the police station for questioning and arrested four youths involved in the altercation. According to police, on the night of October 21st, some young men were bursting firecrackers on the riverfront behind Chatori Gali. During the altercation, an argument with members of the other group escalated into a physical fight. Police immediately intervened, calmed the situation, and took both parties to the police station. Gautampalli police station took immediate action and identified four youths and arrested them under sections 170/126/135 of the BNSS. The arrested accused include Prashant, son of Awadhesh Kumar Mishra, resident of B-7, Ahilya Bai Nagar, Kalyanpur West, Gudamba police station, Lucknow (24 years), Deepak Verma, son of Asharam Verma, resident of 57, Seemant Nagar, Kalyanpur West, Gudamba police station, Lucknow (28 years), Shubham Singh, son of Yamuna Singh, resident of Sai Data Road, Arjunganj, Sushant Golf City police station, Lucknow (25 years), and Rahul Yadav, son of Vinod Yadav, resident of Arya Nagar Colony, Arjunganj, Sushant Golf City police station, Lucknow (27 years). The police team that made the arrests included Sub-Inspector Krishnapal, Sub-Inspector Dilip, female Sub-Inspector Vipin Singh, and Constable Sachin. Police said that additional police force has been deployed in the area as a precautionary measure to maintain peace between the two parties and prevent any untoward incident.

# A special cleanliness drive was successfully organized at the Dinkar Library, CCL Headquarters, under Special Campaign 5.0

**Ranchi**. A special cleanliness drive was successfully organized at the Dinkar Library, CCL Headquarters, under Special Campaign 5.0. The initiative aimed to clean the library and ensure better utilization of available space, so that staff and readers could study in a clean, organized, and conducive environment.

During the drive, old newspapers and magazines were systematically collected and removed. A total of 3,069 kilograms of old newspapers and 144 kilograms of old magazines were removed from the library and sold as per the prescribed procedure, generating revenue for the company. This initiative reflects the department's commitment to cleanliness, resource reuse, and waste management.

Through this initiative, CCL conveyed the message that cleanliness is not just a one-day campaign, but a continuous part of the organization's work culture. This effort made the library more organized and useful, and enhanced the study environment for users.

# The Gangotri Dham closed for Winter

AGENCIES

**Dehradun**: The doors of Gangotri Dham, one of the major pilgrimage sites of the Char Dham Yatra, were closed for the winter season with due rituals on Wednesday, October 22nd. A grand festival of lights and special prayers were held throughout the Dham on this occasion. The temple complex was decorated with flowers, garlands, and lamps, filling the entire area with devotion and enthusiasm.

As per religious tradition, the doors of Mother Ganga were closed at 11:36 am on the occasion of Annakut. Following this, the festive idol of Mother Ganga was placed in a palanquin and taken to Mukhwa village for its winter sojourn. During the winter, devotees will be able to view Mother Ganga at the Ganga Temple located there. This year, the Gangotri Dham Yatra began on the auspicious day of Akshaya Tritiya on April 30, 2025. According to the district administration, more than 757,000 devotees visited Gangotri Dham during this pilgrimage season.

The doors of Yamunotri Dham will be closed on Bhaiya Dooj. The doors of Yamunotri Dham will also be closed on October 23, Bhaiya Dooj. Following this, the festive idol of Mother Yamuna will be taken to the winter temple in Kharsali village, following traditional rituals. This year, a total of 1,402,128 devotees visited both shrines in Uttarkashi district, of which 757,762 visited Gangotri and 644,366 visited Yamunotri. The temples in Mukhwa and Kharsali villages, along with both shrines, were specially decorated.

The administration and police departments made elaborate arrangements for security, traffic, and the convenience of the pilgrims. Prior to this, the Gangotri and Yamunotri temple committees completed all preparations for the closing of the doors in the traditional manner. Now during winter, devotees will be able to visit Mother Ganga and Mother Yamuna at their winter residences Mukhwa and Kharsali.

# Digital house arrest by posing as a fake CBI officer; accused of cyber fraud worth Rs 1.18 crore arrested

AGENCIES

**Lucknow**: Cybercrime police in Lucknow have arrested a notorious cybercriminal who posed as a CBI or ED officer, digitally holding people hostage and defrauding them of crores of rupees. The accused recently defrauded another person of Rs 11.855 crore using a similar tactic. The incident dates back to September 22, 2025, when Lucknow resident Hirak Bhattacharya received a WhatsApp call. The caller identified himself as police officer Vijay Khanna and said that a fake account had been opened in his name at Canara Bank, Delhi, where fraudulent funds were being deposited. Subsequently, another person, claiming to be an Enforcement Directorate (ED) officer, Rahul Gupta, maintained contact with Hirak Bhattacharya through repeated WhatsApp calls and chats, posing as an investigation officer. These fraudsters intimidated him into depositing a total of over 11.8 million into various bank accounts. The victim was sent a fake arrest warrant and court seizure order, informing him that the investigation was confidential and he was not to contact anyone during this period. Due to continued pressure and threats, the victim transferred the money to the designated accounts. Later, realizing he had been duped, he filed a complaint with the Cyber Crime Police Station. Following this, the police registered a case number 148/2025 under sections 318(4)/319(2) of the Indian Penal Code and section 66(D) of the Information Technology Act and initiated an investigation. Under the orders of the Lucknow Police Commissioner and the direction of the Joint Commissioner of Police (Crime and Headquarters), a team formed under the supervision of the Deputy Commissioner of Police (Crime) and led by Inspector-in-Charge Brajesh Kumar Yadav, conducted technical investigations and transaction tracing, and arrested the accused, Kamlesh Kumar.

During interrogation, the accused revealed that he previously worked as a sweet maker and supplier. A few months ago, he met Anurag, a resident of Sitapur, who promised him a two percent commission on transactions made in the account if he opened a bank account in his name and provided a SIM card linked to it. Enticed, Kamlesh opened an account at IndusInd Bank in Gomtinagar, Patrakarpuram, and handed over all the related documents to Anurag. Anurag was associated with cyber fraudsters based abroad and received a five percent commission in USDT (cryptocurrency) for these transactions. The investigation also revealed that crores of rupees had been deposited into Kamlesh's account through fraudulent transactions from across the country, and 22 complaints related to this account had been registered on the NCCRP portal. The cybercriminal gang's modus operandi is highly organized. They misuse SIM cards, Aadhaar cards, and ink signatures obtained from courier packages. They pose as police, CBI, or ED officials and threaten people by claiming they are involved in serious crimes. They are then placed under "digital house arrest" by monitoring them via video calls or Skype, and money is extorted in the name of a fake investigation. In many cases, they intimidate victims by creating a fake police station or courtroom-like backdrop and defraud them of large sums of money. Police recovered a Realme mobile phone from the accused's possession. The arrested accused has been identified as Kamlesh Kumar, son of Shivbalak, a 39-year-old resident of village Saifpur Dhaidhaimau, Kakori police station, Malihabad, Lucknow. The police team that made the arrest included Inspector-in-Charge Brijesh Kumar Yadav, Sub-Inspector Prashant Raghuvanshi, Chief Constable Vivek Kumar Yadav, Constable Sanjay Kumar Gupta, and Constable Vaibhav Nain. The Cyber Crime Police have appealed to citizens not to be intimidated by any call or message from someone claiming to be a police, ED, or CBI officer and talking about digital arrest or interrogation. There is no legal provision for "digital arrest" in India. In any such incident, immediately lodge a complaint on the National Cyber Crime Helpline number 1930 or the website cybercrime.gov.in .

## Minister A.K. Sharma held a review meeting regarding preparations for the Chhath festival and issued strict instructions regarding cleanliness and electricity arrangements

**Lucknow**: Urban Development and Energy Minister A.K. Sharma held a detailed review meeting with senior officials of the Urban Development and Energy Departments at his camp office regarding preparations for the upcoming Chhath festival. He stated that Chhath is a very important festival associated with faith and public sentiment, and therefore, all related arrangements should be completed in a timely manner to avoid any inconvenience to devotees. Minister Sharma directed officials to prioritize sanitation, fogging, disinfectant spraying, leveling of ghats, and lighting. He also directed that the repair and pothole-free cleaning of major city roads and paths leading to the ghats should be completed immediately. He also emphasized that cleanliness and orderliness are the greatest service during the Chhath festival, and therefore, all officers and employees should act responsibly and sensitively. Directing Energy Department officials, Minister Sharma stated that there should be no power disruptions in any area during the Chhath festival. He directed that temporary lighting arrangements, the functioning of high-mast lights, and electrical safety measures around the ghats and places of worship be given top priority. All superintending engineers and executive engineers were directed to maintain a 24-hour control room during the festival and ensure prompt action on any complaints. He also directed that all feeders and transformers be pre-inspected to prevent any technical malfunctions.

## Deputy Chief Minister Keshav Prasad Maurya extended greetings on the occasion of Chitragupta Jayanti and Bhai Dooj

**Lucknow** : Uttar Pradesh Deputy Chief Minister Keshav Prasad Maurya extended his heartfelt greetings and best wishes to the people of the state on the auspicious occasion of Chitragupta Jayanti and Bhai Dooj. He said that this sacred festival of Chitragupta Jayanti symbolizes the balance of knowledge, wisdom, and action. On this day, we should resolve to contribute to the development of society and the nation through our actions. Maurya said that the festival of Bhai Dooj symbolizes the affection, trust, and unity between brothers and sisters. This festival conveys the message of love, harmony, and solidarity within the family and society. He wished that this festival brings happiness, prosperity, and good fortune to everyone's life. The Deputy Chief Minister appealed to the people of the state to celebrate these two sacred festivals with mutual love, harmony, and social harmony and contribute to the continued progress of the state.

## Earthquake tremors felt from Himachal to Pakistan and Afghanistan, panicked people who left their homes at midnight

**New Delhi**: Earthquake tremors were felt in Tibet, Pakistan, Afghanistan, and India's Himachal Pradesh and Ladakh over the past few hours. These continuous tremors created panic among the people, although it is a matter of relief that no major damage has been reported so far. The intensity of the earthquake was measured at 4.0 in Tibet, 4.6 in Pakistan, 4.3 in Afghanistan, 2.8 in Shimla, and 3.7 in Leh. All these areas are considered seismically sensitive, due to which the administration has appealed to the people to remain alert.

**Tremors in Tibet and neighboring countries-** The epicenter of the 4.0 magnitude earthquake in Tibet was in the mountainous region. The tremors were felt lightly and no damage was reported. The local administration has advised people to stay in safe places as a precaution. Earthquakes of 4.6 magnitude were recorded in Pakistan and 4.3 magnitude in Afghanistan. The tremors were felt in northern Pakistan and rural areas of Afghanistan. The administrations of both the countries have given instructions to monitor seismic activities.

**Earth shook in India too-** A magnitude 2.8 earthquake struck Shimla, Himachal Pradesh, at around 1 a.m. on October 22, 2025.

# Fly Ash Mafia Fuels Crime on Jharsuguda–Sundargarh Border

RAJ KUMAR SHARMA
**Jharsuguda**

The illegal fly ash transport business has triggered serious law and order issues on the Jharsuguda–Sundargarh border, with criminal gangs becoming increasingly active in the area.

Recently, the Brajrajnagar police conducted a raid in the Tileimal forest and arrested eight persons, seizing two country-made pistols, three live bullets, two handguns, knives, iron rods, and a scorpion vehicle. However, several others believed to be backing the gang and using it for commercial gains remain at large.

According to police sources, the gang was formed to control fly ash transportation from the NTPC Darlipali project and has been involved in illegal activities such as extortion and intimidation of contractors. The gang is reportedly led by Mantu alias Tejraj Patel, who evaded arrest during the police raid. Though a complaint has been lodged against him, Mantu is allegedly still roaming freely and recruiting more criminals in the area.

Police sources also indicated that political interference has deepened the crisis. Certain political figures are allegedly using criminal groups to dominate the lucrative fly ash transport business in the Tileimal area. Suraj Patel, earlier arrested in a criminal case, and another political figure from the Sundargarh Ujiwalpur area are suspected of providing financial and logistical support to the gang.

With criminals from both districts joining hands, the border area has become increasingly volatile. "The police are keeping a close watch on those trying to disturb peace and will take strict action," said Brajrajnagar SDPO.

# Villagers Oppose Conversion of Government Land for Industrial Use in Marakuta

RAJ KUMAR SHARMA
**Jharsuguda**

Residents of Marakuta village under Jharsuguda Sadar block have lodged a strong complaint with the Jharsuguda Tehsildar, opposing the proposed conversion of government land in their area for industrial purposes.

According to villagers, the Jharsuguda Tehsil Office recently issued several public notices — No. 73/2025, PR Notice Nos. 329 and 320, and DR Notice No. 37/2025 — proposing to convert around 25 acres of government land, including roads, dharsa, kata, and settlement areas, for other uses. The notices, published in the Marakuta village and Tehsil Office, invited public objections. In response, hundreds of villagers, led by Marakuta Sarpanch Lily

Tanti, Samiti member Sujata Meher, and Naib Sarpanch Ashish Kumar Gardia, submitted a written complaint to the Tehsildar's office on Wednesday. They expressed fears that the conversion would reduce grazing land, disrupt walking paths, and cut off access to traditional water sources, roads, and bridges that villagers have relied upon for generations.

The residents further stated that several industries have already been established in the Marakuta area, significantly reducing available government land. Any further land transfer, they warned, would severely affect farming activities and local livelihoods. The villagers have urged the administration not to proceed with the proposed conversion and have cautioned that they would launch protests if their demand is ignored.

Jharsuguda Tehsildar Sadakar Kumbhar confirmed receipt of the villagers' petition and stated that a public hearing would be conducted soon, where both applicants and villagers would be heard before any decision is taken.

# Preparations underway to extradite fugitive diamond merchant Choksi to Indian jail

AGENCIES

**New Delhi**: The Antwerp Court in Belgium has approved the extradition of fugitive Indian diamond merchant Mehul Choksi to India. The Antwerp Court stated that Choksi is not a Belgian but a foreign citizen. The charges against him in India (fraud, corruption, and forgery) are of a serious criminal nature. The Antwerp Court is confident that the fugitive accused Mehul will receive a fair trial in India and that prison facilities will comply with international standards.

The Court rejected Choksi's arguments that the case was motivated by political vendetta, religious/racial discrimination, or kidnapping/torture. The Court termed these allegations baseless. The Indian government is now preparing to bring Choksi to India as soon as possible. The extradition date will be set after the formal process. Choksi fled in 2018 after the PNB loan scam was exposed. He, along with his nephew Nirav Modi, caused a loss of approximately 13,000 crore to the bank. Choksi's nephew, Nirav Modi, is currently imprisoned in the UK, and the process for his extradition is already underway. This decision is being considered a major legal victory for India.

What was the entire episode?

Mehul Choksi fled India after the PNB loan scam was exposed in 2018. He, along with his nephew Nirav Modi, caused a loss of approximately 13,000 crore to the bank. Nirav Modi is currently imprisoned in the UK, and the process for his extradition to India is already underway. The Ministry of External Affairs and central investigative agencies have described this as an "important step towards justice."